हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,मंगलवार 10 सितम्बर 2024 वर्ष : 02 अंक :119 पृष्ठ -12 PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 मूल्य - ₹ 3 पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

श्रीलंकाई नौसेना ने तमिल मछुआरों को किया गिरफ्तार, स्टालिन ने विदेश मंत्री जयशंकर को लिखा पत्र,

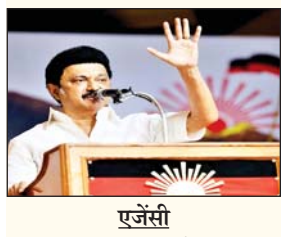

एजेंसी

तमिलनाडु:तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित करने के प्रयास में विदेश मंत्री जयशंकर को पत्र लिखा है।ऐसी गिरफ्तारियों में खतरनाक वृद्धि पर चिंता का हवाला देते हुए उन्होंने जयशंकर से नौकाओं को रिहा करने और मछुआरों पर लगाए गए दंड को हटाने में हस्तक्षेप करने का भी अनुरोध किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि 7 सितंबर को अकेले पुदुकोट्टई के 14 मछुआरों को उनकी तीन मशीनीकृत मछली पकड़ने वाली नौकाओं के साथ श्रीलंकाई नौसेना ने हिरासत में ले लिया। अकेले वर्ष 2024 में, 350 मछुआरों और 49 मछली पकड़ने वाली नौकाओं को श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़ा है, जो पिछले छह वर्षों में सबसे अधिक है। श्रीलंकाई अदालतें भी मछुआरों पर भारी जुमार्ना लगा रही हैं जो उनकी क्षमता से परे है।उन्होंने यह भी दावा किया कि इस तरह की गिरफ्तारियों से लंबे समय तक जेल में रहना पड़ेगा।

अनंत सिंह के गांव पहुंचे सीएम नीतीश,

बीच सड़क पर हुई मुलाकात, चचाओं का दौर शुरू

आज अचानक सीएम नीतीश कुमार बाहुबली और मोकामा से पूर्व विधायक अंनत सिंह के गांव लदमा।जिसके बाद बीच सड़क पर ही नीतीश और अनंत सिंह की मुलाकात हुई।जो ज्यादा लंबी तो नहीं चली, चर्चा खूब हो रही है।

एजेंसी

बिहार:बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज अचानक पूर्व विधायक और बाहुबली अनंत सिंह के गांव लदमा पहुंच गए। सीएम का काफिला जैसे वहां पहुंचा, तभी अनंत सिंह भी वहां पहुंच गए। और बीच सड़क पर मुख्यमंत्री से उन्होंने मुलाकात की।इस दौरान केंद्रीय मंत्री और मुंगेर से सांसद ललन सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान क्या चर्चा हुआ इसका अभी तक खुलासा नहीं हो सका है।आपको बता दें इससे पहले मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह ने 25 अगस्त को जेल से रिहा होने के बाद पहली बार मिले थे। मुख्यमंत्री आवास एक अणे मार्ग पहुंचकर उन्होने सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। ये बैठक करीब आधा घंटे चली थी। जिसे अनंत सिंह ने निजी मुलाकात बताया था। लेकिन उसकी चर्चा काफी हुई थी। और अब आज एक बार फिर से मुख्यमंत्री से अपने गांव में वो मिले।मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार ने आज कई कार्यों का निरीक्षण करने के बाद बख्तियारपुर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होने बख्तियारपुर-मोकामा 4 लेन करनौती के पास बन रहे रेलवे ओवर ब्रिज और बख्तियारपुर करजान-ताजपुर सेतु का भी निरीक्षण किया।जिसके बाद बेलछी प्रखंड में आवासीय प्रखंड सह अंचल नवनिर्मित भवन का उद्घाटन किया। जिसका निर्माण करीब 20 करोड़ की लागत से हुआ है। जिसके बाद अचानक मुख्यमंत्री का काफिला अनंत के गांव की ओर मुड़ गया। जिसकी सूचना मिलने पर अनंत सिंह नीतीश से मिलने पहुंच गए। ये मुलाकात बीच रास्ते में हुई।आज अचानक सीएम नीतीश कुमार बाहुबली और मोकामा से पूर्व विधायक अंनत सिंह के गांव लदमा। जिसके बाद बीच सड़क पर ही नीतीश और अनंत सिंह की मुलाकात हुई।जो ज्यादा लंबी तो नहीं चली, चर्चा खूब हो रही है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री और मुंगेर से सांसद ललन सिंह भी मौजूद रहे।बिहार की राजधानी पटना में पहली बार देश के सभी राज्यों के पंचायती राज प्रतिनिधियों की तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 10 सितंबर से होगी। ज्ञान भवन के सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर में बिहार समेत 27 राज्यों तथा पांच केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे।पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय कार्यशाला में करीब 300 प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यशाला का उद्घाटन केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह करेंगे।

अब बहुत देर हो चुकी है

चिराग से सुलह की संभावना पर चाचा पशुपति पारस

एजेंसी

पटना: राष्ट्रीय लोजपा प्रमुख पशुपति कुमार पारस ने अपने भतीजे और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के साथ सुलह की किसी भी संभावना से इनकार करते हुए कहा कि अब बहुत देर हो चुकी है। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के प्रमुख पशुपति कुमार पारस ने रविवार को अपने भतीजे और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के साथ सुलह की किसी भी संभावना से इनकार करते हुए कहा कि अब बहुत देर हो चुकी है। 'पीटीआई' के साथ साक्षात्कार में पारस ने कहा कि जब उनके बड़े भाई रामविलास पासवान जीवित थे, तो भाइयों के बीच कोई दरार नहीं थी।चिराग से सुलह की संभावना पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ऐसा कभी नहीं हो सकता। अब वह स्थिति नहीं है। अब बहुत देर हो चुकी है।' उन्होंने कहा, 'जब पार्टियां टूटती हैं, तो वे एक हो सकती हैं, लेकिन जब दिल टूटते हैं, तो वे नहीं जुड़ सकते।'पारस ने कहा कि परिवार एक था और लोक जनशक्ति पार्टी एकजुट थी, लेकिन यह उनका दुर्भाग्य है कि रामविलास पासवान के निधन के बाद परिवार और पार्टी दोनों अलग हो गए। उन्होंने कहा कि पार्टी में विभाजन का कारण सभी जानते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि करीब तीन हफ्ते पहले उन्होंने पटना में भाजपा की बिहार इकाई के प्रमुख दिलीप जायसवाल से मुलाकात की थी और उसके बाद उन्हें दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने का मौका मिला।उन्होंने कहा, 'इस दौरान बिहार में 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई।' रालोजपा अध्यक्ष ने राजग की एकता पर विपक्ष खासकर राजद नेता तेजस्वी यादव और उनकी बहन रोहिणी आचार्य की टिप्पणियों को खारिज करते हुए कहा कि गठबंधन पूरी तरह से एकजुट है। पारस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरे देश के सर्वसम्मत नेता हैं और वह सभी के हितों की बात करते हैं।

रणदीप सुरजेवाला का दावा, प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में आएगी कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली:हरियाणा चुनाव को लेकर प्रचार तेज होता दिखाई दे रहा है। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने हरियाणा के कैथल में एक रैली को संबोधित करने के बाद कहा कि पार्टी भारी बहुमत के साथ राज्य की सत्ता में आएगी। वहीं, पत्रकारों से बातचीत में सुरजेवाला ने कैथल में अधूरे पड़े विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर वे इस मामले को लेकर सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ जांच कराएंगे। सुरजेवाला ने बीजेपी की राज्य सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि वे 10 साल में सिर्फ 10 कमरे बना सके लेकिन कांग्रेस यूनिवर्सिटी और मेडिकल कॉलेज का निर्माण दो से ढाई साल में पूरा कर देगी। उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस सरकार सिर्फ एक साल में कैथल के अतीत के गौरव को बहाल करेगी।

'भारत का अपमान करना उनकी आदत', अमेरिकी में राहुल गांधी के बयान पर भाजपा का पलटवार

एजेंसी

नई दिल्ली:अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान "बेरोजगारी" पर की गई टिप्पणी के लिए लोकसभा में राहुल गांधी की आलोचना करते हुए, भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को कहा कि विपक्ष के नेता चीन के लिए बल्लेबाजी करने के लिए उत्सुक लगते हैं और उन्हें भारत का अपमान करने की आदत है। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी को हमें सलाह देने वाले आखिरी व्यक्ति होने चाहिए कि भारत का विचार क्या है क्योंकि आपातकाल के

बाद उनके परिवार और उनकी पार्टी ने एक बार घोषणा की थी कि 'भारत इंदिरा है' और 'इंदिरा भारत है'। राहुल पर वार करते हुए पूनावाला ने कहा कि उन्हें पहले भारत की तुलना इंदिरा गांधी से करने के लिए माफी मांगनी चाहिए।

डॉक्टरों की हड़ताल से 23 लोगों की अब तक हुई मौत, सुप्रीम कोर्ट में कपिल सिब्बल ने बताया तो क्या बोले

एजेंसी

नई दिल्ली:वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अगस्त में कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के बाद डॉक्टरों की हड़ताल के परिणामस्वरूप 23 लोगों की मौत हो गई है। 31 वर्षीय प्रशिक्षु डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्वतः संज्ञान लेने के बाद पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व कर रहे सिब्बल ने कहा कि राज्य सरकार ने जांच की स्थिति रिपोर्ट दाखिल कर दी है। हालांकि, सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि उन्हें रिपोर्ट नहीं मिली है। मुख्य

न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने उस रिपोर्ट की समीक्षा की जो सीलबंद कवर में प्रस्तुत की गई थी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस बीच साफ किया कि एक मामले में पहले से हिरासत में लिए गया आरोपी, दूसरे मामले के संबंध में अग्रिम जमानत अर्जी दाखिल कर सकता है।

डैमेज कंट्रोल में जुटी भाजपा, टिकट ना मिलने से नाराज नेताओं को दी बड़ी जिम्मेदारी

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर:जम्मू-कश्मीर में आगामी चुनावों से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सत शर्मा को चुनावी केंद्र शासित प्रदेश का नया कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह को भाजपा की चुनाव अभियान समिति का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है यह एक महत्वपूर्ण भूमिका है जो चुनावी लड़ाई के लिए पार्टी की तैयारियों और रणनीतियों की देखरेख करेगी। चौधरी सुखनंदन को उनके व्यापक जमीनी

अनुभव को सामने लाते हुए चुनाव अभियान समिति का उपाध्यक्ष नामित किया गया है। आउटरीच प्रयासों को आगे बढ़ाने और मतदाताओं से जुड़ने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।इसके अलावा, पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता को चुनाव प्रबंधन समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया है।यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की छठी सूची जारी करने के एक दिन बाद आया है। सूची में 10 उम्मीदवार शामिल हैं, जिनमें पूर्व विधायक आरएस पठानिया उधमपुर पूर्व से चुनाव लड़ रहे हैं और बांदीपोरा जिला अध्यक्ष नसीर अहमद लोन अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं।

'जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे', गीत गाने वाले कन्हैया मित्तल कांग्रेस में जाएंगे, भाजपा हैरान

एजेंसी

नई दिल्ली:साल 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा के लिए कन्हैया मित्तल का गाना 'जो राम को लाये हैं हम उनको लाएंगे' एक तरह से राजनीतिक संजीवनी साबित हुआ था। कन्हैया मित्तल के इस गीत में एक लाइन यह भी थी कि योगी ही आये हैं योगी ही आयेंगे, यह लाइन मतदाताओं के दिल-दिमाग पर ऐसे चढ़ी कि सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए योगी ने उत्तर प्रदेश की सत्ता में वापसी कर ली। इसके बाद तो देश में किसी राज्य में उपचुनाव हो

या चुनाव, कन्हैया मित्तल का यह गाना भाजपा की चुनावी रैलियों में जोश पैदा करने लगा। खुद कन्हैया मित्तल भी भाजपा के चुनाव प्रचार में उतर पड़े और लोकसभा चुनावों के दौरान तो वह भाजपा के स्टार प्रचारक के रूप में दिखे। लोग उनकी झलक पाने, उनके मुँह से जो राम को लाये हैं गीत सुनने के लिए लालायित दिखते थे। लुधियाना में तो एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में जब कन्हैया मित्तल ने जो राम को लाये हैं गीत गाया तो कांग्रेस की एक पार्षद इतनी प्रभावित हो गयीं कि उन्होंने मंच से कांग्रेस छोड़ने का ऐलान कर दिया। मगर अब समय ने करवट ली तो खुद कन्हैया मित्तल कांग्रेस का हाथ थामने को तैयार हैं। यह खबर जैसे ही सामने आई लोगों को सहसा विश्वास ही नहीं हुआ।

फिर दिवाली होगी बिना पटाखों वाली, दिल्ली सरकार ने 1 जनवरी 2025 तक उत्पादन और बिक्री पर लगाई रोक

एजेंसी

नई दिल्ली:दिल्ली सरकार ने आगामी सर्दियों के मौसम में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों के उत्पादन, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने एक बयान में कहा कि प्रतिबंध में पटाखों की ऑनलाइन बिक्री और डिलीवरी भी शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने के लिए दिल्ली पुलिस, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति और राजस्व विभाग के साथ मिलकर एक कार्य योजना तैयार की जाएगी। राय ने बयान में कहा कि पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध 1 जनवरी, 2025 तक लागू रहेगा।' उन्होंने कहा, यह प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 21 फोकस बिंदुओं पर आधारित दिल्ली सरकार की शीतकालीन कार्य योजना का एक हिस्सा है। इससे पहले गोपाल राय ने बृहस्पतिवार को कहा था कि सर्दियों में शहर में प्रदूषण का स्तर चरम पर होने पर सरकार 21 सूत्री शीतकालीन कार्य योजना पर ध्यान केंद्रित करेगी। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), दिल्ली पुलिस, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) समेत 35 प्रमुख विभागों के साथ एक संयुक्त बैठक हुई। राय ने बताया कि बैठक ।

बिहार में अपराध को लेकर तेजस्वी का नीतीश कुमार पर तंज, बोले-

थक चुके हैं सीएम, राज्य को संभालने में असमर्थ

एजेंसी

बिहार:पटना में अज्ञात अपराधियों द्वारा भाजपा नेता मुन्ना शर्मा की गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सोमवार को राज्य सरकार पर कटाक्ष किया और कहा कि उनके संरक्षण में बिहार में अपराध फल-फूल रहा है। यादव ने आगे आरोप लगाया कि अपराधी जब चाहें, जहां चाहें किसी को भी गोली मार दे रहे हैं और एनडीए नेता राज्य में बढ़ते अपराध से अनजान हैं। पूर्व डिप्टी सीएम यादव ने राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना करते हुए उन्हें "व्यस्त" और "थका हुआ" कहा और उन पर राज्य का प्रबंधन करने में असमर्थ होने का आरोप लगाया।एक्स

पर एक पोस्ट में तेजस्वी यादव ने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि बिहार में सरकार के संरक्षण में अपराध फल-फूल रहा है। अपराधी जब और जहां चाहे, किसी को भी गोली मारकर भाग जा रहे हैं। वीडियो में अपराधी बीजेपी नेता को गोली मारकर भाग रहे हैं। ट्वीट में कहा गया कि एनडीए नेता बढ़ते अपराध से अनजान हैं। इधर-उधर लगे रहने वाले व्यस्त और थके हुए सीएम से बिहार बिल्कुल नहीं संभल रहा है। सोमवार की सुबह, भारतीय जनता पार्टी के नेता मुन्ना शर्मा की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जब वे कथित तौर पर पटना में चेन-स्नैचिंग के प्रयास का विरोध कर रहे थे। शर्मा, जो पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष थे, को गोलीबारी की घटना में घायल होने के बाद अस्पताल ले जाया गया,

भाजपा नेता की हत्या दुखद, पार्टी के लोग मर्माहत

बिहार में कानून का राज, अपराधी बच नहीं सकता : डॉ. दिलीप जायसवाल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना,राजद को अपराध पर बोलने का हक नहीं, उसके शासनकाल में अपराध भी होते थे और अपराधियों को संरक्षण भी मिलता था : डॉ. दिलीप जायसवालपटना, 9 सितंबर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने आज पटना सिटी में भाजपा नेता श्यामसुंदर शर्मा की अपराधियों द्वारा की गई हत्या को दुखद बताते हुए कहा कि इस घटना के बाद भाजपा के सभी लोग मर्माहत हैं। उन्होंने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि इस संबंध में मेरी एसएसपी से भी बात हुई है। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि बिहार में कानून का राज है और आपराधिक घटना नहीं घटे इसकी चिंता भी सरकार कर रही है। पत्रकारों से चर्चा के दौरान विपक्ष के नेताओं द्वारा कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए जाने पर बिहार के मंत्री डॉ. जायसवाल ने कहा कि विपक्ष के नेता को अपराध पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है। राजद के शासनकाल या उनके पिताजी के शासनकाल में अपराध भी होता था और अपराधियों को संरक्षण भी दिया जाता था। आज के समय मे अपराध नहीं हो इसकी चिंता की जाती है। अपराधी बच नहीं सकता है यह नीतीश कुमार की सत्ता का अख्तियार है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, इस कारण इस तरह की बात करते रहता है। उन्होंने कहा कि अपराधी बचे नहीं यह आज की सरकार की सोच है। उन्होंने कहा कि उनकी पटना एसएसपी से बात हुई है और साफ निर्देश दिया हूं कि भाजपा नेता हत्या के मामले में एसआईटी का गठन कर हत्यारे की खोज की जाए और दोषियों को सजा दिलवाई जाए। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कोई भी अपराधी कितना भी बड़ा हो वह बच नहीं सकता है।

राज्य के ग्रामीण और छोटे शहरों में तेज होगा विकास, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे- सम्राट चौधरी

- केंद्र ने बिहार के ग्रामीण और शहरी निकायों के लिए जारी किये 1601 करोड़
- 15 वें वित्त आयोग की सिफारिश पर चालू वित्तीय वर्ष की पहली किस्त मिली

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि 15 वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार केंद्र सरकार ने बिहार के ग्रामीण निकायों और शहरी निकायों के विकास के लिए 1 60153.85 लाख रुपये जारी किये। यह राशि वित्तीय वर्ष 2024 -25 में मिलने वाले केंद्रीय अनुदान की पहली किस्त है। इससे ग्रामीण और छोटे शहरों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

श्री चौधरी ने कहा कि इसमें से 77503.41 लाख रुपये ग्रामीण स्थानीय निकायों यानी पंचायतों को वितरित किये जाएँगे। हर पंचायत इस पैसे को आबादी और क्षेत्रफल के अनुसार विकास कार्यों पर खर्च कर सकेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पंचायतों के लिए जो राशि जारी की है, उसमें पिछले साल मिलने वाली 116.59 लाख की राशि शामिल है।

उपमुख्यमंत्री चौधरी ने बताया कि वित्त आयोग ने 10 लाख से कम आबादी वाले बिहार के छोटे शहरों के स्थानीय निकायों के विकास के लिए 33060.18 लाख रुपये जारी किये हैं। उन्होंने कहा कि छोटे शहरों के विकास की गति बढाने के साथ-साथ पेयजल, वर्षा जल संचयन और कचरा प्रबंधन जैसे तीन प्रमुख मुद्दों पर समान से खर्च करने के लिए बिहार को 49590.26 लाख रुपये का बंधित अनुदान मिला है। यह राशि दूसरे मद में खर्च नहीं की जा सकेगी।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष व विस अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान की पत्नी का निधन, कांग्रेस ने जताया शोक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- पूर्व विस अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान की पत्नी कमरून निशा खानम के निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सहित वरिष्ठ नेताओं ने जताया शोक

पटना. सोमवार, 09 सितंबर, 2024

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष रहें और प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष स्व. हिदायतुल्लाह खान की धर्मपत्नी कमरून निशा खानम के निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने शोक जताया है।अपने शोक संदेश में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि कमरून निशा खानम गांधीवादी जीवन में विश्वास रखती थी और बड़े राजनीतिक परिवार से होने के कारण लगातार सामाजिक क्षेत्र में अपना सकारात्मक योगदान देते रही हैं। उनके निधन से हमने एक अभिभावक को खोया है। बताते चले कि उनके पुत्र सैफुल्लाह खान चंपारण जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भी रहें हैं।महरूम कमरून निशा खानम के निधन पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के अलावे विधानमंडल दल के नेता डॉ शकील अहमद खान, पूर्व अध्यक्ष व विधान परिषद में दल के नेता डॉ मदन मोहन झा, ब्रजेश पांडेय, निर्मल वर्मा, मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, बंटी चौधरी, ब्रजेश प्रसाद मुनन, कैसर खान, आसिफ गफूर, पूर्व विधान पार्षद लालबाबू लाल, प्रभात द्विवेदी, राहुल मिश्र, उमेश राम सहित अन्य नेतागण ने शोक जताया है।

अपर समाहर्ता द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व एवं भूमि विवाद आंतरिक संसाधन की समीक्षा की गई

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

अपर समाहर्ता श्री अजय कुमार तिवारी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व एवं भूमि विवाद आंतरिक संसाधन की समीक्षा दिनांक 9.9.2024 को की गई. समीक्षा के क्रम में सर्वप्रथम अपर समाहर्ता महोदय द्वारा सभी अंचल अधिकारियों को राजस्व एवं सुधार विभाग से संबंधित विषयों की प्राथमिकता सूची बनाने का निर्देश दिया गया जिससे अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर त्वरित कार्रवाई की जा सके. उसके पश्चात प्रथम बर्गीय पशु चिकित्सालय हेतु
अंचल कल्याणपुर एवं मोरवा से भूमि उपलब्धता संबंधी प्रतिवेदन एवं अभिलेख प्राप्त नहीं था, अपर समाहर्ता महोदय द्वारा अंचल अधिकारी कल्याणपुर एवं मोरवा को 24 घंटे के भीतर भूमि उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिया गया ।इसके अलावा आर डी एस एस अंतर्गत 33 /11 विद्युत उपकेंद्र की भूमि उपलब्ध कराने हेतु अंचल अधिकारी कल्याणपुर, विथान, सिंघिया विभूतिपुर एवं मोहिउद्दीन नगर को दिनांक 10.9.2024 तक अनिवार्य रूप से प्रस्ताव उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिया गया। आंतरिक संसाधन में खनन विभाग की प्रगति अच्छी नहीं थी जिस पर खेद प्रकट किया गया एवं निर्देश दिया गया की अनिवार्य से विभागीय निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करें साथ ही अन्य विभागों जिसमें कृषि ,मत्स्य, निबंधन, बचत ,परिवहन विभाग के पदाधिकारी को राजस्व संग्रह में तेजी लाने हेतु निर्देश दिया गया ।बैठक में प्रभारी पदाधिकारी जिला राजस्व ,जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला भूअर्जन पदाधिकारी ,जिला अवर निबंधक,जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी एवं अन्य विभागों के पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में एवं अनुमंडल पदाधिकारी तथा भूमि सुधार उपसमाहर्ता अनुमंडल कार्यालय से तथा सभी अंचलाधिकारी अपने-अपने कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे.

दिनदहाड़े बाईक सवार को अपराधियों ने उतारा मौत के घाट, परिजनों पर टुटा पहाड़, क्षेत्र में पसरा सनाटा,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
राजेश कुमार, चौधरी

सीवान जिले के हुसैनगंज थाना क्षेत्र के व्यस्त मुख्य सड़क पर बाईक सवार एक व्यक्ति को रोक कर सिर में दो गोली मारकर मौत के घाट उतार कर आराम से फरार हो गये अपराधी. बताया जाता है कि सोमवार को सुबह लगभग 10.30 बजे बाईक से सीवान जा रहे एक व्यक्ति की अपराधियों ने सीवान सीसवन मुख्य सड़क पर कुतुब छपरा चवर में गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया. इस घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि मृतक लल्लू मियाँ उर्फ. तक्की गोपालपुर का निवासी बताया जाता है. स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना का संबंध जमीनी विवाद हो सकता है. मृतक अपने घर से बाईक पर सवार होकर अकेले किसी काम से सीवान जा रहा था. जैसे ही कुतुब छपरा मुख्य सड़क पर चिमनी के पास पहुंचा ही था कि पूर्व से घात लगाए अपराधी उसका बाईक रोकने की कोशिश की. हमलावर के ड़र से मृतक का बाईक वहीं पर मुख्य सड़क के किनारे गीर गया. बाईक छोड़ कर वह दक्षिण की तरफ कुतुब छपरा गाँव में भाग रहा था. क्योंकि जहाँ उसके बाईक को हमलावर रुकवाये थे वहाँ से आगे सीवान की तरफ एक किलो मीटर तक सूनसान सड़क है. इसलिए वह गाँव में भाग रहा था. तभी हमलावरों ने उसे पीछे से दौड़ा कर उसके सिर में पिस्टल से दो गोली मार दिए. गोली लगते ही वह सड़क के किनारे गीर गया. हमलावर वहाँ से फरार हो गये. ग्रामीणों ने बताया कि दो गोली की आवाज सूनाई दिया था. सड़क पर राहगीरों का आवागमन व्यस्त रहता है. पर किसी को पता नहीं चला कि हमलावर गोली मारकर किधर फरार हो गये. घटना वाली जगह पर पिस्टल की दो गोली का खोखा देखा गया. घटना होते ही मृतक की पहचान करने के लिए ग्रामीणों तथा राहगीरों की भीड़ जमा हो गई. गोपालपुर नगर पंचायत के चेयरमैन इमाम जाकिर सहित अन्य लोगों ने घटना स्थल पर पहुँच कर मृतक की पहचान करते हुए थाना को सूचित किया. सूचना मिलते ही थाना से पुलिस दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुँच कर शव अपने कब्जे में लेकर एम्बुलेंस से सदर अस्पताल सीवान पोस्टमार्टम के लिए ले गयी.मृतक के परिजनों को जब घटना की जानकारी मिली तो उसके घर में मातम जैसा माहौल हो गया. सभी परिजन दहाड़ मार कर रोने लगे. पुरे गोपालपुर में शोक की लहर फैल गई. परिजनों सहित उसके सगे संबंधियों और ग्रामीणों ने सदर अस्पताल पहुँच कर शव से लिपट कर चिल्ला चिल्लाकर रोने लगे. अपराधियों द्वारा गोली क्यों मारी गई, अपराधी कौन थे अभी तक इसका खुलासा नहीं हुआ है. अब मृतक के परिजनों द्वारा एफआईआर करने पर हमलावरों के बारे में पता चल सकता है.

बता दे की पिछले वर्ष 23 दिसंबर 2023 को कुतुब छपरा मोड़ के समीप ही आरिफ जमाल को भी अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी जिसका अभी तक खुलासा नहीं हो सका है, आरिफ जमाल के हत्या के बाद उनकी धर्मपत्नी ने अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई थी परंतु अभी तक पुलिस ने उस मामले में चिन्हित अपराधियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है,

आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 119 पर सेक्टर स्तरीय पोषण मेला सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बाल विकास परियोजना छपरा सदर शहरी अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 119 पर सेक्टर स्तरीय पोषण मेला सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें समुदाय स्तर पर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से गर्भवती महिला प्रस्तुति महिला किशोरी एवं जीरो से 6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण स्तर में अपेक्षित सुधार एवं प्रारंभिक देखभाल से संबंधित थीम आधारित विभिन्न गतिविधियां करवाई गई ।
कार्यक्रम के दौरान बच्चों के वृद्धि निगरानी ,पोषण भी पढ़ाई भी,पोषण को प्रभावित करने वाले कारणों के बारे में जानकारी दी गई,स्थानीय खाद्य सामग्री एवम मोटे अनाज से बने व्यंजन का प्रदर्शन कर इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व की जानकारी दी गई। गर्भवती महिला का गोद भराई करवा कर गर्भवती महिला के पोषण स्वास्थ्य एवं प्रसव पूर्व तैयारी की जानकारी दी गई।
अन्नप्राशन कार्यक्रम के माध्यम से 6 माह तक सिर्फ स्तनपान एवं 6 माह पूरा होने पर ऊपरी आहार के महत्व को समझाया गया। किशोरी बालिका द्वारा साइकिल रैली निकाली गई।
आंगनबाड़ी सेविका सहायिका एवम स्थानीय महिला द्वारा जन जागरूकता हेतु पोषण रैली निकाली गई।
रंगोली के माध्यम से एक पेड़ मां के नाम एवं पोषण माह के संदेश को प्रदर्शित किया गया।

इनर व्हील क्लब छपरा ने डीएवी स्कूल के पुस्तकालय को दी 2000 पाठ्य पुस्तकें

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

इनर व्हील क्लब छपरा के द्वारा सोमवार को साक्षरता मिशन परियोजना के अंतर्गत अपने अडॉप्ट किये हुए विद्यालय स्थानीय गंडक कॉलोनी स्थित डीएवी स्कूल के पुस्तकालय को 2000 पुस्तकें दी गई। यह पहल सीमित वित्तीय संसाधनों वाले छात्रों तक अध्ययन सामग्री पहुंचाने में सहायता करने के लिए की गई। अध्यक्ष वीणा शरण ने कहा की शिक्षा ही बेहतर भविष्य का द्वार है, पुस्तकों का बच्चों के मानसिक विकास में अहम् योगदान होता है। इस अवसर पर मध्य विद्यालय जोगनी परसा के सेवानिवृत प्राचार्य डा० शहजाद आलम, क्लब की शशि प्रभा सिन्हा, अर्चना रस्तोगी एवं विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित थे। इस खबर की जानकारी क्लब एडिटर राखी सिंह ने दी।

फर्जी डॉक्टर अजीत कुमार पूरी गिरफ्तार , पथरी के ऑपरेशन के दौरान युवक की हुई थी मृत्यु

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक - 06.09.2024 को मढ़ौरा थाना के भुवालपुर ग्राम निवासी गोलू कुमार शरीर में पथरी की शिकायत होने पर ऑपरेशन के लिए गरखा थाना के मोतीराजपुर बाजार स्थित गणपति सेवा सदन के फर्जी डॉक्टर अजीत कुमार पूरी के पास पहुंचे। जहां ऑपरेशन के दौरान उनकी स्थिति काफी बिगड़ गई, जिस पर आनन- फानन में उन सभी के द्वारा इलाज हेतु पटना ले जाया जा रहा था इसी क्रम में रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस टीम को सूचना प्राप्त होने पर तत्काल गरखा थाना में कांड संख्या 572/24 दिनांक - 07.09.24 धारा 105 बीएनएस दर्ज करते हुए अग्रतर कार्रवाई प्रारंभ की गई। मृतक के शव को पोस्टमार्टम करने के पश्चात परिजनों को सौंप दिया गया था, जिसके उपरांत परिजनों द्वारा दाह संस्कार कर दिया गया।इसी क्रम में आज दिनांक - 08.09.2024 को गरखा थाना पुलिस टीम द्वारा इस घटना के अभियुक्त फर्जी डॉक्टर अजीत कुमार पूरी, ग्राम बभनिया, पोस्ट- पहाड़पुर, थाना- गरखा को गिरफ्तार किया गया,
सारण पुलिस, आपकी सेवा में सदैव तत्पर ...

मंडल आयोग के अनुसंशा लागू होने के 31 वर्ष बाद भी राष्ट्रीय स्तर पर अति पिछड़ा वर्ग की पहचान नहीं होने के मुख्य जबाव देह पिछड़ा वर्ग के शासक जातिया वर्ग के नेता हैं!

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

2 जुलाई 2002 ईङ्क को संसद के वर्षा कालीन सत्र मे तत्कालीन अति पिछड़ा वर्ग के सांसद ब्रह्मनंद मंडल एवं कैप्टन जयनारायण प्रसाद निषाद के द्वारा अति पिछड़ा शैक्षणिक प्रशैक्षणिक अधिनियम पेश किया गया था! अधिनियम संख्या 59 था, जिसका विरोध समाजिक न्याय का नारा देने वाले पिछड़े वर्ग के नव सामन्ती शासक जातियाँ यादव, कोइरी, कुर्मी एवं बनिया वर्ग के नेताओं ने इसका विरोध किया !

बिहार मे अप्रैल 2015 मे तत्कालीन लालू नीतीश की संयुक्त सरकार के द्वारा तेली, तमोली, दांगी को अति पिछड़ा वर्ग में शामिल करने के पीछे भी यादव, कोइरी, कुर्मी एवं बनिया वर्ग के नेताओं के सहमती से हुआ, लालू , नितीश, उपेन्द्र और सुशील मोदी एक हो गए!

बिहार सरकार के इस फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट के वरीय अधिवक्ता बसंत कुमार चौधरी जी के सहयोग से किशोरी दास, प्रो डा रामबली सिंह चंद्रवंशी एवम हेसामुद्दीन अंसारी ने मुकदमा दायर किया। उक्त मुकदमे में हुई बहस के बाद महीनों तक फैसला सुरक्षित रखा गया ।तब आनन फानन में साजिश के तहत बंगाल हाई कोर्ट से हेमंत कुमार गुप्ता को पटना हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस बनाया गया। श्री गुप्ता ने आते ही सरकार द्वारा लिए गए फैसले को जायज ठहराते हुए कहा की यह सरकार का मैटर है। जिसके खिलाफ हाई कोर्ट के गेट पर किशोरी दास के नेतृत्व में जस्टिस गुप्ता के खिलाफ पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया गया।
पुन हाई कोर्ट के उक्त फैसले के विरोध में माननीय सुप्रीम कोर्ट मे वकील ऋतुराज चौधरी एवम बसंत कुमार चौधरी के सहयोग ँ४ से रिट दायर किया गया।जिसमे 2015 के पूर्व एवम् बाद की स्थितियों का आंकड़ा पेश किया गया। यह मामला अभी तक सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं।
निकाय चुनाव में आरक्षण के मुद्दे पर सुनील कुमार बनाम बिहार सरकार के मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिपल टेस्ट हेतु डेडीकेटेड आयोग का गठन कर पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व से वंचित पिछडे वर्गों की जातियों को आरक्षण देने का निर्देश दिया। पुन नीतीश एवं तेजस्वी की सरकार ने अपनी भूल सुधारने के मौका को गवाते हुए रातों-रात डेडीकेटेड आयोग की जगह अति पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर रिपोर्ट देने को कहा गया। सरकार के आला अधिकारियों द्वारा रिपोर्ट को मनमाने तरीके से तैयार कर आयोग के सदस्यों को बुलाकर हस्ताक्षर कराकर कोर्ट में पेश कर दिया गया। जिसमें तेली तंबोली एवं दांगी को हटाने संबंधी कोई बातें नहीं की गई। हैरत की बात यह कि उसकी कॉपी आयोग के पास भी नहीं दी गई। इस आयोग के सदस्य भी वेतन भोगी कर्मचारी की तरह दस्तखतिया आयोग बनकर रह गया। अगर आयोग के सदस्यों में ईमानदारी एवं समाज के प्रति वफादारी होती तो पूर्व अध्यक्ष उदयकांत चौधरी की तरह समाज और जननायक के प्रति ईमानदार और निष्ठावान बने रहते।

माँ अन्नपूर्णा रक्तरक्षक के तत्वाधान में एकदिवसीय रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन, कुल 36रक्तविरों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी जिला के जयनगर के दुर्गा रेस्ट हाउस में माँ अन्नपूर्णा रक्त रक्षक,जयनगर के तत्वावधान में एकदिवसीय रक्तदान शिविर समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें 36 रक्तविरों ने दूसरों की जान बचाने के लिए रक्तदान किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन माँ अन्नपूर्णा कम्युनिटी किचन के संरक्षक डॉ सुनील राउत,प्रोडजी सेंट्रल स्कूल के डायरेक्टर आनंद कुमार,शुक्ला ब्लड बैंक दरभंगा के डायरेक्टर मुकेश सिंह,डॉ. गौस अहमद, माँ अन्नपूर्णा सेवा समिति के मुख्य संयोजक अमित कुमार, माँ अन्नपूर्णा महिला मंच की अध्यक्षा कामनी साह ने दीप प्रजवल्लन कर किया।

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रोडजी सेंट्रल स्कूल के डायरेक्टर आनंद कुमार ने कहा कि माँ अन्नपूर्णा सेवा समिति, जयनगर के द्वारा विभिन्न समाजिक क्षेत्रों में कई उल्लेखनीय एवं प्रशशनीय कार्य किए हैं।इस संस्था के द्वारा जो भी कार्य किया जा रहा है, वह सराहनीय प्रयास है। बीते दो साल में रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका अदा कर 600 लोगों की जिंदगी बचाने का नेक और पुनीत कार्य किया है।

वहीं मौके पर वक्ताओं ने एक सुर में बताया की माँ अन्नपूर्णा सेवा समिति की कीर्ति मधुबनी जिले में ही नहीं देश कर हर कोने में फैल चुकी है। अब तो देश ही नहीं विदेशों में भी इस संस्था के फॉलोअर मौजूद हैं, जो इस संस्था से जुड़ चुके है। इसलिए जो लोग समाज सेवा में अपना मूल्यवान समय दे रहें हैं, उन लोगों को तन,मन और धन से सहयोग देकर समाज के अच्छे कार्यो को आगे बढ़ाएं।

इस मौके पर संस्था के मुख्य संयोजक अमित कुमार राउत ने बताया की पिछले लगभग दो वर्षो से जयनगर के अलावा बिहार मे कहीं के भी मरीजों को जरूरत पड़ने पर रक्त मुहैया करवाया जाता है। अभी तक 600 से ज्यादा जिंदगीयों को बचाया जा चूका है। इसके अलावा इनके मुख्य संस्था माँ अन्नपूर्णा सेवा समिति के द्वारा विभिन्न समयों पर कई सामाजिक कार्य करती रहती है। भूखे लोगों को पिछले जयनगर रेलवे स्टेशन एवं पुराना नगर पंचायत परिसर में पिछले चार वर्षो से रोज लंगर लगा कर माँ अन्नपूर्णा कम्युनिटी किचन के द्वारा भर पेट गर्म एवं पौष्टीक खाना खिलाना, बाढ़ के समय राहत कार्य कर लोगों के बीच राहत सामग्रियों का वितरण, तो ठंड में गर्म कपड़े, शॉल, कम्बल का वितरण, तो कभी निःशुल्क मेडिकल कैम्प लगा कर निःशुल्क परामर्श के साथ दवा वितरण, तो निःशुल्क बीपी एवं ब्लड सुगर जांच शिविर, तो कभी चिन्हित कर नगद मदद करना तो कभी अन्यान्य।

इस मौके पर संस्था के मुख्य संयोजक अमित कुमार राउत,गणेश कांस्यकार,राकेश मांझी,परमानन्द ठाकुर,पप्पू पूर्वे,लक्ष्मण यादव,निरंजन उर्फ बिट्टू यादव,संतोष शर्मा,मनीष गुप्ता,अजय सिंह,आलोक झा,विवेक सूरी,मिथिलेश महतो,प्रथम कुमार,हर्ष कुमार साथ ही माँ अन्नपूर्णा महिला मंच की सरिता काँस्यकार,सुनीता काँस्यकार,रानी कुमारी समेत अन्य कई सदस्य मौजूद थे।

वहीं, इस रक्तदान शिविर को शुक्ला ब्लड बैंक, दरभंगा के सहयोग से किया गया।इस उक्त कार्यक्रम ब्लड बैंक चीफ मुकेश कुमार सिंह एवं उनकी टीम द्वारा संचालित किया गया।

इस रक्तदान शिविर में महिलाओं ने भी खासा उत्साह दिखाते हुए रक्तदान किया, एवं कई महिलाओं ने रक्तदान भी किया।इस मौके पर कुल 36 लोगों ने अपना रक्तदान किया।

बता दें कि जो भी लोग रक्तदान किये, उन सभी को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर प्रोत्साहित किया गया।

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में हबीब नगर स्कूल के दर्जन भर चयनित खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
राजेश कुमार चौधरी

हुसैनगंज जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में प्रखंड के उमवि हबीब नगर के छात्र व छात्राओं द्वारा विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. उस खेल प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों को सोमवार को विद्यालय के प्रांगण में एक सभा आयोजित कर सभी को मेडल पहनकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर हेडमास्टर व्यास प्रसाद,,शारीरिक शिक्षक बाल्मिकी ओझा , विष्णू यादव एवं क्रीड़ा सचिव जाफर इमाम ने सभी खिलाड़ियों की स्वागत करते हुए उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की. इस दौरान उपस्थित शिक्षकों ने खिलाड़ी शिल्पी कुमारी, सुहाना कुमारी, काजल कुमारी, शिवानी कुमारी, अंजली कुमारी, रवि कुमार, आदित्य कुमार व अनुप कुमार को मेडल देकर पुरस्कार सम्मानित किया गया. इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक मैनेजर यादव, शंभू चौधरी, सरोज कुमारी, बसंत कुमार पर्वत, अलगू बैठा, रश्मि कुमारी तिवारी, सोनी कुमारी, रजिया खातून, उमेश कुमार, अनुराग सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे.

सोई हुई महिला के सिर मे गोली मारकर हत्या क्षेत्र मे फैली सनसनी

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 9 सितम्बर सोमवार। दुरौंधा थाना क्षेत्र अंतर्गत रंगरौली निवासी रामकिशुन बैठा की पत्नी लाल मुन्नी देवी 60 वर्ष की रात मे बिस्तर पर सोई अवस्था मे अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा हैं की महिला अपने पोती के साथ खाना खाई और दोनो अपने अलग अलग कमरे मे सोने चली गई। पोती सुबह मे सो कर उठी और अपने दादी के कमरे मे गई तो दादी की खून से लथपथ लाश देख कर चिलाना शुरू की और आवाज सुन कर आस पास के लोग पहुंचे और देखे तो महिला की गोली मारकर हत्या की गई हैं। जिसे स्थानीय थाना दुरौंधा को सूचना दी गई जिस पर थाना प्रभारी छोटन कुमार घटना स्थल पर पहुंच कर जांच शुरू किए।हत्या का आरोप पड़ोसियों पर लगा।पोती अनीशा कुमारी ने बताया की पड़ोसियों से जमीनी विवाद बहुत दिनो से चल रहा है वे लोग अकसर हत्या की धमकी देते रहते थे। पड़ोसी ही मेरी दादी की हत्या किए है। वही मृतक के घर के सभी लोग दिल्ली में रहते हैं। दुरौंधा थाना प्रभारी छोटन कुमार ने बताया की मृतक की पोती अनीशा कुमारी का बयान ले कर आगे की करवाई की जा रही है ।बहुत जल्द ही हत्या कर पदार्फाश कर लिया जाएगा।पुलिस लाश को अपने कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम हेतु सिवान भेज दिया।

वक्फ संपत्ति पे केंद्र सरकार की नियत संदिग्ध, विरोध जारी रखेगी कांग्रेस : डॉ. अखिलेश प्रसाद

उक्त वक्तव्य बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने बिहार माइनॉरिटी फोरम द्वारा आयोजित ऑनलाइन परिचर्चा में दिया।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ज्ञात होकेबिहार माइनॉरिटी फोरम ने आज वक्फ संशोधन विधेयक के दुष्प्रभावों और खामियों पर चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण जूम बैठक का आयोजन किया जिसमें बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह और अमीर-ए-शरीअत बिहार, उड़ीसा, झारखण्ड मौलाना वली फैसल रहमानी सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया।बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राज्यसभा सांसद डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने उपस्थित लोगों को अपने पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया और कहा कि कांग्रेस पार्टी इस विधेयक का विरोध हर संभव राजनीतिक तरीके से करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस पार्टी किसी भी ऐसे कानून के खिलाफ है जो अल्पसंख्यकों के अधिकारों को कमजोर करता है, और उन्होंने सभी संबंधित मंचों पर इस मुद्दे को उठाने का संकल्प लिया।

सिंह ने कहा कि हम पहले ही बिल को लेकर सतर्क हैं और हमें यह जानकर खुशी है कि श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने समय में सभी मुख्यमंत्री एवं बोर्डों को चिट्ठी लिखी थी, जिसमें उन्होंने सारे मुख्यमंत्रिओं को निर्देश दिया था कि अगर कोई नेकी के लिए वक्फ संपत्ति देता है, तो सुनिश्चित करें कि उस पर राज्य का हस्तछेप या कब्जा न हो। यह कांग्रेस पार्टी की संविधान हितैषी बड़ी उपलब्धि है, आज भी प्रधानमंत्री कार्यालय में इस सन्दर्भ में लिखी आधिकारिक चिट्ठी मौजूद है, जो इस बात की पुष्टि करती है।मौलाना वली फैसल रहमानी ने विधेयक के नकारात्मक प्रभावों को उजागर करते हुए विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित संशोधन वक्फ संपत्तियों की स्वायत्तता और ऐतिहासिक अधिकारों को कमजोर करता है। उन्होंने विधेयक में कई खामियों की ओर ध्यान दिलाया, जो अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों को खतरे में डालती हैं और संवैधानिक सुरक्षा का उल्लंघन करती हैं। उन्होंने इस सन्दर्भ में गठित जेपीसी को मुस्लिम समुदाय द्वारा इस विधेयक में त्रुटियों से अवगत करने के लिए चलाये जा रहे ईमेल कैम्पेन को मजबूती देने और ग्राम तथा वार्ड तक पहुँचाने का आह्वान किया। बैठक में कई प्रतिभागियों ने विधेयक के प्रभावों को लेकर सवाल पूछे। मौलाना वली फैसल रहमानी और अन्य विशेषज्ञों ने बेहतरीन तरीके से जवाब देते हुए उठाए गए सवालों और शंकाओं को स्पष्ट किया। बिहार माइनॉरिटी फोरम ने वक्फ संशोधन विधेयक के प्रति अपने कड़े विरोध को व्यक्त किया और जनता की राय को संगठित करने तथा राजनीतिक नेताओं को शामिल करने के अपने प्रयास जारी रखने का संकल्प लिया, ताकि विधेयक को मौजूदा स्वरूप में रोका जा सके। फोरम ने वक्फ संस्थाओं की धरोहर और अधिकारों की रक्षा के लिए सभी हितधारकों के एकजुट होने का आह्वान किया। इस सत्र का संचालन मिन्नत रहमानी और शिबली मंजूर द्वारा किया गया, जिन्होंने इस विवादित विधेयक पर व्यापक चर्चा को सुगम बनाया।

कमलदेव नारायण शुक्ला कांग्रेस से निष्कासित, अरुण पाठक को कारण बताओ नोटिस

कांग्रेस से कमलदेव नारायण शुक्ला छः वर्षों के लिए निष्कासित व अरुण पाठक को कारण बताओ नोटिस

पटना. सोमवार, 09 सितंबर, 2024बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अनुशासन समिति के द्वारा दल विरोधी गतिविधियों के कारण कमलदेव नारायण शुक्ला को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छः वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया गया। साथ ही सोशल मीडिया पर लगातार दल विरोधी गतिविधियों के कारण अरुण पाठक को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह के भीतर जवाब देने का समय दिया गया और संतोषजनक जवाब ना देने की स्थिति में उनको भी छः वर्षों के लिए पार्टी के प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया जायेगा।बिहार कांग्रेस के अनुशासन समिति के अध्यक्ष पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक ने बैठक के उपरांत सर्वसम्मति से इस आशय का पत्र जारी किया है। साथ ही उन्होंने हिदायत दी है कि ऐसी किसी भी दल विरोधी गतिविधियों के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है। पार्टी में अनुशासन को लेकर कांग्रेस हमेशा सख्त रही है और इसलिए इस कार्रवाई से पार्टी ने सभी को सख्त संदेश भी दिया है।

14 वीं हॉकी बिहार सब जूनियर बालक राज्य चैंपियनशिप का विजेता बना मुजफ्फरपुर

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा। हॉकी बिहार द्वारा सिवान जिले के मैरवा प्रखंड स्थित आदर्श राजकीय मध्य विद्यालय मैरवा एवं हरिराम उच्च विद्यालय मैरवा के खेल मैदान में 5 सितंबर से 9 सितंबर 2024 तक आयोजित 14 वीं हॉकी बिहार सब जूनियर बालक राज्य चैंपियनशिप का समापन 9 सितंबर को रंगा-रंग कार्यक्रम के साथ हो गया ।इस चैंपियनशिप का खिताब मुजफ्फरपुर को मिला। मुजफ्फरपुर ने फाइनल मुकाबले में सहरसा को 6-0 से हराते हुए विजेता ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया ।हॉकी सिवान के सचिव संजय पाठक ने बताया कि यह प्रतियोगिता ग्रामीण क्षेत्र में बालक एवं बालिकाओं को हाकी खेलने के लिए प्रेरित करेगा । विजेता टीम मुजफ्फरपुर को आई एम ए सिवान के सचिव डॉक्टर शरद चौधरी ने ट्रॉफी प्रदान किया, वहीं उपविजेता टीम सहरसा को हॉकी सिवान के अध्यक्ष मोहम्मद फरीद तथा उपाध्यक्ष धर्मनाथ यादव ने संयुक्त रूप से ट्रॉफी प्रदान किया इस अवसर पर हरिराम उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य ज्ञान प्रकाश पाठक, शारीरिक शिक्षक संजय प्रजापति, एन सी सी ऑफिसर प्रभात कुमार, सुरेंद्र कुमार, अनिल कुमार, गंगा प्रसाद ,आदर्श राजकीय मध्य विद्यालय मैरवा के प्रधानाध्यापक मोहम्मद रफीक अंसारी, हॉकी सिवान की कोषाध्यक्ष सलमा खातून, कार्यकारिणी सदस्य विवेक कुमार सिंह ,सहित सैकड़ो की संख्या में खेल प्रेमी एवं दर्शक उपस्थित रहे।

पीसीसी सड़क में अनियमितता को लेकर लोगों ने किया रोषपूर्ण प्रदर्शन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी जिला के हरलाखी प्रखंड के सोठगांव से उमगांव बाजार चौक को जोड़ने वाली मुख्य मार्ग का मरम्त कार्य में अनियमितता बरती जाने के कारण ग्रामीणों ने संवेदक के विरुद्ध रोषपूर्ण प्रदर्शन किया है. स्थानीय समाजसेवी मो. शमीम ने कहा कि ग्रामीण कार्य विभाग बेनीपट्टी अंतर्गत पीसीसी सड़क का मरम्मत कार्य किया गया, जिसका संवेदक जे. के एंड कंपनी है. कार्य करीब तीन माह पूर्व ही समाप्त कर दिया गया. लेकिन कार्य में संवेदक के द्वारा भारी पैमाने पर अनियमितता बरती गयी है. उक्त मार्ग में बीच गांव में ही भारी जल जमाव हो गया है. जिससे स्थानीय लोग सहित आनेजाने वालों को काफी परेशानी हो रही है. इस संबंध में कई बार जेई से बात किया. लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है. विरोध प्रदर्शन में मो. शरीफ, मो. सोहैल, मो. रहमत, प्रिंस कुमार, मोहन यादव, सगीरा खातून, भुल्ली खातून, जमीला खातून, मो इंजमाम, मो अजहर, सहित अन्य लोग शामिल थे

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय समिति की बैठक हुई आयोजित

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय समिति की बैठक हुई आयोजित।

सभी बीडीओ सभी महत्वपूर्ण पंजियो का अनिर्वाय रूप संधारण करते हुए उसे अधतन रखे।.

डीएम ने कहा प्रखंड कार्यालय के निरीक्षण के क्रम में किया जाएगा जाँच, संधारित नही पाए जाने पर होगी कड़ी करवाई।

.सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों की उनके कार्यो के आधार पर होगी रैंकिंग,लगातार निम्न प्रदर्शन करने वाले पदाधिकारिय पर होगी करवाई।

लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत कचड़ा प्रीसेसिंग इकाई का निर्माण,कचरा प्रबंधन सामग्रियों का क्रय, कचरा का उठाव, यूजर चार्ज की वसूली,वर्मी कंपोस्ट का निर्माण,प्लास्टिक कचड़ा की विक्री,स्वच्छता कर्मियों का भुगतान ,ओडीएफ प्लस आदिका प्रखंडवार किया समीक्षा।

कचरा प्रबंधन सामग्रियों का क्रय करने के बावजूद कचड़ा उठाव कार्य नही करने वाले पंचायतों के संबधित कर्मियों,मुखिया आदि पर जबाबदेही तय कर करवाई करने का दिया निर्देश।

शेष बचे पंचायतों में कचरा प्रबंधन सामग्रियों का क्रय एक माह के अंदर हर हाल में करने का दिया निर्देश।

ड्र जिलाधिकारी ने स्वच्छता कर्मियों के लंबित भुगतान को लेकर भी गंभीरतापूर्वक प्रयास करने के दिए निर्देश.

ड्र जिलाधिकारी ने सामाजिक सुरक्षा योजना अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का ससमय निष्पादन के दिए निर्देश

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई. जिलधिकारी ने लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत कचड़ा प्रीसेसिंग इकाई का निर्माण,कचरा प्रबंधन सामग्रियों का क्रय, कचरा का उठाव, यूजर चार्ज की वसूली, वर्मी कंपोस्ट का निर्माण,प्लास्टिक कचड़ा की विक्री,स्वच्छता कर्मियों का भुगतान ,ओडीएफ प्लस आदि का प्रखंडवार किया समीक्षा। जिलाधिकारी ने स्वच्छता कर्मियों के लंबित भुगतान को लेकर भी गंभीरतापूर्वक प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी बीडीओ को निर्देश दिया कि अगली बैठक में सभी बीडीओ स्वच्छता कर्मियों के भुगतान से संबधित विस्तृत प्रतिवेदन लाना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि यूजर चार्ज के रूप में वसूली गई शत प्रतिशत राशि खाते में अनिवार्य रूप से जमा करें। पंचायतों में कचरा प्रबंधन के कार्यों की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी बीडीओ को निर्देश दिया कि पंचायतों में कचरा प्रबंधन कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सुचारू रूप से चलाने हेतु मासिक शुल्क के रूप में तीस रुपया प्रतिमाह की वसूली हर हाल में सुनिश्चित करें. उन्होंने निर्देश दिया कि पंचायतों में नियमित रूप से सभी घरों से कचरा का उठाव हर हाल में सुनिश्चित करें, साथ ही शत प्रतिशत शेष बचे पंचायतों में कचरा प्रबंधन सामग्रियों का क्रय एक माह के अंदर हर हाल में करें. उन्होंने कचरा प्रबंधन सामग्रियों का क्रय करने के बावजूद कचड़ा उठाव कार्य नही करने वाले पंचायतों के संबधित कर्मियों,मुखिया आदि पर जबाबदेही तय उनके विरुद्ध करवाई करे।उन्होंने स्वच्छता कर्मियों के लंबित भुगतान को लेकर भी संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी को गंभीरतापूर्वक प्रयास करने की बात कही.जिलाधिकारी ने सीडब्लूजेसी, एमजेसी के पेंडिंग मामले को गंभीरता से लेकर ससमय प्रतिशपथ पत्र दायर करने का निर्देश दिया। उन्होंने अनुपालन से संबंधित सभी लंबित न्यायालय संबंधी मामलों को ससमय अनुपालन कर विधि शाखा को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने जल जीवन हरियाली की समीक्षा के क्रम में सोख्ता का निर्माण, कुओं के जीर्णोद्धार, पोखरे के जीर्णोद्धार, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और सोख्ता निर्माण में हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे महत्त्वपूर्ण जरूरत है। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी और घटते भूगर्भीय जल स्तर को देखते हुए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। इसके लिए अधिक से अधिक सोख्ता का निर्माण, छत वर्षा जल संचयन, वृक्षारोपण के महत्त्व को रेखांकित करते हुए कहा कि सरकार के स्तर से हो रहे प्रयास के अतिरिक्त इसमें व्यापक जनसहभागिता जरूरी है. व्यापक जनसहभागिता के लिए लोगों के बीच वृहद स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।जिलाधिकारी ने नगर निगम मधुबनी को जल-जीवन-हरियाली अभियान एवं नल-जल योजना में तेजी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छत वर्षा जल संचयन योजना को निजी मकानों में लगवाने हेतु लोगों को जागरूक करे।जिलाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं जिला बाल संरक्षण इकाई से संबंधित योजनाओं का विस्तृत समीक्षा भी किया. समीक्षा के क्रम में लंबित अउ उच्च बिल, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, कबीर अंत्येष्टि योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, बैटरी चालित ट्राइसाइकिल सहित सभी पेंशन योजनाओं में लंबित आवेदनों को लेकर संबधित बीडीओ के प्रति नाराजगी व्यक्त की एवं अविलम्ब निष्पादन के निर्देश दिए.

मधुबनी जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी ने मतदान केंद्रों के युक्तिकरण को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक.

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

?मधुबनी जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी ने मतदान केंद्रों के युक्तिकरण को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक.

निर्वाचक सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के क्रम में पुनरीक्षण पूर्व गतिविधियों के अंतर्गत मतदान केंद्रों के युक्तिकरण को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिले के सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं माननीय सांसद/विधायक के साथ बैठक किया. बैठक में जर्जर मतदान केंद्रों को अनिवार्य रूप से निकटतम सही भवन में स्थानांतरित करने, 2 किलोमीटर से अधिक की दूरी के मतदाताओं को निकटतम मतदान केंद्र से संबद्ध करने, चलंत मतदान केंद्रों को निकटतम उपलब्ध नवनिर्मित मतदान केंद्रों में स्थापित करने आदि पर विस्तार से चर्चा की गई.

यूट्यूब देखकर पथरी का ऑपरेशन, मौत

दादा बोले- बार-बार मोबाइल देखता, फिर चीरा लगाता, पोते के पेट में दर्द था

छपरा । एक डॉक्टर ने यूट्यूब देखकर 15 साल के गोलू साह का ऑपरेशन किया। जिसमें उसकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि गोलू को पेट दर्द की शिकायत के बाद उसे पास के ही नर्सिंग होम भर्ती कराया था। वहां के डॉक्टर ने बताया कि उसे पथरी की शिकायत है। मरीज को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद डॉक्टर ने गोलू के पिता को कंपाउंडर के साथ डीजल लाने के लिए भेज दिया और फिर यूट्यूब देखकर ऑपरेशन करने लगा। दादा प्रह्लाद साह ने बताया कि डॉक्टर मोबाइल पर बार-बार यूट्यूब देखकर पेट पर चीरा लगा रहा था। इसी दौरान उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। गोलू की बिगड़ती हालत के बाद आरोपी ने खुद एंबुलेंस बुलाई और एक स्टाफ और

उसकी दादी के साथ इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया, लेकिन पटना पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। रास्ते में किशोर की मौत के बाद नर्सिंग होम का डॉक्टर और स्टाफ फरार हो गए। घटना गड़खा थाना क्षेत्र के मोतीराजपुर धर्मबागी स्थित गणपति सेवा सदन नाम एक नर्सिंग होम का है। मृतक गोलू

निवासी चंदन शाह का बड़ा बेटा था। उसे पेट में पहले से ही गॉल ब्लैडर में पथरी की शिकायत थी। मृतक के दादा प्रहलाद प्रसाद साह ने बताया कि पोता को पेट में दर्द की शिकायत थी। उसे लगातार वोमिटिंग भी हो रही थी। जिसके बाद उसे इलाज के लिए गणपति सेवा सदन में भर्ती कराया गया था। यहां कथित डॉक्टर अजीत कुमार पुरी ने मृतक के पिता को डॉक्टर ने अपने कंपाउंड के साथ डीजल लाने के लिए भेज दिया था। इसके बाद परिजनों की अनुमति के बिना ही मोबाइल में यू-ट्यूब पर देखकर किशोर का ऑपरेशन करने लगा। शिकायत किए जाने पर डांट फटकार कर परिजनों को भगा दिया गया। दादा प्रहलाद साह के मुताबिक, डॉक्टर ने ये कहकर भगा दिया 'डॉक्टर हम हैं कि तुम भागो यहां से'। इसके बाद परिजन वहां से चले गए। गाव वालों का कहना है कि आरोपी अजित कुमार पूरी ने किसी डॉक्टर के पास रहकर थोड़ा-बहुत इलाज करना सीखा था। पिछले 5 सालों से धमार्बागी बाजार पर अवैध रूप से नर्सिंग होम चला रहा था। मूल रूप से वह गड़खा थाना क्षेत्र के बभवनिया गांव का रहने वाला है। आसपास के मरीजों का प्राथमिक उपचार करता था। बाद में बाहर से डॉक्टर को बुलाकर ऑपरेशन भी करवाने लगा। मौत के बाद अस्पताल में ताला बंदकर सभी लोग फरार हो गए है। कोई मरीज नही है। वहीं, परिजन की शिकायत के बाद पुलिस ने डॉक्टर के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। जिले में फर्जी तरीके से संचालित नर्सिंग होम की संख्या सैकड़ों में है। जिला मुख्यालय से प्रखंडों में तीन चार कमरे में संचालित नर्सिंग होम की भरमार है। प्रशासन की नाक के नीचे ये फर्जी अस्पताल बिना रोक-टोक के संचालित हो रहे हैं। वहीं समय-समय पर जांच के नाम पर महज लीपापोती की जा रही है। यह स्थिति तब है जब इधर के दिनों में प्रशासनिक स्तर पर जांच की कार्रवाई की जा रही है। अब जांच किस तरह से की जा रही है और इस बहाने कितनी अवैध उगाही की जा रही है यह सवाल हो सकता है। फिलहाल सच यही है कि जांच के बाद भी सभी जगहों पर बिना मानक के नर्सिंग होम संचालित है और बिना डिग्री वाले कथित डॉक्टर बीमार लोगों का इलाज कर रहे हैं।

शिक्षा, रोजगार और आर्थिक विकास के माध्यम से मुस्लिम समुदाय को सशक्त बनाना

न हमसफर न किसी हमनशीं से निकलेगा
हमारे पांव का कांटा हम ही से निकलेगा

ये शक्तिशाली पंक्तियाँ भारत में मुस्लिम समुदाय की वर्तमान स्थिति को दशार्ती हैं। देश की एक बड़ी अल्पसंख्यक आबादी होने के बावजूद, मुस्लिम समुदाय को शिक्षा, रोजगार और आर्थिक विकास में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। संदेश स्पष्ट है: सच्ची प्रगति हमारी अपनी कोशिशों से ही संभव है।

वर्तमान चुनौतियाँ

भारत में मुस्लिम समुदाय को अक्सर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सीमित पहुंच, सरकारी नौकरियों और निजी क्षेत्र में कम प्रतिनिधित्व, और आर्थिक अवसरों की कमी का सामना करना पड़ता है। सच्चर कमेटी और अन्य रिपोर्टों ने लंबे समय से इन असमानताओं को उजागर किया है, जो इस चक्र को तोड़ने के लिए त्वरित समाधान की आवश्यकता की ओर संकेत करती हैं।

शिक्षा की भूमिका

शिक्षा विकास की नींव है। समुदाय को प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा तक पहुंच को प्राथमिकता देनी चाहिए, और उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति का प्रबंध करना चाहिए। युवाओं को व्यावहारिक कौशल से लैस करने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भी बढ़ावा देना जरूरी है।

रोजगार के अवसर पैदा करना

मुस्लिम समुदाय को उद्यमिता और औपचारिक रोजगार दोनों में अपनी भागीदारी बढ़ाने की जरूरत है। इसमें निष्पक्ष भर्ती प्रथाओं की वकालत करना, सरकारी नौकरियों में अधिक प्रतिनिधित्व के लिए दबाव बनाना, और स्टार्टअप और छोटे व्यवसायों के समर्थन के लिए कार्यक्रम स्थापित करना शामिल है। प्रौद्योगिकी और सेवाओं जैसे क्षेत्रों में कौशल विकास से नए रोजगार के अवसर खुलेंगे।

आर्थिक सशक्तिकरण

कई मुस्लिम उद्यमियों के लिए पूंजी तक पहुंच एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। वित्तीय संस्थानों को अधिक समान ऋण प्रदान करने की आवश्यकता है, जबकि समुदाय-नेतृत्व वाले सहकारी बैंक जैसे प्रयास इस कमी को पूरा कर सकते हैं। संपत्ति, बुनियादी ढांचे और नवाचार-आधारित व्यवसायों में निवेश को प्रोत्साहित करने से सतत आर्थिक अवसर उत्पन्न करने में मदद मिलेगी।

निष्कर्ष

मुस्लिम समुदाय का भविष्य सामूहिक प्रयासों पर निर्भर है। शिक्षा, रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण के माध्यम से हम इन चुनौतियों पर काबू पा सकते हैं और एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। अब समय आ गया है कि हम अपनी नियति पर नियंत्रण करें।

***जारीकर्ता: ***

रियाज आलम, वरिष्ठ कॉर्पोरेट प्रोफेशनल, सामाजिक कार्यकर्ता और राज्य प्रमुख (बिहार), एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (AMP)

सर्वे चार्ज अधिकारी ने की ग्रामीणों के साथ बैठक दिए सर्वे से संबंधित जानकारी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान महाराजगंज 9 सितम्बर सोमवार महाराजगंज प्रखण्ड स्थित धनछूहां काली स्थान के प्रांगण मे सर्वे चार्ज अधिकारी श्री संजय कुमार ने ग्रामीणों संग बैठक कर सर्वे से संबंधित जानकारी दी। जिसमे उन्होंने बताया की ये सर्वे भूमि से संबंधित है। इस सर्वे मे भूमि का भूसावामित्व यानी अपना जमीन का दस्तावेज, या लगान रसीद, देना अनिवार्य है। अगर आप का पुस्तैनी भूमि खतियानी अगर आप के पूर्वज के नाम से है तो उसका दस्तावेज और उस परिवार के द्वारा किसी एक व्यक्ति स्वय हस्तलिखित बंसावली बना कर और प्रपत्र एक और दो भर कर देना अनिवार्य है। अगर किसी का भूमि बैनामा है तो उस भूमि के लिए दस्तावेज उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। इस बैठक मे कैमश्वर सिंह, कृष्णा सिंह, सफीक आलम, जगनारायण, मंजर इमाम,सिंह, सरफराज आलम मिंटू , रंजन कुमार डिस्को, रजनीश सिंह, सोमारी साह, सूर्यनारायण सिंह,आरिफ हुसैन, तजमुल हुसैन इत्यादि ग्रामीण मौजुद थे।

युवक ने खुद को गोली मार किया सुसाइड

एसएससी की कर रहा था तैयारी, पिता ने कहा- बेटे ने डिप्रेशन के बारे में कभी नहीं बताया

समस्तीपुर । एक युवक ने खुद को गोली मार आत्महत्या कर ली। उसने अपने घर में सुसाइड किया। मृतक अजय श्रीवास्तव का बेटा अमन श्रीवास्तव (23) है। जो एसएससी की तैयारी कर रहा था। फिलहाल यही माना जा रहा कि डिप्रेशन में आकर उसने सुसाइड किया। सुसाइड के वक्त घर में सिर्फ उसकी मां थी। पिता दुकान से घर लौटे तो छत पर गए। छत पर निर्माण कार्य चल रहा था। एक कमरे का दरवाजा खुला था। गेट बंद करने के लिए वे कमरे की ओर बढ़े। उन्होंने देखा अमन खून से लथपथ पड़ा है। मृतक के पिता अजय श्रीवास्तव ने बताया कि मेरा बेटा पूसा से डीएलएड भी कर रहा था। अमन घर से बहुत कम निकलता था, उसके

दोस्त भी बहुत कम थे। अमन ने कभी नहीं बताया कि वह डिप्रेशन में है। घटना शहर के माधुरी चौक रोड नंबर-10 की है। अमन के पिता अजय श्रीवास्तव ने कहा कि मेरी दुकान माधुरी चौक पर है। मैं अपनी दुकान पर था। मेरी पत्नी घर में अकेली थी। बड़ा बेटा भी कहीं निकला हुआ था। जब मैं घर लौटा तो छत पर सेंटरिंग देखने गया। कमरे की तरफ गेट बंद करने गया तो मेरा पैर जमीन पर पड़े बेटे के पैर से सटा। वहां पर काफी अंधेरा था, वापस नीचे गया और परिवार के अन्य लोगों के साथ रोशनी लेकर फिर ऊपर आया। देखा कि अमन की मौत हो चुकी है। लाश पड़ी है। एक देसी कट्टा भी उसके हाथ में पड़ा था। घटना की सूचना पर नगर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को जब्त कर रात में पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जिस कमरे में शव पड़ा था, उसे सील कर दिया गया है। फॉरेंसिक विभाग की टीम को भी बुलाया गया है। माना जा रहा है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता नहीं मिलने के कारण वो तनाव में था। इसी कारण आत्महत्या कर ली। नगर थाना अध्यक्ष आशुतोष कुमार ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल का मुआयना किया। मामला आत्महत्या का लग रहा है। चर्चा इस बात की भी जोरों पर हो रही है कि जब अमन पढ़ने लिखने वाला युवक था, अधिकतर समय पढ़ाई-लिखाई में ही गुजारता था, घर से काफी कम निकलता था।

सांसद ने हेड क्लर्क को नशे में गिरफ्तार करवाया

सीओ ऑफिस का पप्पू यादव ने किया निरीक्षण, शराब की दुर्गंध पर थानाध्यक्ष को बुलाया

पूर्णिया। कार्यालय अवधि में रूपौली सीओ ऑफिस के हेड क्लर्क शराब के नशे में धुत्त मिले। मुंह से शराब की गंध आने पर सांसद पप्पू यादव ने थानेदार को बुलाकर उन्हें अरेस्ट करवा दिया। दरअसल शनिवार को सांसद पप्पू यादव औचक निरीक्षण करने रूपौली अंचल कार्यालय पहुंचे। सांसद ने कार्यालय की जांच की। निरीक्षण के दौरान बीडीओ, सीओ के साथ अधिकतर कर्मी गायब दिखे। लेकिन, अंचल में तैनात

सामने अंचल कार्यालय, मनरेगा के साथ आधार सेंटर में फैले भ्रष्टाचार एनलाइजर से उनके शराब पीने की जांच करवाई गई, जिसमें नशे की संसाधन का अभाव है, जिसे दुरुस्त करने की जरूरत है। सांसद एक्सरे कक्ष पहुंचे। यहां कर्मी को सख्त हिदायत दी कि 24 घंटे सेवा देनी पड़ेगी। यदि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित एनजीओ के खिलाफ कार्रवाई के लिए विभाग के वरिय अधिकारी को लिखा जाएगा। वहीं, उन्होंने जल्द ही रूपौली रेफरल अस्पताल भवन निर्माण की दिशा में विभाग से भी बात करने की बात कही। उन्होंने कहा कि लोगों को बेहतर चिकित्सा

पटना में महिला का शव बरामद, चोट के निशान मिले

पटना । अथमलगोला में महिला अनीता देवी (35) का शव बरामद हुआ है। पूरा मामला नीरपुर गांव का है। शव, अनीता के मायके के पास ही गली में पड़ा मिला। अनीता ने कॉल किया तो मोबाइल फोन बंद बता रहा था। परिजनों के द्वारा महिला को फतुहा बाजार और आसपास के विभिन्न इलाकों में ढूंढा गया, लेकिन वह नहीं बोली।

बुजुर्ग ने 7 साल की मासूम के साथ किया रेप

जहानाबाद । एक 60 साल के बुजुर्ग ने 7 साल की मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। घटना टेहटा थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि पीड़िता शनिवार की शाम घर के पास खेल रही थी। तभी उसके पड़ोसी नेरेश महतो ने उसे गोद में उठा लिया और सुनसान इलाके में ले जाकर घटना को अंजाम दिया । वहीं दरवाजे पर बच्ची को नहीं देख उसकी मां ने खोजबीन शुरू की। जिसके बाद बच्ची रोती बिखलती उसके घर पहुंची और घटना के बारे में अपनी मां को बताया। मां ने घटना की सूचना स्थानीय थाने के पुलिस को दिया। सुचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं नाबालिग बच्ची को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मेडिकल जांच की जा रही है, जांच रिपोर्ट आने के बाद मामले का खुलासा हो पाएगा। पीड़िता की मां के आवेदन के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, आगे की कार्रवाई की जा रही है ।

सदफ
जमाल,शादाब
सरवर तथा शबाब
सरवर की तरफ से
आयरा परवेज को
ढेर सारी
शुभकामनाएं एवं
बधाई, जुग जुग
जियो मेरे लाल,

लखनऊ हादसा: 8 की मौत, रेस्क्यू जारी

स्नीफर डॉग से मलबे में लोगों की तलाश, परिजनों का शव रखकर प्रदर्शन

लखनऊ । शनिवार शाम हुए बिल्डिंग हादसे में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है। 27 घायल हैं। SDRF-NDRF के 100 से अधिक जवान 17 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे हैं। स्निफर डॉग से मलबे में लोगों की तलाश की जा रही है। इधर, मृतक धीरू गुप्ता के परिजन जुबानगंज चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि सरकार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करे और मुआवजा दिया जाए। सीएम योगी आज घायलों से मिलने लोक बंधु अस्पताल जाएंगे। शनिवार शाम ट्रांसपोर्ट नगर में 3 मंजिला बिल्डिंग (हरमिलाप टावर) भरभराकर गिर गई थी। SDRF की 2 और NDRF की 4 टीमों ने पूरी रात भर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। मलबा इतना ज्यादा था कि बगल

की बिल्डिंग की दीवार कटर से काटकर रास्ता बनाया गया, तब टीम अंदर घुस पाई। ड्रोन से सर्चिंग की गई। मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कर शवों को बाहर निकाला। शुरूआती जांच के मुताबिक, बिल्डिंग के बेसमेंट में काम चल रहा था। इसी वजह से हादसा हुआ। जॉइंट सीपी अमित वर्मा ने कहा- राहत बचाव कार्य जारी है। अब किसी के फंसे होने की संभावना नहीं है। लेकिन पूरा मलवा हटवाया जा रहा है। DCP आर एन सिंह ने बताया- कल से हमारा बचाव अभियान जारी है। हम आगामी 5-6 घंटे में बचाव अभियान पूरा हो जाएगा। फिलहाल घायलों की स्थिति ठीक है। NDRF, SDRF की टीमें लगी हैं। इमारत जर्जर थी इस वजह से ढह गई। मरने वालों में 8 की पहचान कर ली गई है जिनमें 1- पंकज तिवारी पुत्र सत्य प्रकाश तिवारी उम्र लगभग 40 वर्ष (लोक बंधु अस्पताल), 2- धीरज गुप्ता पुत्र महादेव गुप्ता उम्र लगभग 48 वर्ष (लोक बंधु अस्पताल), 3- अरूण सोनकर पुत्र संजय सोनकर उम्र लगभग 28 वर्ष (लोक बंधु अस्पताल), 4- राजकिशोर पुत्र श्रीकृष्ण उम्र 27 वर्ष (लोक बंधु अस्पताल), 5- जसप्रीत सिंह साहनी (अपोलो अस्पताल), 6- जगरूप सिंह, 7- रुद्र यादव, 8- राकेश लखन पाल। अब तक 8 शव निकाले जा चुके हैं। NDRF की टीम मलबे को हटाकर देख रही है। जेसीबी और क्रेन के सहारे मलबे को हटाया जा रहा है। राजेंद्र सिंह ने बताया कि हम जीने से पास उतर रहे थे, तभी धुआं जैसा दिखा। हम भागने लगे तो गाड़ी में फंस गए, वहीं चोट लग गई। मैं सीतापुर का रहने वाला हूं। हमारे साथ करीब 20 आदमी थे। वहां पर 20 लोग और भी थे। हादसे के बाद शुभी के पति और देवर लापता हो गए। शुभी ने बताया कि मेरे पति और देवर अंदर काम करते थे। हादसे के समय बिल्डिंग में मौजूद लक्ष्मी शंकर यादव ने बताया- मैं वहीं काम कर रहा था। सेकेंड फ्लोर पर था। अचानक से पिलर क्रैक हुआ। दौड़कर नीचे पहुंचे तो देखा कि पिलर क्रैक हो गया था। हम भागकर गए और सबको बताया कि बाहर निकलो। कुल 40 लोग वहां थे। जब तक लोग निकलते बिल्डिंग गिर गई। मेरा घर सीतापुर है। हादसे के वक्त बगल की बिल्डिंग में काम कर रहे अतुल राजपूत ने बताया- मैं दूसरी वाली बिल्डिंग में था। जिस बिल्डिंग में हादसा हुआ, वहां मेरा भाई आदित्य काम कर रहा था। मैंने भाई को फोन किया, वह बोला- बचाओ। मैं भागकर पहुंचा और उसे बचाने लगा।

संक्षिप्त डायरी

जिला जज ने दीवानी न्यायालय कसया का औचक निरीक्षण किया

कुशीनगर। जनपद के नवागत जनपद न्यायाधीश सुशील कुमार शशि ने आज रविवार को बाह्य दीवानी न्यायालय कसया का औचक निरीक्षण किया तथा यहां उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों से वार्ता की। जैसा की विदित है जनपद न्यायाधीश कुशीनगर के रूप में सुशील कुमार शशि ने अपना कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात अवकाश पर चले गए थे ।आज रविवार को वापस आते समय उन्होंने बाह्य दीवानी न्यायालय कसया का आवश्यक निरीक्षण किया। उन्होंने नए व पुराने न्यायालय भवन के सभी कार्यालय, सड़क, सफाई व्यवस्था शौचालय, पानी की सुविधा को देखा और यहां उपस्थित न्यायिक अधिकारियों व नजारत से जानकारी प्राप्त किया। नवागत जनपद न्यायाधीश के आगमन की सूचना पर सभी कर्मचारी, लिपिक व नजारत के लोग उपस्थित रहे। न्यायिक अधिकारीगण में सिविल जज सीनियर डिवीजन कसया मयंक प्रकाश, न्यायिक मजिस्ट्रेट कसया संजय कुमार उपस्थित रहे।इस अवसर पर जानकारी प्राप्त होने के बाद पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट ओमप्रकाश पांडे, पूर्व मंत्री आनंद राय, वर्तमान मंत्री ज्ञान प्रकाश द्विवेदी ने उन्हें बुके देकर माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा बार में आमंत्रण हेतु निवेदन किया।

स्कॉर्पियो-थार सवार बदमाशों ने युवक को पीटा, फायरिंग की: गाड़ी से फेंका

लखनऊ । स्कॉर्पिओ और थार सवाल 12 से ज्यादा लोगों ने युवक पर लाठी डंडों से हमला किया। भागने लगा तो फायरिंग कर रोका। कार में बिठाकर ले गए। कार से फेंककर भाग गए। पीड़ित का कहना है कि फोन कर मिलने के लिए बुलाया था। शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पीड़ित राम कृष्ण सिहं उर्फ किशन मूलरूप से प्रतापगढ़ जिले के रहने वाले हैं। आरोपियों की तलाश की जा रही है। पीड़ित किशन सिंह वृंदावन योजना सेक्टर 18 में रहते हैं। यहीं रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते हैं। पुलिस को दी गई शिकायत में उन्होंने बताया कि शनिवार शाम 7:49 बजे उनके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। फोन उठाया तो दूसरी तरफ से दिव्यांशु पटेल नाम का लड़का गाली गलौज करने लगा, इस पर उन्होंने फोन काट दिया। दिव्यांशु ने कई बार फोन किया। एन्क्लेव के गेट पर मिलने के लिए बुलाया। दिव्यांशु करीब 11 बजे चचेरे भाई आदित्य सिंह के साथ पहुंचा तो गेट पर दिव्यांशु कार सवार और असलहे से लैश एक दर्जन से ज्यादा लोगों के साथ नीचे मिला। सभी के हाथ में हथियार और लाठी डंडे थे। पास पहुंचते ही दिव्यांशु किशन की पिटाई करने लगा। वहां से किशन भागना चाहा तो दिव्यांशु और उसके साथियों ने फायरिंग कर रुकने को कहा। सभी ने मारते-पीटते हुए किशन को गाड़ी में लाद लिया। रास्ते भर पिटाई करते रहे। करीब दो किमी दूर ले जाकर गाड़ी से नींचे फेंक दिया। गाड़ी चढ़ाने का भी प्रयास किया। लाठी डंडों से पीटकर अधमरा कर दिया। किसी से पुलिस को सूचना दी। मौके से पुलिस ने गोलियों का खोखा बरामद किया। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। किशन का कहना है कि दिव्यांशु ने उसे मई में फोन करके किसी लड़की से बात न करने की बात कही थी। बात करने पर जान से मारने की धमकी दिया था। लड़की का नाम पूछने पर वह कुछ नहीं बताता था और फोन पर बस गालियाँ देता था। किशन ने बताया कि मैंने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। सेकेंड इंस्पेक्टर पीजीआई अमित सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर सुसंगत में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी हैं।

डिजिटल अरेस्ट कर 2 करोड़ की ठगी करने वाले 2 और आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने लखनऊ से डिजिटल अरेस्ट कर 2 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एसजीपीजीआई के एसोसिएट प्रोफेसर को सीबीआई अधिकारी बनकर ठगी की थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लोकेश जैन और पवन जैन के रूप में हुई है। उनके पास से 9.91 लाख रुपये नकद, 3 मोबाइल फोन और एक फॉक्सवैगन एमियो कार बरामद हुई है। आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उन्होंने एसजीपीजीआई के डॉक्टर को अपने खाते की जानकारी देने के लिए धोखा दिया और फिर उनके खाते से 2 करोड़ रुपये निकालकर अपने गिरोह के सदस्यों के खातों में ट्रांसफर कर दिए। साइबर अपराधी लोगों को ठगी का शिकार बनाने के लिए ऐसे-ऐसे कहानी बुन रहे हैं, जिसके खौफ में अच्छे से अच्छा पढ़े-लिखे जानकार लोग फंस जा रहे हैं। पिछले महीने अगस्त में ऐसा ही मामला लखनऊ से सामने आया था। यहां पीजीआई की डॉक्टर से को मनी लॉन्ड्रिंग और नेशनल सिक्योरिटी का डर दिखाकर ठगों ने उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर लिया फिर उनसे 2 करोड़ रुपये ठग लिये थे। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने महिला डॉक्टर से ठगे गए दो करोड़ 30 लाख में 65 लख रुपये बरामद कर चुकी है। पकड़े गए दोनों लोकेश जैन और पवन जैन से 9 लाख 91 हजार नगद बरामद हुए हैं। डिजिटल अरेस्टिंग कर ठगी करने वाले गिरोह के सदस्य कभी खुद को कभी एऊतो कभी उइकअधिकारी बनकर लोगों से ठगी करते थे।

केजीएमयू के प्रोफेसर आमोद कुमार सचान निलंबित

लखनऊ। केजीएमयू फॉमोकोलॉजी विभाग के हेड प्रोफेसर आमोद कुमार सचान को निलंबित कर दिया गया है। केजीएमयू के वीसी प्रोफेसर. सोनिया नित्यानंद ने इसको लेकर आदेश जारी किया है। निलंबन के दौरान आमोद कुमार सचान डीन ऑफिस से संबद्ध रहेंगे। सचान को लेकर केजीएमयू में काफी लंबे समय से विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि अपने रसूख से उन्होंने यह फाइल दबा ली थी। हालांकि इसी दौरान ईडी ने सचान के खिलाफ ईडी ईडी ने आय से अधिक संपत्ति की जांच शुरू कर दी थी। यहां तक उनकी जांच सीबीआई से कराने का आदेश दिया गया। ईडी के पत्र के बाद शासन हरकत में आया। उसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन को शासन ने पत्र भेजा। उसके बाद 27 अगस्त को कार्य परिषद की बैठक में सचान के खिलाफ करने का फैसला लिया गया। उसके बाद रजिस्ट्रार अर्चना गहरवार ने उनका निलंबन आदेश जारी कर दिया है। इस बारे में प्रोफेसर आमोद कुमार सचान ने कहा कि उनके खिलाफ की गई शिकायत झूठी है।

झाड़ियों में मिले नवजात मासूम का हैलट के आईसीयू में चल रहा है इलाज

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की तहसील राठ के कस्बा खेड़ा में पिछले दिनों एक नवजात मासूम बच्चा झाड़ियों में पडे. होने की जानकारी पर राठ पुलिस ने मौके पर पहुँचकर बच्चे को झाड़ियों से उठाकर हमीरपुर जिला अस्पताल में एडमिट कराया गया था, जबकि हमीरपुर जिला अस्पताल में बच्चे की हालत में सुधार न होने पर उसे कानपुर हैलट के लिए रैफर किया गया था, फिलहाल बच्चा कानपुर हैलट के आईसीयू में एडमिट है, जबकि हैलट में मासूम बच्चे की हिफाजत के लिये नगर पुलिस कर्मी सहित चाइल्ड लाइन के जिम्मेदार सुपरवाइजर अनुभव और लियाकत पूरी मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाते हुये कानपुर के हैलट में मौके पर मौजूद है।

जनता के हित में एनडीए को मजबूत करने का काम: लोकदल

कसया, कुशीनगर। राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व एमएलसी रामाशीष राय ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल केन्द्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों को जनता, किसानों और नौजवानों तक पहुँचाने के अभियान में जुटेगा, प्रदेश में एनडीए को मजबूत कर आरएलडी ताकत प्रदान करेगी। इसके लिए संगठन को पुनर्गठित करने का निर्णय लिया गया है, जो 15 अगस्त के बाद से ही शुरू हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष श्री राय जिला कुशीनगर के कसया ब्लॉक के मीटिंग हाल मे पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मंशा के अनुरूप केन्द्रीय योजनाओं का अमलीजामा पहनाने में आरएलडी रचनात्मक भूमिका निभायेगी। प्रधानमंत्री ने कौशल विभाग स्वतत्र प्रभार और शिक्षा राज्य मंत्री का प्रभार जयंत चौधरी को दिया है। जिसके माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षित करने और उन्हें छोटे-छोटे कुटीर उद्योगों के माध्यम से रोजगार देने और देश का आकर्षक ढाचा मजबूत करने मे सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल का प्रतिनिधि मण्डल 1 अगस्त को केन्द्रीय मंत्री के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिला और प्रदेश के किसानों, बेरोजगार, नौजवानों के बारे में चर्चा किया। जिसपर सीएम ने कहा कि प्रदेश का समन्वित सम्पूर्ण विकास स्वच्छ प्रशासन देने के लिए कृत सकल्पित हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए अनेक शिक्षण संस्थान और मेडिकल संस्थान खोले जाने की चर्चा करते हुए गन्ना किसानों का राही समय पर पेमेन्ट और लाभकारी मूल्य तथा चीनी मिलो को कैसे सुचारू संचालन हो पर भी अपनी योजनाओं की चर्चा किया। पूर्व एमएलसी ने कहा कि प्रदेश में होने वाले 10 विधान सभा उप चुनावों में पार्टी अपने कार्यकताओं को अभी से जुटने के लिए बैठकें कर रही है। बूथ तक कमेटियाँ बनाने का निर्णय लिया है तथा 15 सितम्बर तक प्रदेश अध्यक्ष को सभी सीटों पर जाकर बैठकें करने का निर्देश राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विनोद प्रताप कुंवर सिंह ने किया। राष्ट्रीय लोक दल की बैठक में विवेक चौधरी क्षेत्रीय अध्यक्ष संत कबीर नगर क्षेत्र, सुरेश शाही प्रदेश सचिव, राम भवन राय प्रदेश सचिव, मुरारी लाल यादव प्रदेश सचिव, सीताराम मौर्य, हरि कसेरा, सीपी निगम, श्रीनिवास गुप्ता, ध्रुव नारायण सिंह, एमएस निजामी मौजूद रहे।

राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्त पत्रकार हैं सुनील त्रिपाठी हैं पूर्वांचल के गौरव

कुशीनगर। शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2023 -, 24 के लिये राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक पत्रकार सुनील कुमार सुमन को जिले के पत्रकारों ने सम्मानित किया और कहा कि शिक्षक सुमन पूर्वांचल के गौरव हैं। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा सामिति (एबीपीएसएस) की जिला इकाई द्वारा रविवार को कसया तहसील क्षेत्र के ग्राम साखोपार स्थित कैम्प कार्यालय पर आयोजित सम्मान समारोह में फाजिलनगर क्षेत्र के महासोन निवासी सुनील कुमार सुमन को संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह के नेतृत्व में माल्यार्पण किया गया और अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिक्षक सुमन जो रुदवलिया में संचालित जनपदीय आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय (संविलियन) में वर्तमान में शिक्षक पद पर वर्ष 2009 से कार्यरत हैं। प्रदेश अध्यक्ष श्री सिंह, प्रदेश सचिव विनय कुमार उपाध्याय, विनय कांत मिश्रा, क्षेत्रीय सचिव विजय कुमार राव, मंडल अध्यक्ष अजय कुमार मिश्रा, मण्डल महासचिव व प्रवक्ता असफाक अंसारी ने कहा कि शिक्षक रहते हुए सुमन त्रिपाठी ने कवि व पत्रकार के रूप में अपनी ख्याति प्राप्त की है और अपने शैक्षणिक कर्तव्यों का बखूबी निर्वाह करते हुए बेसिक विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की मेधा क्षमता में गुणवत्ता पूर्ण वृद्धि के लिए बहरीन कार्य किये। श्री सुमन को राज्य पुरस्कार मिलना पूर्वांचल के लिए गर्व की बात है। अपने सम्मान से भावुक श्री सुमन ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है। हम सब मिलकर प्रेम, सहयोग के साथ शिक्षा, समाज मे अपना योगदान देकर औरों को प्रेरित कर सकते हैं। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष हृदया नन्द शर्मा ने किया। अंत में एक दैनिक समाचार पत्र स्पष्ट आवाज के संस्थापक स्व. एस एल सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर दो मिनट का मौन रख उन्हें भावभिनी श्रद्धांजलि दी गयी। इस दौरान जिला महामंत्री विनोद कुमार तिवारी, जिला सचिव सुधाकर उपाध्याय, जिला सूचना मंत्री ज्ञानेश्वर बरनवाल, तहसील पड़रौना अध्यक्ष आदित्य कुमार दीक्षित, मोहन राव, विवेकानंद सिंह, उमर फारूक, सरताज आलम, सिरजेश यादव, कार्यालय प्रभारी मस्तराज शर्मा, राजन कुमार सिंह, रवि प्रकाश पाण्डेय, धनन्जय पाण्डेय, मिंटू लारी, मंतोष्ट जायसवाल, जगदीश सिंह, अयोध्या सिंह, विजय बहादुर राय सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

लखनऊ में तेज बारिश, हवाएं चल रहीं: उमस भरी गर्मी से राहत

लखनऊ । दोपहर बाद कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई। गोमती नगर इंदिरा नगर, कृष्णा नगर, हजरतगंज समेत कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बरसात हो रही है। आसमान में काले बादल छाए हैं। तेज हवाएं भी चल रही हैं। बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया है। आज सुबह से ही तेज धूप थी। उमस भरी गर्मी से लोग परेशान थे। बारिश होने से गर्मी से राहत मिली है। करीब 30 मिनट की ही बारिश में गोमती नगर और चौक इलाके में जलभराव हो गया। लोगों को सड़क पार करने के लिए पानी में उतरना पड़ा। रविवार की बारिश में लोग सड़कों पर भीगते दिखे। रविवार होने की वजह से शहरी इलाकों में भीड़ ज्यादा दिखी। लेकिन बरसात हो जाने से लोग मौसम का लुत्फ लेते दिखे।

प्रॉपर्टी डीलर और भाई को पिस्टल की बट से मारा

लखनऊ । सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में एक प्रॉपर्टी डीलर और उसके भाई को कुछ दबंगों ने लाठी डंडों से जमकर पिटाई कर दी। दबंगों ने असलहों के बट से सिर पर कई वार कर घायल कर दिया। जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज जब्त कर ली गई है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। मयंक मिश्रा उर्फ हिमांशू सुशांत गोल्फ सिटी में परिवार के साथ रहते हैं। वह प्रॉपर्टी डीलर का काम करते हैं। मयंक ने पुलिस को बताया कि वो शनिवार की शाम को सुशांत गोल्फ सिटी स्थित अमित तिवारी के ऑफिस पहुंचे थे। वहां पैसे को लेकर मूलरूप से बस्ती के रहने वाले जयशंकर से बातचीत कर रहे थे। बातचीत के दौरान वहां मौजूद दीपक मिश्रा उग्र हो गए। गाली-गलौज करने लगे। मारपीट पर आमदा हो गए। मयंक ने बताया कि दीपक ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकाल लिया। सिर पर हमला कर लहुलुहान कर दिया। इसके बाद उसने अपने छोटे भाई कार्तिकेय मिश्रा को फोन मिलाकर बुलाया, दोनों ने मिलकर लाठी डंडों से बुरी तरह पीटा। पिटाई के दौरान मयंक का सोने का लॉकेट भी गिर गया। वो किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भागे। मारपीट की घटना ऑफिस में लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। सुशांत गोल्फ सिटी थाना प्रभारी अंजनी कुमार मिश्र ने बताया कि मयंक की तहरीर पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी दीपक को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जा रही हैं ।

भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की उठी मांग

कसया, कुशीनगर। बुद्ध पीजी कुशीनगर के भदन्त चंद्रमणि सभागार परिसर में रविवार को भोजपुरी पुनर्जागरण मंच द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलाई गई। मुख्यअतिथि डा. लारी ने कहा कि भोजपुर भाषा बोलने से गर्व की अनुभूति होती है। इसके उत्थान, माई, माटी, संस्कृति के उत्तरोत्तर विकास व आठवीं अनुसूची में भोजपुरी को शामिल करने और सांस्कतिक फूहड़पन को रोकने के लिए मंच ने अलख जगाया है। हम सभी को मिलकर भोजपुरी भाषा को उचित स्थान दिलाने के लिए आगे आना होगा। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरसिंह ने अतिथियों का परिचय कराते हुए कहा कि भोजपुरी भाषा पूरे विश्व में करोड़ों लोगों की भाषा है। यह भाषा साहित्य, लोक कला के क्षेत्र में काफी समृद्ध है। देश समाज के विकास के लिए भोजपुरी को उसका हक दिलाने के लिए आगे आना होगा। वक्ता के क्रम में प्रो. आरपी सिंह, अभिमन्यु पाण्डेय आदि ने अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि डॉ लारी आजाद व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। शपथ केंद्रीय सामिति के अध्यक्ष नरसिंह, उपाध्यक्ष विनोद सिंह, रीतेश सिंह, आचार्य कैप्टन वीरेंद्र सिंह, संतोष यादव, प्रकाश सिंह, कृष्ण मोहन, जय प्रकाश गोविन्द राव, सोमनाथ व देवरिया, कुशीनगर, गोरखपुर की जिला पदाधिकारियों ने ली। समारोह की शुरूआत माता सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन और दीप प्रज्वलित कर अतिथियों ने किया। सभी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और अंगवस्त्र, मनोनयन पत्र देकर सम्मनित किया गया। मंगला, आर्या ने सरस्वती वंदना व गीतकार सुनील मिश्रा, अतुल भारती, रविशंकर पाठक आदि ने भोजपुरी गीत संगीत की शानदार प्रस्तुति दी। संचालन डॉ राजेश सिंह ने किया। आभार प्रहलाद केशरी, डॉ रीतेश सिंह ने व्यक्त किये। इस दौरान रामेश्वर विश्वकर्मा, डॉ जितेंद पाण्डेय, बाल मुकुंद शुक्ला, धीरेन्द्र त्रिपाठी, संतोष यादव, आदित्य पाण्डेय, डॉ सभाराज सिंह, संदीप त्रिपाठी, रविन्द्र पाण्डेय, कन्हैया केशरी, विजय कुमार गुप्ता, शम्भू राय, कुशीनगर जिलाध्यक्ष अनिल सिंह, देवरिया जिलाध्यक्ष डॉ अनूप सिंह, तेज प्रताप श्रीवास्तव, रविन्द्र नाथ पाण्डेय, धनेश गुप्ता, संजय जयसवाल, जितेंद कुमार सैनी, अभय कुमार सिंह, बलराम सिंह, सुरेश शुक्ला, राम विश्वास शर्मा सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: को ही सिद्ध करती है तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस

तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में नारियों को सम्मान जनक रूप में प्रस्तुत किया है। जिससे 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:' ही सिद्ध होता है। नारियों के बारे में उनके जो विचार देखने में आते हैं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:-

धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी।
आपद काल परखिए चारी।।

अर्थात धीरज, धर्म, मित्र और पत्नी की परीक्षा अति विपत्ति के समय ही की जा सकती है। इंसान के अच्छे समय में तो उसका हर कोई साथ देता है, जो बुरे समय में आपके साथ रहे वही आपका सच्चा साथी है। उसीके ऊपर आपको सबसे अधिक भरोसा करना चाहिए।

जननी सम जानहिं पर नारी।
तिन्ह के मन सुभ सदन तुम्हारे ।।

अर्थात जो पुरुष अपनी पत्नी के अलावा किसी और स्त्री को अपनी मां सामान समझता है, उसी के हृदय में भगवान का निवास स्थान होता है। जो पुरुष दूसरी नारियों के साथ संबंध बनाते हैं वह पापी होते हैं, उनसे ईश्वर हमेशा दूर रहता है।

मूढ़ तोहि अतिसय अभिमाना ।
नारी सिखावन करसि काना ।।

अर्थात भगवान राम सुग्रीव के बड़े भाई बाली के सामने स्त्री के सम्मान का आदर करते हुए कहते हैं, दुष्ट बाली तुम अज्ञानी पुरुष तो हो ही लेकिन तुमने अपने घमंड में आकर अपनी विद्वान पत्नी की बात भी नहीं मानी और तुम हार गए। मतलब अगर कोई आपको अच्छी बात कह रहा है तो अपने अभिमान को त्यागकर उसे सुनना चाहिए, क्या पता उससे आपका फायदा ही हो जाए।

तुलसी देखि सुबेषु भूलहिं
मूढ़ न चतुर न सुन्दर ।
केकिही पेखु बचन सुधा
सम असन अहि ।।

अर्थात तुलसीदास जी कहते हैं सुन्दर लोगों को देखकर मुर्ख लोग ही नहीं बल्कि चालाक मनुष्य भी धोखा खा जाता है। सुन्दर मोरों को ही देख लीजिए उनकी बोली तो बहुत मीठी है लेकिन वह सांप का सेवन करते हैं। इसका मतलब सुन्दरता के पीछे नहीं भागना चाहिए। चाहे कोई भी हो। तमाम सीमाओं और अंतर्विरोधों के बावजूद तुलसी लोकमानस में रमे हुए कवि हैं। उनका सबसे प्रचलित दोहा जिसे सबने अपने तरीके से तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया। हमेशा विवादों के घेरे में आ जाता है। कई महिला संगठनों ने तो इसका घोर विरोध भी किया।

प्रभु भल कीन्ह मोहि सिख दीन्हीं।
मरजादा पुनि तुम्हरी कीन्हीं।
ढोल गंवार सूद्र पसु नारी।
सकल ताड़ना के अधिकारी।

अर्थात प्रभु ने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी (दंड दिया), किंतु मर्यादा (जीवों का स्वभाव) भी आपकी ही बनाई हुई है। ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं।

कुछ लोग इस चौपाई का अपनी बुद्धि और अतिज्ञान के कारण विपरीत अर्थ निकालकर तुलसी दास जी और रामचरित मानस पर आक्षेप लगाते हुए अक्सर दिख जाते हैं। सामान्य समझ की बात है कि अगर तुलसीदास जी स्त्रियों से द्वेष या घृणा करते तो रामचरित मानस में उन्होंने स्त्री को देवी समान क्यों बताया? और तो और- तुलसीदास जी ने तो-

एक नारिब्रतरत सब झारी।
ते मन बच क्रम पतिहितकारी।

अर्थात, पुरुष के विशेषाधिकारों को न मानकर दोनों को समान रूप से एक ही व्रत पालने का आदेश दिया है। साथ ही सीता जी की परम आदर्शवादी महिला एवं उनकी नैतिकता का चित्रण, उर्मिला के विरह और त्याग का चित्रण यहां तक कि लंका से मंदोदरी और त्रिजटा का चित्रण भी सकारात्मक ही है। सिर्फ इतना ही नहीं सुरसा जैसी राक्षसी को भी हनुमान द्वारा माता कहना, कैकेई और मंथरा भी तब सहानुभूति का पात्र हो जाती हैं जब उन्हें अपनी गलती का पश्चाताप होता है ऐसे में तुलसीदासजी के शब्द का अर्थ स्त्री को पीटना अथवा प्रताड़ित करना है ऐसा तो आसानी से हजम नहीं होता। इस बात का भी ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलसीदास जी शूद्रों के विषय में तो कदापि ऐसा लिख ही नहीं सकते क्योंकि उनके प्रिय राम द्वारा शबरी, निषाद, केवट आदि से मिलन के जो उदाहरण है वो तो और कुछ ही दर्शाते हैं।

तुलसीदास जी ने मानस की रचना अवधी में की है और प्रचलित शब्द ज्यादा आए हैं, इसलिए 'ताड़न' शब्द को संस्कृत से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता, राजा दशरथ ने स्त्री के वचनों के कारण ही तो अपने प्राण दे दिए थे। श्री राम ने स्त्री की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया, रामायण के प्रत्येक पात्र द्वारा पूरी रामायण में स्त्रियों का सम्मान किया गया और उन्हें देवी बताया गया। असल में ये चौपाइयां उस समय कही गई है जब समुद्र द्वारा श्रीराम की विनय स्वीकार न करने पर जब श्री राम क्रोधित हो गए और अपने तरकश से बाण निकाला तब समुद्र देव श्रीराम के चरणों मे आए और श्रीराम से क्षमा मांगते हुए अनुनय करते हुए कहने लगे कि- हे प्रभु आपने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी और ये ये लोग विशेष ध्यान रखने यानि, शिक्षा देने के योग्य होते हैं। ताड़ना एक अवधी शब्द है जिसका अर्थ पहचानना परखना या रेकी करना होता है। तुलसीदास जी के कहने का मंतव्य यह है कि अगर हम ढोल के व्यवहार (सुर) को नहीं पहचानते तो, उसे बजाते समय उसकी आवाज कर्कश होगी अत: उससे स्वभाव को जानना आवश्यक है।

इसी तरह गंवार का अर्थ किसी का मजाक उड़ाना नहीं बल्कि उनसे है जो अज्ञानी हैं और उनकी प्रकृति या व्यवहार को जाने बिना उसके साथ जीवन सही से नहीं बिताया जा सकता। इसी तरह पशु और नारी के परिप्रेक्ष में भी वही अर्थ है कि जब तक हम नारी के स्वभाव को नहीं पहचानते उसके साथ जीवन का निर्वाह अच्छी तरह और सुखपूर्वक नहीं हो सकता। इसका सीधा सा भावार्थ यह है कि ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी के व्यवहार को ठीक से समझना चाहिए और उनके किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। परन्तु दुर्भाग्य तुलसीदास जी रचित इस चौपाई को लोग अपने जीवन में भी उतारते हैं और रामचरित मानस को नहीं समझ पाते हैं।

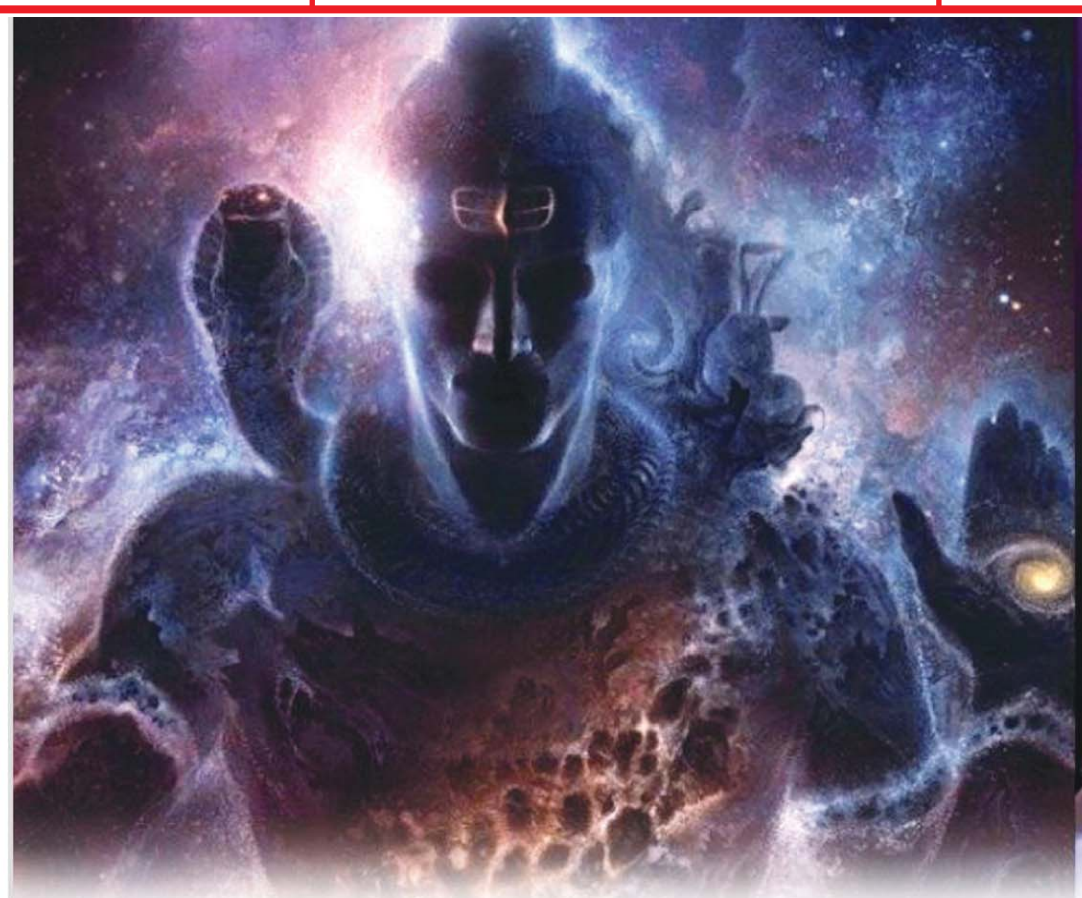

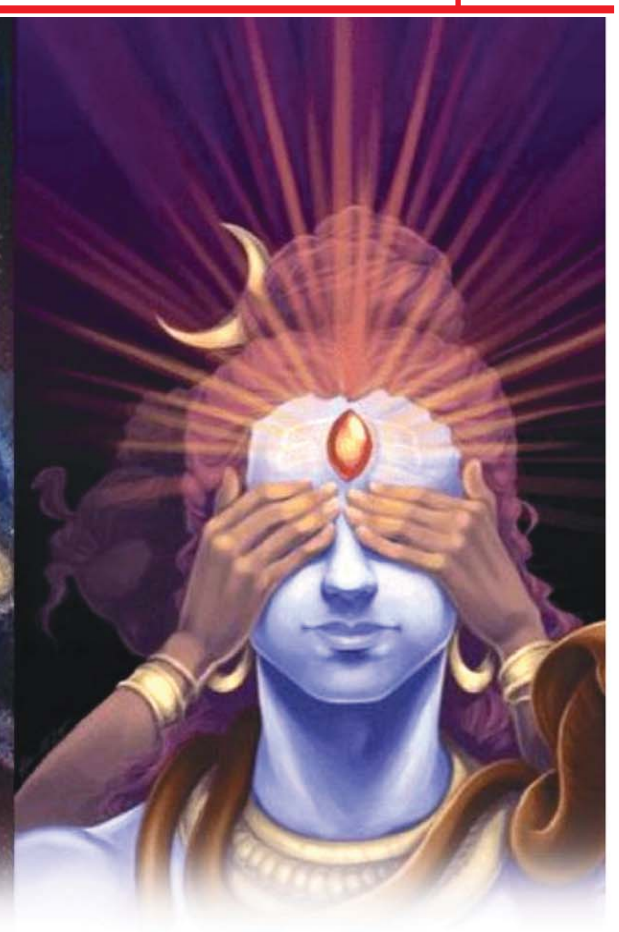

जब नवग्रहों के राजा भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी है एक कथाभगवान शिव कितने भोले हैं यह तो सभी जानते हैं। कभी वह शिवलिंग के ऊपर बंधे घंटे को चोरी करने वाले को अपना भक्त मान लेते हैं। तो कभी पेड़ पर चढ़े शिकारी के यूं ही बेलपत्र तोड़कर नीचे फेंकने को उसकी भक्ति समझ लेते हैं। यही नहीं उससे प्रसन्न होकर वह उसे सर्वस्य दे भी देते हैं। इससे इतर भोले भंडारी को यदि क्रोध आ जाए तो वह कितना विकराल रूप ले लेता है। इसका उदाहरण भी धर्म शास्त्रों में देखने को मिलता है। 18 पुराणों में सबसे प्राचीनतम पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी ही एक कथा मिलती है जब नवग्रहों के राजाधिराज भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानी?

इसलिए आया था अवढरदानी को गुस्सा

मनुष्य, देवता या फिर दैत्य जो भी भगवान शिव की शरण में पहुंचता है। वह बिना किसी भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। एक बार दैत्य माली और सुमाली भी उनकी शरण में

अपनी पुकार लेकर पहुंचे। वह गंभीर शारीरिक पीड़ा से त्रस्त थे। सूर्य देव की अवहेलना से उन्हें इस व्याधि से भी मुक्ति नहीं मिल रही थी। अपनी करुण पुकार लेकर वह भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

तब कश्यप नंदन सूर्य पर शिव ने किया प्रहार

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार भगवान शिव अपनी शरण में आए दैत्य माली-सुमाली की दारुण व्यथा सुनकर अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने कश्यप नंदन सूर्य पर अपने त्रिशूल से प्रहार कर दिया। उस समय संपूर्ण लोकों को प्रकाशित करने वाले सूर्य देव अपने सात घोड़ों के रथ पर विराजमान थे। वह भोलेनाथ का प्रहार सहन नहीं कर पाए और रथ से नीचे गिर कर अचेत हो गए। उनके गिरते ही संपूर्ण सृष्टि अंधकार में डूब गई।

कश्यप ऋषि ने दिया भगवान शिव को शाप

संपूर्ण जगत में अंधियारा होने पर सूर्य देव के पिता कश्यप ऋषि को अपने पुत्र की चिंता हुई। जैसे ही वह भगवान सूर्य के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके पुत्र पर भगवान शिव ने प्रहार किया है। वह क्रोध से आग बबूला हो गए और अपना संयम खो बैठे। आवेश में आकर उन्होंने शिवजी को शाप दे डाला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज वह अपने पुत्र की हालत पर रो रहे हैं। एक दिन उन्हें भी ऐसे ही दु:खी होना पड़ेगा। वह भी पुत्र कष्ट से रोएंगे।

ऐसे दिया भोले ने सूर्य देव का जीवन दान

कुछ ही क्षणों में जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ तो उन्होंने देखा कि संपूर्ण सृष्टि में अंधकार होने से हाहाकार मचा है। उन्होंने सूर्य देव को जीवन दान दिया। तभी शिवजी को ऋषि कश्यप के शाप के बारे में पता चला। उन्होंने सभी का त्याग करने का निश्चय किया। यह सुनकर ब्रह्माजी भगवान सूर्य के पास पहुंचे। उन्हें उनके कार्य का दायित्व सौंपा। इसके बाद शिवजी, ब्रह्मा और ऋषि कश्यप सभी ने सूर्य को आशीर्वाद दिया और अपने-अपने स्थान पर वापस चले गए।ये पौधे दूर कर देते हैं लाइफ की सारी टेंशन, मनचाही मुरादें भी करते हैं पूरीमाली-सुमाली की व्याधि भी हुई दूरसूर्य जैसे ही अपनी राशि पर आरूढ़ हुए माली-सुमाली पुन: शारीरिक कष्ट से जूझने लगे। तब ब्रह्मा जी ने स्वयं ही दोनों दैत्यों को सूर्य की उपासना का महत्व समझाया और कहा कि पूरी निष्ठा से उनकी उपासना करें। उनकी कृपा से ही वह पूर्ण रूप से निरोगी होंगे। तब माली-सुमाली ने ब्रह्मा जी के कहे अनुसार सूर्य देव की पूजा- आराधना की। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर सूरज देवता ने उनकी समस्त शारीरिक व्याधियों का अंत कर दिया।

ऐसा क्या हुआ देवी लक्ष्मी ने रुला दिया भगवान विष्णु को

कहते हैं कि जिस भी घर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है वहां सुख-शांति का वास होता है। दांपत्य जीवन भी सुखमय होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इक बार ऐसा भी हुआ कि श्री हरि को भी माता लक्ष्मी की वजह से रोना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानीजब श्री हरि के संग होने की बात कही देवी लक्ष्मी नेपौराणिक कथाओं में जिक्र मिलता है कि एक बार श्री हरि धरती पर भ्रमण के लिए जा रहे थे। तभी देवी लक्ष्मी ने उनके साथ चलने की अनुमति मांगी। कई बार कहने पर भगवान विष्णु ने कहा कि वह साथ चल सकती हैं लेकिन उन्हें एक शर्त माननी होगी। उन्होंने कहा कि धरती पर कैसी भी स्थिति आए लेकिन उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। देवी लक्ष्मी भी भगवान की शर्त मान लेती हैं और साथ चल देती हैं। इस तरह खुद को रोक न सके भगवान और रो पड़ेकथा मिलती है कि जब श्री विष्णु और माता लक्ष्मी पर भ्रमण कर रहे थे। तभी देवी की नजर उत्तर दिशा की ओर पड़ी। उस ओर इतनी हरियाली थी कि वह खुद को रोक न सकीं और सामने दिख रहे बगीचे में चली गईं। इसके बाद उन्होंने उस बाग से एक पुष्प तोड़ लिया और भगवान विष्णु के पास वापस आईं। उन्हें देखते ही श्री हरि रो पड़े। तभी माता लक्ष्मी को उनकी शर्त याद आई। तब भगवान विष्णु ने कहा कि बिना किसी से पूछे उसकी किसी भी वस्तु को छूना अपराध है। लक्ष्मीजी को इस वजह से बनना पड़ा दासीदेवी लक्ष्मी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। लेकिन श्रीहरि ने कहा कि इस गलती की माफी उस बगीचे का माली ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें उस माली के घर में दासी बनकर रहना होगा। देवी लक्ष्मी ने उसी क्षण गरीब औरत का रूप धारण किया और सीधे उस माली के घर पहुंच गईं। माली ने उनसे कभी खेत में काम करवाया, कभी बगीचे में तो कभी घर में। लेकिन एक दिन उसे पता चला कि वह दासी कोई और नहीं माता लक्ष्मी हैं। तो वह रो पड़ा। किस्मत चमकाने वाली 6 अंगूठी, लोग करते हैं बहुत भरोसा ऐसे दासी बनीं मां लक्ष्मी ने भर दी माली की झोलीकथा के अनुसार माली ने मां लक्ष्मी से क्षमा-याचना की और कहा कि जो कुछ उसने उनसे करवाया वह सब अज्ञानतावश था। इसके लिए वह उसे माफ कर दें। मां लक्ष्मी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो भी वह नियति थी। इसमें उसका कोई दोष नहीं है। लेकिन जिस तरह उसने मां को अपने परिवार का सदस्य समझा। उसके लिए वह उसे आजीवन सुख-समृद्धि का वरदान देती हैं। देवी लक्ष्मी ने कहा कि माली और उसके परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी भी तरह का कष्ट नहीं भोगना पड़ेगा। इतना कहकर देवी अंर्तध्यान होकर विष्णु लोक वापस चली गईं।

स्वामी विवेकानंद ने समझाया पाप और पुण्य का अर्थ

यह घटना 1899 की है। उन दिनों कलकत्ता में प्लेग फैला हुआ था। कलकत्ता में शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जिसमें इस रोग का प्रवेश न हुआ हो। प्लेग ने असमय ही अनेक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। यह देखकर हर ओर त्राहि-त्राहि मच गई। जिस भी घर का प्राणी मरता, वहां रोने की चीत्कारें गूंजने लगती थीं। सभी परेशान थे।ऐसे में स्वामी विवेकानंद, उनके कई शिष्य स्वयं रोगियों की सेवा करते रहे। वे नगर की गलियां और बाजार साफ करते और जिस घर के मरीज इस बीमारी की चपेट में आ गए थे, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते। तभी कुछ पंडितों की मंडली स्वामी जी के पास आई और बोली, 'स्वामीजी, आप यह ठीक नहीं कर रहे हैं। इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है इसलिए इस महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। आप लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके जाने अनजाने आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं जो अच्छी बात नहीं है।'यह सुनकर स्वामीजी गंभीरता से बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो भी हमारे जो सेवक इनकी मदद कर रहे हैं, वे तो पुण्य के भागी बन ही रहे हैं न! बोलिए इस संदर्भ में आपका क्या कहना है?' स्वामीजी की बात सुनकर सभी पंडित भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।

मुद्रस्फीति आंकड़े और वैश्विक रुख तय करेंगे बाजार की चाल

ब्रेंट क्रूड की गतिविधियों और रुपये-डॉलर के रुख पर भी होगी बाजार की नजर

मुंबई ।

वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई मुनाफावसूली से बीते सप्ताह करीब डेढ़ प्रतिशत तक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की चाल इस सप्ताह मुद्रास्फीति जैसे वृहत आर्थिक आंकड़ें, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होंगी। बाजार के` विश्लेषकों ने कहा` कि कच्चे तेल की कीमतों में पिछले कुछ दिनों में सुधार देखा गया है और ब्रेंट क्रूड अब 73 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के करीब है। भारत में निवेशक इस सप्ताह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति सहित अन्य वृहत आर्थिक आंकड़े जारी होने का इंतजार करेंगे। वैश्विक स्तर पर, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती को लेकर आशावादी बने हुए हैं। उनकी नजर इस महीने होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक पर होगी। वृहत आर्थिक आंकड़ों के तहत जुलाई के लिए औद्योगिक उत्पादन और अगस्त के लिए मुद्रास्फीति आंकड़ों की घोषणा गुरुवार को की जाएगी। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 1,181.84 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी में 383.75 अंक की गिरावट आई। स्थानीय शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,017.23 अंक टूटकर 81,183.93 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 292.95 अंक टूटकर 24,852.15 पर रहा।

बाजार के जानकारों ने कहा` कि हमारा अनुमान है कि निकट भविष्य में बाजार में कारोबार सीमित दायरे में रहेगा। निवेशकों की नजर वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की गतिविधियों और रुपये-डॉलर के रुख पर भी होगी। आने वाले सप्ताह में अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर होगी।

आईआईटी बॉम्बे को अनुसंधान एवं विकास के लिए मिला 700 करोड़ का फंड

2022-23 में संस्थान को 576 करोड़ और 2021-22 में 502 करोड़ रुपये मिले थे

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे ने 2023-24 में अनुसंधान और विकास के लिए वार्षिक अनुदान के रूप में रिकॉर्ड 700 करोड़ रुपये प्राप्त किए हैं। पिछले तीन वर्षों की तुलना में यह सबसे ज्यादा है। 2022-23 में संस्थान को 576 करोड़ रुपये और 2021-22 में 502 करोड़ रुपये मिले थे। आरएंडडी फंड सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों से प्राप्त राशि का संयोजन है। निजी एजेंसियों से प्राप्त धन अनुदान राशि का 35 प्रतिशत होता है, जबकि शेष सरकारी एजेंसियों द्वारा दिया जाता है। संस्थान ने कहा कि आईआईटी बॉम्बे ने अपने अनुसंधान एवं विकास को तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ जोड़ने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। संस्थान ने विभिन्न शैक्षणिक इकाइयों के शोधकर्ताओं को शामिल करते हुए जटिल समस्याओं को समग्र तरीके से हल करने के लिए कई बड़े बहु-विषयक अनुसंधान केंद्र स्थापित किए हैं। इसमें कहा गया कि छात्र और संकाय सदस्य विज्ञान, इंजीनियरिंग, डिजाइन, प्रबंधन और मानविकी के सभी क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजनाएं संचालित करते हैं। संस्थान ने बताया` कि विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, डिजाइन और सामाजिक विज्ञान के सभी क्षेत्रों में हर साल नई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शुरू की जाती हैं, जिनमें अल्पकालिक परामर्श और दीर्घकालिक प्रायोजित अनुसंधान दोनों शामिल हैं। परियोजनाओं की अवधि आम तौर पर 2-5 साल तक होती है। आईआईटी बॉम्बे इस अनुदान का उपयोग तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा महाराष्ट्र ड्रोन मिशन जैसी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए करेगा। स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने और ड्रोन प्रौद्योगिकी में महाराष्ट्र को वर्ल्ड लीडर के रूप में स्थापित करने के लिए विभाग ने 151.8 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एक परियोजना को वित्त पोषित किया। संस्थान वस्त्र मंत्रालय के लिए एक परियोजना वस्त्र-आधारित कंपोजिट का उपयोग करके हाइड्रोजन प्रेशर वेसल निर्माण का विकास करने के लिए भी काम कर रही है। आईआईटी-बॉम्बे ने विश्व स्तरीय संस्थानों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में यह दुनिया के शीर्ष 150 विश्वविद्यालयों में शामिल है। हाल ही में जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल फ्रेमवर्क रैंकिंग में भी आईआईटी-बॉम्बे शीर्ष तीन में शामिल है।

बायूज ऑडिटर ने पिछली तारीखों में रिपोर्ट करने को कहा, हम सहमत नहीं थे: सीईओ

नई दिल्ली ।

शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बायजू रवींद्रन ने आरोप लगाया कि कंपनी की ऑडिट कंपनी बीडीओ ने रिपोर्ट को पिछली तारीख से प्रकाशित करने का सुझाव दिया था, जिसे कंपनी ने स्वीकार करने से मना कर दिया और उनका इस्तीफा दिखावटी है। ऑडिट फर्म के रूप में बीडीओ के इस्तीफे पर रवींद्रन ने बताया कि ऑडिटर दिवाला कार्यवाही के बारे में सबसे पहले जानते हैं, लेकिन उन्होंने इसके बारे में अदालत द्वारा नियुक्त दिवाला समाधान पेशेवर (आईआरपी) को सूचित नहीं किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमें कई बार पिछली तारीखों में रिपोर्ट करने के लिए कहा है। यह सब हाल ही में हुआ है। हम सहमत नहीं थे। हमारे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। एमएसकेए एंड एसोसिएट्स ने बीडीओ इंडिया से सम्बद्ध बायजू के ऑडिट का काम संभाला था। एमएसकेए ने फर्म के ऑडिटर के पद से इस्तीफा दे दिया है। रवींद्रन ने कहा कि ऑडिटरों ने पश्चिम एशिया स्थित साझेदार के साथ लेन-देन के फोरेंसिक ऑडिट के लिए कहा था, जिसे जून में मंजूरी दे दी गई थी, लेकिन ऑडिटरों ने इस पर कोई काम नहीं किया। रवींद्रन ने कहा कि यह बच निकलना है, निराधार है और उन्होंने ऐसा उस समय किया जब हम बोर्ड में नहीं थे। हम अभी भी बोर्ड में नहीं हैं।

उन्हें बोर्ड को सूचित करना चाहिए था। पिछले 45 दिनों में उन्होंने बोर्ड को कुछ भी नहीं बताया है। यह न केवल निराधार है, बल्कि उन्होंने जो कुछ भी किया है वह कानूनी रूप से भी अस्वीकार्य है। एमएसकेए एंड एसोसिएट्स और बीडीओ इंडिया को वेबसाइट के माध्यम से भेजे गए सवालों के जवाब इस खबर के लिखे जाने तक नहीं मिले थे।

कमाई के मामले में मार्क जकरबर्ग ने अंबानी और अडानी को भी पीछे छोड़ा

मार्क जकरबर्ग ने इस साल करीब 50 अरब डॉलर कमाए

नई दिल्ली ।

इस साल मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कमाई के मामले में दुनिया के सबसे अमीर लोगों को भी पीछे छोड़ दिया है। यही नहीं, इस साल मुकेश अंबानी और गौतम अडानी ने मिलाकर भी मार्क के बराबर कमाई नहीं की है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक मार्क ने इस साल करीब 50 अरब डॉलर (करीब 4.20 लाख करोड़ रुपये) की कमाई की है। वहीं इस साल सबसे ज्यादा कमाई के मामले में दूसरा नंबर एनविडिया कंपनी के प्रेसिडेंट जेसन हुआंग का है। जेसन ने इस साल 46.4 अरब डॉलर की कमाई की। मार्क दुनिया के चौथे सबसे अमीर इंसान हैं। इस साल मार्क ने जितनी कमाई की है, उतनी कमाई अंबानी और अडानी ने मिलकर भी नहीं की। अंबानी ने इस साल 14.2 अरब डॉलर की कमाई की। वहीं अडानी की इस साल की कमाई 15.3 अरब डॉलर रही। दोनों ने इस साल कुल 29.5 अरब डॉलर की कमाई की। यह मार्क की इस साल की कमाई से करीब 20 अरब डॉलर कम है। टेस्ला के मालिक एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर इंसान हैं। वहीं अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स हैं। इस साल एलन ने 7.73 अरब डॉलर और जेफ ने 17.9 अरब डॉलर की कमाई की। दोनों की कुल कमाई 25.63 अरब डॉलर रही। यह इस साल मार्क की कमाई (50 अरब डॉलर) से काफी कम है। पिछले 24 घंटे में दुनिया के अमीरों की संपत्ति में जबरदस्त गिरावट आई है। मुकेश अंबानी की संपत्ति में 2.14 अरब डॉलर और अडानी की संपत्ति में 1.57 अरब डॉलर की कमी आई है। यह कमी शेयर बाजार में गिरावट के कारण आई। शुक्रवार को शेयर बाजार में एक हजार से ज्यादा अंकों की गिरावट आई थी।

भारत सहित विश्व के केंद्रीय बैंकों ने बढ़ाई सोने की खरीदारी

नई दिल्ली ।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई महीने में ही केंद्रीय बैंकों ने 37 टन सोना खरीदा। पोलैंड, तुर्की, उज़्बेकिस्तान और चेक रिपब्लिक जैसे देशों ने इस खरीदारी में प्रमुख भूमिका निभाई है जबकि भारतीय रिज़र्व बैंक ने अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 18.67 टन सोना खरीदा। पोलैंड का सेंट्रल बैंक 18.68 टन सोना खरीद कर पहले स्थान पर रहा, जबकि भारतीय रिज़र्व बैंक ने इस दौरान 18.67 टन सोना खरीदा. तुर्की ने 14.63 टन, उज़्बेकिस्तान ने 7.46 टन और चेक रिपब्लिक ने 5.91 टन सोना खरीदा। इस साल की दूसरी तिमाही में केंद्रीय बैंकों ने कुल 183 टन सोना खरीदा, जो कि 2023 की इसी अवधि के 173.6 टन से अधिक है। कुछ देश ऐसे भी हैं जिन्होंने अपने सोने के भंडार को कम किया है। कज़ाख़स्तान ने 11.83 टन, सिंगापुर ने 7.7 टन और जर्मनी ने 780 किलोग्राम सोना बेचा है। इसके बावजूद साल 2023 में केंद्रीय बैंकों द्वारा 1,037 टन सोना खरीदा गया, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 1,082 टन था। सोना लंबे समय से देशों के एसेट रिज़र्व का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है और यह वर्तमान में भी जारी है. केंद्रीय बैंकों के लिए सोना एक स्थिर एसेट की तरह कार्य करता है, जो वित्तीय संकट के दौरान अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करने के साथ-साथ रिज़र्व को विविधता भी देता है। बाजार के जानकार कहते हैं` कि डॉलर की गिरावट और अमेरिकी ब्याज दरों में संभावित कटौती की वजह से केंद्रीय बैंक सोने की खरीदारी बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया` कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था कर्ज़ में चल रही है और डॉलर कमजोर हो सकता है। इसलिए केंद्रीय बैंक अपने पोर्टफ़ोलियो को विविधता देने के लिए सोने की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं इस साल सोने की कीमतों में नए रिकॉर्ड बनने की उम्मीद है।

अगले महीने लॉन्च होगी 2024 किआ कार्निवाल

नई दिल्ली ।

किआ इंडिया कंपनी अपनी नई कार्निवाल अगले महीने 3 अक्टूबर को लॉन्च करेगी। देश के कुछ चुनिंदा डीलरशिप पर इसकी बुकिंग शुरू हो गई है। कार खरीदने के लिए ग्राहक अपने नजदीकी डीलरशिप पर जाकर 1 लाख रुपये की टोकन राशि के साथ बुक कर सकते हैं। हालांकि, किआ ने अबतक कार्निवाल की आधिकारिक बुकिंग नहीं शुरू की है। 2024 किआ कार्निवाल में 12.3 इंच की टचस्क्रीन स्क्रीन, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, रियर इंफोटेनमेंट स्क्रीन, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एपल कारप्ले, वायरलेस चार्जर, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, 360-डिग्री कैमरा और हेड-अप डिस्प्ले जैसे फीचर्स मिल सकते हैं। अपकमिंग एमपीवी में 2.2-लीटर, 4-सिलेंडर टर्बो-डीजल इंजन दिया जा सकता है, जो 200 बीएचपी की पावर जेनरेट कर सकता है। कंपनी इसके साथ 1.6-लीटर पेट्रोल हाइब्रिड इंजन भी शामिल कर सकती है।

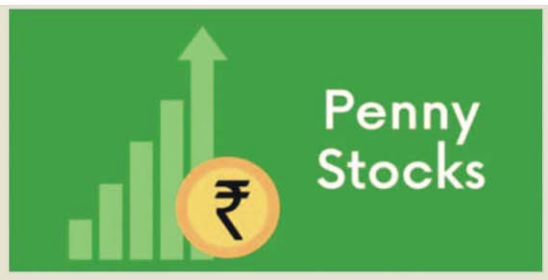

पिछले सप्ताह पांच पेन्नी स्टॉक्स ने 55 फीसदी तक रिटर्न दिया

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह उतार चढ़ाव वाला रहा है। शुक्रवार को सेंसेक्स 900 से ज्यादा अंकों की गिरावट के बाद बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। पूरे हफ्ते सेंसेक्स लगभग 1.43 प्रतिशत गिरावट के साथ बंद हुआ। हालांकि इस गिरावट भरे बाजार में कुछ ऐसे पेनी स्टॉक हैं, जिन्होंने कमाल किया है। 9 पेनी स्टॉक्स ने अपने निवेशकों को 10 प्रतिशत से लेकर 55 प्रतिशत का रिटर्न दिया है, जिसका करेंट शेयर प्राइस 20 रुपये से कम है और इनका मार्केट कैप 1000 करोड़ रुपये से कम है। डायमंड ज्यूलरी बनाने वाली एक कंपनी ने पिछले हफ्ते बेहद ही शानदार प्रदर्शन किया है, इसके शेयर प्राइस में 53 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया है और यह शुक्रवार यह 10.24 रुपये के भाव पर बंद हुआ। यह कंपनी नोज़ पिन, स्टड, सॉलिटेयर, घड़ियां, बेल्ट, कफ़लिंक, और शर्ट के बटन बनाती है।

बीमा कंपनी को 15 दिनों में जारी करनी होगी पॉलिसी

नई दिल्ली । इंश्योरेंस रैगुलेटर ईआरडीएआई ने बीमा पॉलिसी होल्डर्स के अधिकारों को लेकर एक मास्टर सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर में ई-इंश्योरेंस पॉलिसियों, हैल्थ लाइफ इंश्योरैंस पॉलिसियों दोनों के क्लेम सेटलमैंट की समयसीमा और कई हैल्थ बीमा पॉलिसियों वाले पॉलिसी होल्डर्स के अधिकारों को शामिल किया गया है। बीमा कंपनी को प्रपोजल फॉर्म स्वीकार करने के 15 दिनों के भीतर पॉलिसी जारी करनी होगी। नए नियमों के तहत इंश्योरैंस कंपनी को प्रपोजल फॉर्म के साथ इनीशिजल प्रीमियम जमा करने की अनुमति नहीं है। 30 दिन का फ्री लुक पीरियड एक साल या उससे अधिक की लाइफ इंश्योरैंस पॉलिसी के लिए, पॉलिसीहोल्डर के पास 30 दिनों की फ्री लुक पीरियड अवधि होगी। यदि पॉलिसीहोल्डर पॉलिसी की शर्तों या नियमों से असंतुष्ट है, तो उसके पास इन 30 दिनों के भीतर पॉलिसी को रद्द करने के लिए कंपनी को वापस करने का विकल्प है। कस्टमर इंफॉर्मेशन शीट एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसे कंपनी अनिवार्य रूप से अपने ग्राहकों को उनकी बीमा पॉलिसियों के साथ प्रदान करते हैं। यह पॉलिसी की मुख्य विशेषताओं और लाभों के सारांश के रूप में काम करता है। यह सुनिश्चित करता है कि पॉलिसीधारकों को उनके कवरेज के बारे में अच्छी जानकारी है।

शीर्ष आठ कंपनियों का मार्केट कैप दो लाख करोड़ घटा

- सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को हुआ

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के साथ देश की शीर्ष 10 कीमती कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह संयुक्त रूप से 2,01,699.77 करोड़ रुपये की गिरावट आई। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को हुआ। बाजार पूंजीकरण से आशय कंपनी के शेयर के कुल मूल्य से है। इसे कुल जारी शेयर को मौजूदा बाजार भाव पर गुना कर प्राप्त किया जाता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 60,824.68 करोड़ रुपये घटकर 19,82,282.42 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 34,136.66 करोड़ रुपये घटकर 16,12,762.51 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 29,495.84 करोड़ रुपये घटकर 6,98,440.13 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 28,379.54 करोड़ रुपये घटकर 8,76,207.58 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 17,061.44 करोड़ रुपये घटकर 7,89,819.06 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 16,381.74 करोड़ रुपये घटकर 6,57,009.14 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 15,169.76 करोड़ रुपये घटकर 8,51,204.65 करोड़ रुपये और आईटीसी का एमकैप 250.11 करोड़ रुपये घटकर 6,27,337.65 करोड़ रुपये रहा।। हालांकि हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 14,179.78 करोड़ रुपये बढ़कर 6,66,919.73 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,735.35 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,941.78 करोड़ रुपये रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और आईटीसी का स्थान रहा।

कौशल विकास मंत्रालय ने स्विगी के साथ किया समझौता

नई दिल्ली । कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) और ऑनलाइन मंच स्विगी के साथ समझौता करने की घोषणा की। इस समझौते के तहत स्विगी के खाद्य वितरण और त्वरित वाणिज्य नेटवर्क के तहत कौशल और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए एक पहल शुरू की जाएगी। इस समझौते से स्विगी से जुड़े 2.4 लाख डिलीवरी साझेदार और रेस्तरां साझेदार के कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। इस पहल से रेस्तरां संचालन और खुदरा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से जुड़े लोगों को रोजगार, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे। स्विगी स्किल्स पहल के तहत इसके डिलीवरी पार्टनर मंच को स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) के साथ एकीकृत किया जाएगा, जिससे स्विगी के कर्मचारियों को ऑनलाइन कौशल विकास पाठ्यक्रम, प्रमाणन और प्रशिक्षण मॉड्यूल तक पहुंच प्रदान की जाएगी।

अमेरिका के सामने बैकफुट पर आई चीन सरकार

- अमेरिका से ट्रेड वॉर कर बुरा फंसा चाइना, बाजार पिटे तो समझौते के लिए गिड़गिड़ाया

नई दिल्ली । पिछले काफी सालों से चीन और अमेरिका के बीच ट्रेड वॉर को सभी ने देखा है। अमेरिका ने अपने कारोबार दर सुरक्षित रखने के लिए पहले चीन पर एक के बाद एक प्रतिबंध लगाए जवाब में ड्रैगन की तरफ से भी यूएस के बाजारों को बंद करने की कार्रवाई की गई। खुद को दुनिया की फैक्ट्री कहलाने वाले चीन के बाजार को इन प्रतिबंधों के चलते नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में अब शी जिनपिंग की सरकार अमेरिका के सामने इस समय बैकफुट पर दिखाई दे रही है। जिनपिंग के मंत्री अमेरिकी समकक्ष से मुलाकात के समय यह तक कह गए कि आपको हमारे बड़े बाजारों से डरने की जरूरत नहीं है। ये आपके लिए एक मौके की तरह हैं। खबर के अनुसार चीन के कॉमर्स मंत्रालय के उप मंत्री वांग शॉवेन ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अमेरिकी समकक्ष मारिसा लागो से चीन के तियानजिन शहर में मुलाकात की। यह बातचीन इस साल दोनों अधिकारियों के बीच दूसरी वार्ता है। चीनी नेता ने इस दौरान कहा हम आपके लिए एक अवसर है, खतरा नहीं। इससे पहले चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा था कि अमेरिका को चीनी सामान पर सभी टैरिफ हटा लेने चाहिए जो बाइडेन के प्रशासन ने चीन मे बने इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैक्स जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया था। चीनी मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों द्वारा उठाए गए नीति और व्यावसायिक मुद्दों पर पेशेवर, तर्कसंगत और व्यावहारिक बातचीत हुई। इसमें कहा गया कि चीन ने उनके देश के सामान पर अमेरिकी टैक्स सहित अन्य मुद्दों पर चिंता व्यक्त की। साथ ही कहा कि चीन अत्यधिक क्षमता के बहाने व्यापार और निवेश प्रतिबंधों का विरोध करता है।

तेल-तिलहन के भाव सुधरे जबकि सोयाबीन तिलहन में रही गिरावट

नई दिल्ली ।

कच्ची घानी के बड़े खाने के तेल मिलों की मांग बढ़ने तथा बरसात के कारण मंडियों में कम आवक से देश के तेल-तिलहन बाजारों में शनिवार को सरसों तेल-तिलहन की अगुवाई में मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में सुधार दर्ज हुआ जबकि सोयाबीन तिलहन के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। बाजार सूत्रों ने बताया कि बरसात के कारण सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला आदि के फसल आने में अभी देर होगी जिसकी वजह से बाजार में कम आपूर्ति (शॉर्ट सप्लाई) की स्थिति बनी हुई है। तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहेः सरसों तिलहन 6,310-6,350 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,700-6,975 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,850 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,385-2,685 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 12,525 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 2,010-2,110 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 2,010-2,125 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,625 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 0,225 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,850 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 9,425 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 10,450 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 10,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला- 9,850 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,740-4,770 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,540-4,675 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,200 रुपये प्रति क्विंटल।

मेटल पॉवर एनालिटिकल ने लॉन्च किया 'मेटाविजन-8आई'

जमशेदपुर : एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंट्स के प्रमुख निमार्ता, एमपीए ने अपना नया प्रोडक्ट- मेटाविजन-8आई लॉन्च किया है। इस इनोवेटिव ऑप्टिकल एमिशन स्पेक्ट्रोमीटर ओईएस को किफायती मूल्य पर श्रेष्ठ प्रदर्शन वाला मौलिक विश्लेषण प्रदान करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। कंपनी की मेटल इंडस्ट्री की में गुणवत्ता और मूल्य में सुधार करने में मदद मिल सकेगी। उच्च गुणवत्ता वाले ऑप्टिकल एमिशन स्पेक्ट्रोमीटर (ओईएस) सिस्टम बहुत महँगे होते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है कि घरेलू और निर्यात दोनों स्तरों पर उच्च-प्रदर्शन वाले मौलिक विश्लेषण और उच्च-मूल्य वाले बाजारों तक उनकी पहुँच काफी सीमित रह जाती है। इसके समाधान के रूप में, नया मेटाविजन-8आई न सिर्फ एमएसएमई, बल्कि व्यवसायों को भी अपनी पहुँच बढ़ाने में मदद करेगा। मुकुंद पंत, मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा, शुरूआत से ही, मेटलपावर का उद्देश्य शुरू से ही ऐसे नवाचारों को अपनाने और हर स्तर के व्यवसायों को लाभ पहुंचाने का रहा है। हमारा लक्ष्य ऐसे समाधान विकसित करना है, जो न सिर्फ नए, बल्कि किफायती भी हों। हाल ही में लॉन्च किया गया हमारा नया प्रोडक्ट 99.98% तक शुद्ध धातुओं का विश्लेषण कर सकता है। जहां उन्नत सुविधाओं और अविश्वसनीय मूल्य के साथ इंडस्ट्री में एक नया मानक स्थापित करेगा।

हरियाणा विधान सभा चुनावी दंगल में राजनीतिक दलो की नई मुसीबतें

विनोद कुमार सिंह

आज आप का ध्यान हरियाणा के राज्य विधानसभा चुनावी दंगल से सम्बधित दाव पेंच पर करने वाले है।जैसा कि आप सभी को मालुम है कि दो राज्यों अर्थात जम्मु कश्मीर व हरियाणा में विधान सभा के होने वाली है जम्मु- कश्मीर में धारा370के हटने के बाद10 वर्षो के बाद चुनाव हो रही है।वही हरियाणा में 5 वर्ष बाद जहाँ कुछ महीनों राज्य के मुख्य मनोहर लाल कट्टर को हटाकर सैनी को सता की कमान सौंपी गई थी। जैसा कि हमने आपसे वादा किया था आज हम हरियाणा के विधान सभा चुनाव पर चर्चा करेंगे।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के बीच बातचीत का लम्बे दौर के बाद दोनो दोनो में सहमति हो गई आप अपने 5 सीटों पर चुनाव लडेगीं । काँग्रेस पार्टी व आम आदमी पार्टी का इण्डिया ब्लाग के तर्ज पर गठबन्धन करने बैठको का दौर के बाद दोनो दलों में एक तरफ सहमति बन गई है।वही दुसरी तरफ हरियाणा में विधानसभा चुनाव के पास आते ही राजनीतिक पारा तेजी से ऊपर चढ़ने लगा है।

विनोद कुमार सिंह,स्वतंत्र पत्रकार देश की राजधानी दिल्ली से सटे हुए पड़ोसी राज्य हरियाणा की चर्चा चहुँ दिशाओं में हो रही है। हॉलाकि हरियाणा व हरियाणवी लोक संस्कृति,चौपाल व अखाड़े व किसानों पहलवानों ' खिलाड़ियो को लेकर होती रहती है।चाहे वह किसान आन्दोलन हो कुश्ती व अन्य खेलो पदकों के जीत का जशन हो आदि। आज आप का ध्यान हरियाणा के राज्य विधानसभा चुनावी दंगल से सम्बधित दाव पेंच पर करने वाले है।जैसा कि आप सभी को मालुम है कि दो राज्यों अर्थात जम्मु कश्मीर व हरियाणा में विधान सभा के होने वाली है जम्मु- कश्मीर में धारा370के हटने के बाद10 वर्षो के बाद चुनाव हो रही है।वही हरियाणा में 5 वर्ष बाद जहाँ कुछ महीनों राज्य के मुख्य मनोहर लाल कट्टर को हटाकर सैनी को सता की कमान सौंपी गई थी।जैसा कि हमने आपसे वादा किया था आज हम हरियाणा के विधान सभा चुनाव पर चर्चा करेंगे।आप को बता दे कि * हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के बीच बातचीत का लम्बे दौर के बाद दोनो दोनो में सहमति हो गई आप अपने 5 सीटों पर चुनाव लडेगीं । *काँग्रेस पार्टी व आम आदमी पार्टी का इण्डिया ब्लाग के तर्ज पर गठबन्धन करने बैठको का दौर के बाद दोनो दलों में एक तरफ सहमति बन गई है।वही दुसरी तरफ हरियाणा में विधानसभा चुनाव के पास आते ही राजनीतिक पारा तेजी से ऊपर चढ़ने लगा है।*दुसरी तरफ हरियाणा में विधानसभा चुनाव के पास आते ही राजनीतिक पारा तेजी से ऊपर चढ़ने लगा है। तमाम राजनीतिक पार्टियाँ अपने अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने के साथ ही अब चुनाव प्रचार पर अपना ध्यान कर रही है। राज्य के दोनो राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)और कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची तक जारी कर दी है।बीजेपी ने अपनी पहली सूची में जहाँ हरियाणा की 90 में से 67सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है तो वहीं कांग्रेस ने अपनी पहली लिस्ट में कुल32उम्मीद वारों के नामों का ऐलान किया है।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच बातचीत लम्बे दौर बाद दोनो पार्टी में रहमति बन गई है।गौरतलब रहे कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस आम आदमी पार्टी(आप) के साथ भी सीट बंटवारे पर दोनों पार्टियों के बीच सीट-बंटवारे पर सहमति बन गई है।हरियाणा राजनीति पर पैनी नजर रखने वालें राजनीतिक पंडितों का मानना है कि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ गठबंधन पर आपत्ति जताई है।जानकारी के मुताबिक हुड्डा गुट और कुछ अन्य नेता आप के साथ सीट बंटवारे के

खिलाफ हैं।इन नेताओं का मानना है कि केजरीवाल की पार्टी का हरियाणा में कोई खास आधार नहीं है।वहीं, कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को 32उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की।इसमें राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को गढ़ी सांपला-किलोई,पहलवान विनेश फोगाट को जुलाना और राज्य इकाई के प्रमुख उदयभान को होडल सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति(सीईसी)की नयी दिल्ली में हुई बैठक के बाद उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की गई। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे,पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी महासचिव एवं संगठन प्रभारी के.सी.वेणुगोपाल,अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी)के हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया और हुड्डा समेत अन्य लोग शामिल हुए। एक तरफ काँग्रेस पार्टी व आम आदमी पार्टी का इण्डिया ब्लाग के तर्ज पर गठबन्धन करने बैठको का दौर जारी है वही दुसरी तरफ हरियाणा में विधानसभा चुनाव के पास आते ही राजनीतिक पारा तेजी से ऊपर चढ़ने लगा है। तमाम राजनीतिक पार्टियाँ अपने अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने के साथ ही अब चुनाव प्रचार पर अपना ध्यान कर रही है।राज्य के दोनो राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)और कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची तक जारी कर दी है।बीजेपी ने अपनी पहली सूची में जहां हरियाणा की 90 में से 67 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है तो वहीं कांग्रेस ने अपनी पहली लिस्ट में कुल 32 उम्मीद वारों के नामों का ऐलान किया है।वही हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत दौर चल रही है,लेकिन इन सबके बीच बीजेपी और कांग्रेस के लिएअपने ही नेता मुसीबत खड़ी करते नजर आ रहे हैं।ये वो नेता है जिन्हें पार्टी ने उनकी सीट से इस बार टिकट नहीं दिया है।अब ये नेता अपनी पार्टी के खिलाफ ही विद्रोह की विगुल बजाते हुए नजर आ रहे हैं।राज्य विधानसभा चुनाव के दिन जैसे-जैसे नजदीक आ रहे है राजनीतिक दलों के लिए मुसीबत बढ़ती नजर आ रही है।राज्यों के विधान सभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दलों में अपने दलों की उम्मीदवारों के लिस्ट जारी करने के लिए माथा पच्ची व मैराथन बैठकों के दौर के बाद कुछ उम्मींदवारों की सुची जारी हो के बाद कई राजनेताओं नें अपना विरोध जताया है।कुछ न तो पार्टी के आला कमान के फैसले के विरोध अपनी पार्टी से इस्तीफा दे कर विरोधी दलों के खेमें में शामिल तक हो गया।ऐसा दृश्य पहले भाजपा के बाद अब कांग्रेस के नेताओं ने पार्टी के खिलाफ ही चुनाव लड़ने का किया ऐलान तक कर दिया है।पार्टी के द्वारा सुची के सामने आने के बाद काँगेस पार्टी के अंदर कई नेता आलाकमान से नाराज चल रहे हैं।इस सुची में सबसे पहला नाम बहादुरगढ़ के राजेश जून का है।उन्होंने विधान सभा निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दिया है।कांग्रेस की पहली सूची जारी होने के बाद पार्टी के बड़े नेता राजेश जून ने अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है।उन्होंने ऐलान किया है कि पार्टी ने उन्हें भले उम्मीदवार नहीं बनाया है लेकिन वो बहादुरगढ़ से बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।राजेश जून ने चुनाव लड़ने का ऐलान करने के बाद अपने समर्थकों के साथ एक बैठक भी की है।उन्होंने कहा मेरे साथ कांग्रेस नेतृत्व ने धोखा किया है,लेकिन मैं हार नहीं मानने वाला हूं मैं इस चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार की तुलना दोगुने वोट लेकर विधायक चुना जाऊँगा । पार्टी के वरिष्ठ नेताओं मुझसे वादा किया था कि वें मुझे टिकट देंगे,लेकिन ऐसा हुआ नहीं.

आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी)ने भी अपने67उम्मीद वारों की पहली सूची जारी की थी।पहली लिस्ट को आए अभी 24 घंटे भी नहीं हुए थे कि बीजेपी में इसे लेकर विरोध के स्वर बुलंद होने लगे थे।बीजेपी के खिलाफ बगावत करने वालों में खास तौर पर तीन बड़े नेता शामिल थे।इन नेताओं ने पार्टी के पदों से इस्तीफा भी दे दिया था. इस लिस्ट में पहले नंबर पर थे कर्णदेव कांबोज आप को बता दे कि कंबोज वर्तमान में हरियाणा में भाजपा के ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष थे।उन्होंने इंद्री से टिकट ना मिलने के बाद भाजपा के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था।पार्टी पद से इस्तीफा देने वालों में रणजीत सिंह चौटाला और कविता जैन जैसे नेताओं नाम भी शामिल है।हरियाणा के कैबिनेट मंत्री चौधरी रणजीत सिंह चौटाला का भी नाम लिस्ट से गायब था।बीजेपी की पहली लिस्ट से अपना नाम गायब देखने के बाद रणजीत सिंह चौटाला ने अपने समर्थकों की एक बैठक बुलाई थी।वही काँग्रेस पार्टी के लिए एक बुरी खबर आ रही है कि हरियाणा विधान सभा चुनावी दंगल में पार्टी ने दो अन्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पहलवान विनेश व बजंरग को उत्तरा था।दोनो पहवानों ने आनन फानन में काग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर लिया।बजरंग पहलवान को पार्टी में नई जिम्मेदारी सौपी वही विनेश को विधान सभा चुनावी मैदान दंगल में टिकट दे कर उतार दिया।राजनीतिक शतरंज के सह मात में चाल में दोनो पहलवान फॅसते नजर आ रहे है।सर्वविदित रहे कि दोनो पहलवान रेलवे में अपनी सेवा दे रहे है।यानि न रेलवे में दोनो नौकरी करते है।बजरंग की राजनीतिक गतिविधियों को देखते हुए रेलवे ने 4 सितंबर को उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था।इसके बाद 6 सितंबर को दोनों पहल वानों ने रेलवे में अपने पद से इस्तीफा दे दिया और उसके बाद कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली।विनेश उत्तर रेलवे में खेल विभाग में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (ओएसडी)के पद पर कार्यरत थी।उन्होंने रेलवे को तत्काल प्रभाव वाला इस्तीफा दिया।बजरंग रेलवे के खेल विभाग में डरऊ पद पर थे। विनेश के बाद उन्होंने भी रेलवे को तत्काल प्रभाव वाला इस्तीफा भेजा था।दोनों के इस्तीफों को रेलवे ने अभी तक स्वीकार नहीं किया है।रेलवे के अनुसार कोई कर्मचारी नौकरी में रहते हुए इस्तीफा देता है तो उसे 3 महीने का नोटिस देना पड़ता है।इसके अनुसार 3 महीने तक नोटिस में कभी कर्मचारी का मन फिर से नौकरी में आने का होता है तो वह अपना इस्तीफा वापस भी ले सकता है।अगर कोई कर्मचारी तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता है तो उसमें वापसी की गुंजाइश खत्म हो जाती है।राजनीतिक हल्कों में चर्चा बनी हुई है कि विना इस्तीफा स्वीकार हुए विनेश चुनाव लड़ पाएंगी? .चुनाव आयोग के अनुसार सरकारी पद पर आसीन किसी भी व्यक्ति को चुनाव लड़ने के लिए पहले अपने पद से इस्तीफा देना होता है। संबंधित विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र(एनओसी)लेनी होती है। इसके बिना रिटर्निंग अधिकारी किसी भी उम्मीदवार का आवेदन तक स्वीकार नहीं करते हैं। कुछ लोगों के दिलचस्प चर्चा छीड़ सी गई थी अब होगा कि विनेश चुनाव लड़ पाएंगी या नहीं। मै आप को स्पष्ट कर दूँ कि सुत्रो का हवाले खबर आ रही है कि दोनों पहलवानों का इस्तीफा रेलवें ने मंजूर कर लिया है।दोनो राज्यो के विधान सभा के चुनाव भाजपा व काँग्रेस के लिए चुनाव में जीत हासिल एक प्रतिष्ठा बन गया है। दोनो पार्टी अपने अपने सहयोगीयों के साथ मिलकर चुनावी शतरंज सियासी चाल में सह-मात का खेल शुरू कर दिया है।लैकिन इसका असली चाल जनता जनार्दन के पास है,क्योकि उन्हे ही अपना प्रतिनिधि चुनना है। चुनावी दंगल में किसकी जीत होगी,किसकी हार होगी यह तो 8 अक्तुबर को मतगना के बाद ही पता चलेगा।तब तक आप को इंतजार करना होगा। *लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार है।*

संपादकीय

स्थायी शांति पहली शर्त

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपना एजेंड़ा तय कर लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह के बयान में इसकी झलक दिखती है। शनिवार को जम्मू में एक सभा में उन्होंने साफ शब्दों कहा कि, जब तक शांति स्थायी नहीं हो जाती, तब तक पाकिस्तान से बातचीत नहीं हो सकती। यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के बाद उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं, और शनिवार को भाजपा के प्रचार अभियान की शुरूआत करते हुए शाह ने उन तमाम मुद्दों को छुआ जिन्हें प्रमुख विपक्षी पार्टियों-नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीड़ीपी-ने अपने चुनाव घोषणापत्र में शामिल किया है। गृह मंत्री ने कहा कि यह जम्मू-कश्मीर में पहला चुनाव है जब एक ही झंड़ा, एक ही संविधान और एक ही प्रधानमंत्री होगा। एनसी ने अपने घोषणापत्र में पाकिस्तान से बातचीत की वकालत की है। पीड़ीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती भी ऐसा कह चुकी हैं। गुज्जर-बकरवाल के लिए आरक्षण व्यवस्था पर भी विपक्षी दलों ने सवाल उठाए हैं। गुज्जर-बकरवाल समुदाय को अंदेशा है कि पहाड़ियों को आरक्षण दिए जाने से उनकी हकमारी हो सकती है। एसटी आरक्षण में उनका हिस्सा कम हो सकता है। इस कारण उनमें आक्रोश है, जिसे विपक्षी दल हवा देते रहे हैं। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि कोईभी ताकत इस आरक्षण को छू नहीं सकती। राज्य की दर्जा बहाली पर उन्होंने कहा कि किसी को कोई भ्रम न रहे और न ही कोई अनभिज्ञ बना रहे। पांच अगस्त, 2019 के अपने भाषण में ही उन्होंने स्पष्ट कहा था कि चुनाव के बाद उचित समय पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। राज्य में जल्द से जल्द चुनाव के लिएसुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा था कि राज्य में निर्वाचित सरकार होना जरूरी है। उसके बाद से जम्मू-कश्मीर में जनता को लोकप्रिय सरकार की प्रतीक्षा है। अब उनकी मुराद पूरी होने जा रही है। शाह जानते हैं कि विपक्षी पार्टी कांग्रेस, नेका और पीड़ीपी राज्य की दर्जा बहाली को मुद्दा बना रहे हैं। पाकिस्तान से बातचीत की पैरोकारी करने वाले नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीड़ीपर पर भी शाह हमलावर रहे। राज्य में चुनाव अभियान जोर पकड़ चुका है और आने वाले दिनों में यह और प्रभावी तरीके से दिखेगा। स्वाभाविक रूप से स्वायत्तता, अनुच्छेद 370 की वापसी, पाकिस्तान से बातचीत जैसे मुद्दों पर राज्य के मतदाता अपना फैसला देने वाले हैं।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवसः आत्महत्या नहीं है किसी भी समस्या का हल

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2024 की थीम है 'आत्महत्या पर कहानी बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्याएं की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं। जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता। मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है।

जल संकटः पहाड़.से मैदान तक दुश्वारियां

सुरेश भाई

अगस्त के अंतिम सप्ताह में उत्तर प्रदेश में अमेठी जल बिरादरी के जल साक्षरता अभियान में आसल देव इंटर कॉलेज की एक छात्रा ने कहा कि पानी की निरंतर कमी से महसूस होता है कि भविष्य में उनकी जैसी उम्र वाली बेटियों की शादी के पाणिग्रहण संस्कार से पहले ही कुओं का पानी सूखने वाला है। दूसरी ओर, हिमालय क्षेत्र की तरफ देखें तो यहां बरसात के समय भीषण बाढ़ से जनधन की अपार हानि हो रही है जिससे स्पष्ट है कि वर्षा जल के प्रबंधन के तरीकों पर काम करने का अभाव दिखाई देता है। शीतकाल में बर्फ भी कम पड़ने से ग्लेशियर बहुत जल्दी पिघल जाते हैं। ताजा स्थिति बताती है कि हर साल हिमालय में 20-30 मी. तक ग्लेशियर पीछे हट रहे हैं।

अभी तक हिमालय की संवेदनशीलता के अनुसार यह निश्चित नहीं किया जा सका है कि जल, जंगल, जमीन के संरक्षण और विकास के पहलुओं पर जिन आवश्यक बिंदुओं पर विचार करना चाहिए था, उसके स्थान पर बहुत जल्दी में पर्यटकों को सुविधा देने के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों की बबार्दी हो रही है। वनों के बीच से आने वाली हजारों जलधाराएं बरसात के समय नदियों के पानी में उफान पैदा करती हैं लेकिन शेष मौसमों में 70 प्रतिशत जलधाराएं सूख जाती हैं जिसके कारण शैवाल, शंकुधारी देवदार, राई, कैल, मुरेंडा, रेशेदार प्रजातियां, बुग्याल, औषधीय गुण वाले पादपों की संख्या निरंतर घट रही है। हिमालय क्षेत्र की ये प्रजातियां जल संरक्षण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हिमालय जैसी ऊंची पर्वत श्रृंखला में जब ऐसे परिवर्तन दिखाई दे रहे हों तो उनका प्रभाव निचले क्षेत्र में दूर-दूर तक फैले मैदानी भू-भाग पर पड़ना लाजिम है जहां पर भूमिगत जल की निरंतर कमी हो रही है। कई स्थानों पर भूमिगत जल 40 से 60 फीट नीचे चला गया है। वेटलैंड़ तेजी से घट रहे हैं, जिनके आसपास के जंगल विकास के नाम पर काटे जा रहे हैं। भूमिगत पानी निकालने की नई-नई तकनीकी आ रही हैं, जो गहराई तक पहुंच कर शेष बचे जल का दोहन करके सूखे की जैसी स्थिति पैदा कर रही है। जल को बोतलों में भर कर बेचने वाले व्यापारी भी धरती के पेट में व्यापक प्रदूषण पैदा कर रहे हैं। पहाड़ से मैदान तक घट रही जल राशि से नदियों की हालत नाले के रूप में दिखाई दे रही है।

जल बिरादरी के भूगोलविद डॉ. अर्जुन पांडे कहते हैं कि अमेठी में कोका-कोला प्लांट डार्क जोन में लगाया गया है जो पानी की सर्वाधिक कमी वाला क्षेत्र है जहां लोगों को पेयजल की आपूर्ति भूमिगत पानी से ही होती है लेकिन अब वहां के कुएं और तालाबों का पानी सूखने लगा है। नदियां शोषण, प्रदूषण, अतिक्रमण की मार झेल रही है। हिमालय की छोटी भौगोलिक संरचना को नजरअंदाज कर सुरंग आधारित और बड़े-बड़े निर्माण कार्य को विकास के रूप में प्रमुखता दी जा रही है। जिस हिमालय क्षेत्र को हम जल का भंडार कहते हैं, वहां से आ रही गंगा-जमुना और सहायक नदियों का मैदानी क्षेत्र की प्यास बुझाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका है। यदि हम संयम और संतुलित विकास को स्वीकृति न दे सके तो समझ लीजिए कि 2100 से पहले ही पहाड़ से मैदान तक पानी ढूंढना पड़ सकता है। मैदान के जैसे पहाड़ों पर बसे सैकड़ों गांव में भी टैंकरों से पानी की आपूर्ति हो रही है जबकि बगल में कोई न कोई गंगा बह रही होती है। ये विपरीत परिस्थितियां क्यों पैदा हुई हैं?

हिमालय के तीर्थ स्थलों को पर्यटन क्षेत्र के रूप में महत्त्व मिलने के बाद पानी, मिट्टी, जंगल बचाना भी मुश्किल हो रहा है। इसका कारण है कि यहां मैदानों के जैसे स्थान नहीं हैं जहां एक साथ हजारों पर्यटक ठहर सकें। इसके बावजूद बड़ी संख्या में पर्यटकों के ठहरने के लिए बन रही बहुमंजिली इमारतें, चौड़ी सड़कें, वनों का अंधाधुंध कटान, वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही, नदियों को बांधने, हैली सेवाओं का उपयोग हिमालय की बर्फ को भी पिघला रहा है। बाढ़, भूस्खलन और भूगर्भिक हलचल यहां तेजी से बढ़ रही है। मैदानी क्षेत्रों में जहां से गंगा में छोटी-छोटी जलधाराएं आ रही हैं वहां जल स्त्रोतों के आसपास भी पर्यटन संस्कृति जन्म ले चुकी है। जल

साक्षरता अभियान और पानी बाबा के नाम से विख्यात अरुण तिवारी कहते हैं कि मैदानी क्षेत्रों में सूखते जल स्त्रोतों के आसपास मानवीय हलचल अधिक बढ़ेगी, चारों ओर बड़े निर्माण कार्य होंगे तो जल संरचनाएं सूख जाएंगी। पर्यटकों की आवाजाही से चारों तरफ प्लास्टिक कल्चर भी बढ़ेगा। इससे बचने का एक ही उपाय है कि जहां से जल स्त्रोत निकल रहे हैं, उन स्थानों को अधिक मानवीय हलचलों से बचाया जाए। इसको ध्यान में रखते हुए हिमालय से मैदान तक 'कल के लिए जल' साक्षरता को महसूस किया गया है जिसके लिए जल बिरादरी ने अमेठी, रायबरेली, बाराबंकी, लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव की यात्रा की है। 'हिमालय बचेगा, गंगा बहेगी' के विचार को जन-जन के बीच पहुंचाने के लिए जल साक्षरता इकाइयों का गठन भी किया गया है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार। मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

पिता के नक्शेकदम पर चलीं नवाजुद्दीन की बेटी, लंदन में कर रही हैं शेक्सपियर वर्कशॉप

बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेताओं में गिने जाने वाले नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। नवाज की बेटी भी पिता के नक्शेकदम पर चल रही हैं और अभिनय का प्रशिक्षण ले रही हैं। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया कि वह अपनी बेटी पर अभिनय की ट्रेनिंग के दौरान अच्छी रुचि विकसित करने के लिए पहले से ही दबाव डाल रहे हैं। हाल ही में नवाजुद्दीन ने लोगों के जीवन में कला के महत्व पर चर्चा की और बताया कि यह कैसे इसे अर्जित किया जाता है। उन्होंने लंदन में अपने अभिनय स्कूल में शेक्सपियर वर्कशॉप में भाग लेने के लिए अपनी बेटी की सराहना की है। नवाजुद्दीन ने कहा, कला कोई नियमित चीज नहीं है, आपको इसके लिए एक टेस्ट के रूप में विकसित करना होगा। मैं अपने बच्चों को कला की सराहना करने और इसके बारे में जानने के लिए प्रेरित करता रहा हूं। मेरी बेटी 14 साल की है और वह पहले से ही लंदन में शेक्सपियर वर्कशॉप कर रही है। बहुत कम उम्र से ही, मैं उन पर यह तय करने के लिए दबाव डालता था कि वे क्या देखना चाहते हैं। नहीं तो वे खो जाते क्योंकि हर जगह बहुत सारे कंटेंट होते हैं। नवाजुद्दीन ने पहले साझा किया था कि उनकी बेटी का रुझान अभिनय की ओर है। वह उनकी परफॉर्मेंस के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं। इसके बाद अभिनेता ने पढ़ने के महत्व पर चर्चा की और बताया कि कैसे ऑनलाइन डूम स्क्रॉल करने से दिमाग खराब हो रहा है। जब अभिनेता से पूछा गया कि वह अपने बच्चों को साहित्य और कविता पढ़ने के लिए कैसे तैयार करते हैं। इस पर अभिनेता ने कहा, मंटो, प्रेमचंद, भरत मुनि का नाट्यशास्त्र पढ़ें। हमारे देश में महान लेखक हैं। अभिनेता ने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों के पालन-पोषण के तरीके में बदलाव की जरूरत है।

इन कलाकारों ने बनाई फिल्मों से दूरी, विजय दलपति भी लेने वाले हैं अभिनय से संन्यास

हाल में ही साउथ के बड़े सुपरस्टार और गोट फिल्म अभिनेता विजय दलपति ने भी घोषणा की है कि वह फिल्मी दुनिया को अलविदा कहने वाले हैं। आज इस क्रम में हम बात करेंगे, उन कलाकारों की, जो फिल्मी दुनिया से लगभग गायब हो चुके हैं। भारत में हर साल हजार से भी ज्यादा फिल्में बनती हैं। देश के अलग-अलग कोने में हर शुक्रवार फिल्मों की किस्मत तय होती है। कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल करती हैं, तो कुछ इतिहास से ऐसे गायब हो जाती हैं,जैसे गधे के सर से सींग। इस क्रम में कुछ ऐसे कलाकार भी शामिल हैं, जो फिल्मों की दुनिया में एक वक्त काफी सक्रिय होने के बावजूद फिल्मी दुनिया से गायब हो जाते हैं। इस दौरान कुछ कलाकार अपनी मर्जी से फिल्मी दुनिया से दूरी बना लेते हैं, तो कुछ फिल्मों की असफलता की वजह से गुमनामी में खो जाते हैं। हाल में ही साउथ के बड़े सुपरस्टार और गोट फिल्म अभिनेता विजय दलपति ने भी घोषणा की है कि वह फिल्मी दुनिया को अलविदा कहने वाले हैं। आज इस क्रम में हम बात करेंगे, उन कलाकारों की, जो फिल्मी दुनिया से लगभग गायब हो चुके हैं।

ट्विंकल खन्ना

ट्विंकल खन्ना अपने बयानों से लगातार चर्चा में बनी रहती हैं। मशहूर अभिनेता अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा मशहूर हैं। ट्विंकल ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1995 में रिलीज हुई फिल्म बरसात से की थी। इस फिल्म में वह मशहूर अभिनेता बॉबी देओल के साथ नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने बादशाह, जान, जुल्मी, जोरू का गुलाम आदि कई फिल्मों में नजर आईं। हालांकि, फिल्मों में अपेक्षाकृत सफलता न मिलने पर उन्होंने फिल्मों से संन्यास ले लिया और इंटीरियर डिजाइनिंग में काफी नाम कमाया। वह एक मशहूर इंटीरियर डिजाइनर हैं।

आयशा टाकिया

आयशा टाकिया एक समय पर काफी चर्चित अभिनेत्री रही हैं। उन्होंने बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के साथ फिल्म वांटेड में भी काम किया है। उन्होंने सलाम ए इश्क, संडे, डोर, टारजन द वंडर कार आदि कई फिल्मों में काम किया है। हालांकि, इन दिनों अभिनेत्री फिल्मी पर्दे से काफी दूर हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं, लेकिन लंबे वक्त से वह फिल्मी पर्दे पर नजर नहीं आई हैं। उन्होंने शादी के बाद फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली थी।

साहिल खान

साहिल खान इस वक्त सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा मशहूर हैं। वह एक फिटनेस आइकन हैं, जिन्हें लोग काफी पंसद करते हैं। इंस्टाग्राम पर लाखो फैंस उन्हें फॉलो करते हैं। साहिल अक्सर अपनी आलीशान जिंदगी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा भी करते हैं। साहिल लंबे समय से फिल्मी पर्दे से दूर हैं, लेकिन एक वक्त वह कई फिल्मों में नजर आए थे। उन्होंने साल 2001 में रिलीज हुई फिल्म स्टाइल और साल 2003 की एक्सक्यूज मी आदि कुछ फिल्मों में काम किया है।

रजत बेदी

रजत बेदी एक समय पर काफी व्यस्त कलाकार थे। उन्होंने चालीस से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया है। उन्हें साल 2003 में रिलीज हुई फिल्म कोई मिल गया के राज सक्सेना के रूप में काफी पहचान मिली थी। रजत ने इंटरनेशनल खिलाड़ी, इंडियन, ये दिल आशिकाना आदि कई फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेरा है। हालांकि, वह काफी लंबे समय से फिल्मी पर्दे से दूर हैं। इन दिनों वह बतौर बिजनेस मैन काफी सक्रिय हैं और मुंबई में अपना व्यापार चलाते हैं।

करियर की शुरूआत में परिणीति चोपड़ा से इनसिक्योर थीं आलिया भट्ट

आलिया भट्ट जल्द ही जिगरा फिल्म में नजर आने वाली हैं, इसका निर्देशन वसन बाला ने किया है फिल्म के पोस्टर जारी हो चुके हैं, जिसे देखकर आलिया के प्रशंसक फिल्म देखने के लिए काफी उत्सुक हो उठे हैं आलिया भट्ट ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर फिल्म से अपना डेब्यू किया थी। फिल्म के रिलीज होने के बाद आलिया, करण जौहर के मशहूर चैट शो कॉफी विद करण में पहुंची थीं, जहां उन्होंने बताया था कि वो किस अभिनेत्री से इनसिक्योर महसूस करती हैं। आलिया ने कहा था कि वो परिणीति चोपड़ा से इनसिक्योर महसूस करती हैं, उन्होंने इच्छा जताई थीं कि काश वो भी उनकी तरह अच्छी होती, आलिया ने परिणीति की भाषा पर पकड़ की तारीफ भी की थी मालूम हो कि जिगरा के बाद आलिया भट्ट यशराज के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म एल्फा में भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी।

थिएटर से की शुरुआत, छोटे रोल में भी रहीं फिट और अब ओटीटी क्वीन के नाम से मशहूर हैं राधिका

कृति, मिस्ट्री ड्रामा फिल्म फोरेंसिक, हॉरर थ्रिलर वेब सीरीज घूल, क्राइम ड्रामा सीरीज सेक्रेड गेम्स और मोनिका ओ माय डार्लिंग जैसी तमाम शॉर्ट फिल्म और वेब सीरीज कर चुकी राधिका आप्टे ओटीटी क्वीन के नाम से मशहूर हैं। चाहे बात डैशिंग लुक की हो या एक सामान्य महिला के किरदार की, या स्क्रिप्ट की जरूरत के हिसाब से बोल्ड सीन देने की, हर रोल में राधिका खुद को बखूबी फिट कर लेती हैं। राधिका आप्टे भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्री में से एक हैं। उन्हें उनके स्वैग और स्टाइल के लिए भी जाना जाता है। फिल्में, वेब सीरीज और शॉर्ट मूवीज में सराहनीय काम कर चुकी इस अदाकारा का आज 39वां जन्मदिन है। एक समय था, जब राधिका आर्थिक तंगी के कारण बहुत परेशान थीं और मामूली खर्चे भी उठाना इनके लिए एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन अपने हुनर के दम पर अब वह करोड़ों की मालकिन हैं और एक लैविश लाइफ जीती हैं। राधिका ने थिएटर से लेकर बॉलीवुड तक का सफर तय किया है। उन्होंने फिल्म वाह लाइफ हो तो ऐसी से बॉलीवुड डेब्यू किया था। वह सेक्रेड गेम्स, लस्ट स्टोरीज जैसी वेब सीरीज में एक अलग अंदाज में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने पैडमैन और अंधाधुंध जैसी बेहतरीन फिल्मों में भी अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर राधिका आप्टे के लाखों फैन्स हैं, जो उनकी तस्वीरों पर दिल खोलकर लाइक और कमेंट्स करते हैं। राधिका का बोल्ड अंदाज भी किसी से छुपा नहीं है। वह अकसर ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। उनकी दिलकश अदाओं से भरी तस्वीरें फैंस को खूब पसंद आती हैं।

क्या 69 की उम्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई करेंगे कमल हासन?

अभिनेता कमल हासन को सिनेमा में नई-नई चीजें करने के लिए जाना जाता हैं। नई चीज करने के लिए नया सीखना भी पड़ता है और ऐसे में कमल हासन कभी पीछे नहीं रहते। अब खबर आ रही है कि वो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का कोर्स करने वाले हैं। इसके लिए वो अमेरिका चले गए हैं।

तीन महीने तक चलेगा कोर्स

डेक्कन हेराल्ड की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कमल हासन पिछले हफ्ते अमेरिका गए थे। उनका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का कोर्स 90 दिनों तक चलेगा। कोर्स तो तीन महीने तक चलेगा, लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि कमल हासन 45 दिनों तक ही पढ़ाई करेंगे। बता दें कि कमल हासन की उम्र 69 साल है। इस साल वो कल्कि 2898 एडी और इंडियन 2 में नजर आ चुके हैं। कल्कि 2898 एडी ने तो वर्ल्डवाइड 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया, लेकिन इंडियन 2 148.83 करोड़ ही कमा पाई। इसकी घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कमाई 81.32 करोड़ रुपये की हुई। आने वाले दिनों में उन्हें ठग लाइफ, इंडियन 3, विक्रम 2 और केएच 233 में देखा जाएगा। कमल हासन के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पढ़ाई करने को लेकर कहा जा रहा है कि शायद वो अपने किसी नए प्रोजेक्ट में इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। कमल हासन फिल्म इंडस्ट्री के तमाम कलाकारों से अपनी अलग पहचान रखते हैं। कमल हासन ने पिछले साल डेक्कन हेराल्ड को दिए साक्षात्कार में कहा था कि उनकी कमाई अलग-अलग माध्यमों से फिल्मों में ही वापस चली जाती है। उन्होंने कहा था कि अक्सर उनकी फिल्मों में नई तकनीक का इस्तेमाल देखा जा सकता हैं।

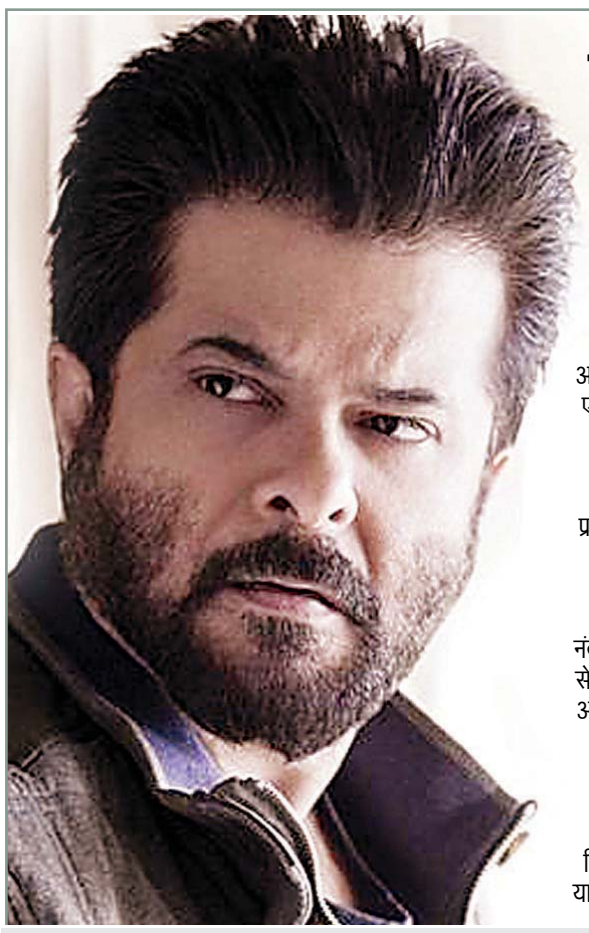

टाइम 100 एआई सूची में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय अभिनेता बने अनिल कपूर

अनिल कपूर टाइम मैगजीन की दूसरी वार्षिक टाइम 100 एआई सूची में जगह पाने वाले एकमात्र भारतीय अभिनेता हैं। मशहूर अभिनेता ने ग्लोबल स्तर के बिजनेसमैन, तकनीकी प्रमुखों, वैज्ञानिकों और अभिनेताओं के बीच अपनी जगह बनाई है। जानकारी हो कि यह सूची उन प्रभावशाली हस्तियों का जश्न मनाती है जिन्होंने एआई के विकास में योगदान दिया है। टाइम 100 एआई सूची में अन्य उल्लेखनीय भारतीयों में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और इंफोसिस के को-फाउंडर और एकस्टेप के अध्यक्ष नंदन नीलेकणि शामिल हैं। सूची में अनिल के शामिल होने से कई लोग आश्चर्यचकित हैं जो सोच रहे हैं कि 67 वर्षीय अभिनेता को इसमें जगह क्यों मिली है। आइए इसके पीछे की वजह जान लेते हैं। जानकारी हो कि साल 2023 में अनिल कपूर तब सुर्खियों में आए जब दिल्ली हाईकोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी कर कई वेबसाइटों और प्लेटफार्मों सहित 16 संस्थाओं को उनकी अनुमति के बिना व्यावसायिक लाभ के लिए उनके नाम, आवाज, छवि या अन्य व्यक्तिगत विशेषताओं का दुरुपयोग करने से रोक दिया। अनिल के मॉर्फ्ड वीडियो और मशहूर डायलॉग झक्कास के बड़े पैमाने पर प्रसारित होने के बाद अदालत ने हस्तक्षेप किया। अभिनेता ने पहली बार इस शब्द का इस्तेमाल अपनी 1985 की फिल्म युद्ध में किया था। इस सूची में अनिल के साथ हॉलीवुड स्टार स्कारलेट जोहानसन भी शामिल हो गई हैं। सितंबर 2023 में, उन्होंने एक बयान जारी कर दावा किया था कि ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने उन्हें सिस्टम में अपनी आवाज देने के लिए शामिल करने की कोशिश की थी। उनके अनुसार, यह उन लोगों के लिए आरामदायक होगा जो तकनीक से परिचित नहीं हैं। 39 वर्षीय ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। काम के मोर्चे पर, अनिल कपूर को आखिरी बार साल 2023 की फिल्म एनिमल में देखा गया था। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में थे और उन्होंने अनिल के बेटे की भूमिका निभाई थी। रिवेंज ड्रामा में रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल, तृप्ति डिमरी और कई अन्य सितारों ने भी अभिनय किया।

बॉलीवुड के बिग बी ने कहा, काम का हर दिन मेरे लिए नई सीख है

बॉलीवुड के मेगास्टार अमिताभ बच्चन ऊर्फ बिग बी का कहना है कि उनके लिए हर दिन कुछ न कुछ सीखने वाला होता है। उनके जीवन का हर एक दिन एक ऐसे नए पहलू से उन्हें रूबरू कराता है, जो जीवन और जीने की वास्तविकता को एक नया रंग देता है। बिग बी ने अपने ब्लॉग पर लिखा, काम का प्रत्येक दिन मेरे लिए सीख है... सिर्फ काम ही नहीं, बल्कि एक और दिन ऐसे तत्वों से भरा है जो हमें जीवन और जीने की वास्तविकता के करीब लाता है। उन्होंने आगे बताया, प्रत्येक दिन हम जीवन को देखते हैं और जानते हैं और कभी-कभी हमारी आंखों में आश्चर्य होता है... देखें कि आप कहां हैं, और आपके भीतर क्या है। किसी नुकसान पर विलाप करने का कोई मतलब नहीं है। इसे स्वीकार करें और अपने और अपने ऊपर निर्भर लोगों के लिए बेहतर जीवन जीने के लिए मेहनत करें। आपकी ताकत आपके भीतर है और केवल आप ही अपनी जरूरत के हिसाब से इसका उपयोग कर सकते हैं। अमिताभ बच्चन फिलहाल रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति 16 को होस्ट कर रहे हैं। शो में उन्हें पदक विजेता मनु भाकर से शूटिंग के रहस्य सीखते हुए भी देखा गया। एक एपिसोड में बिग बी ने ओलंपिक पदक विजेता मनु और अमन सहरावत का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया और उनकी ऐतिहासिक जीत पर उन्हें बधाई दी।

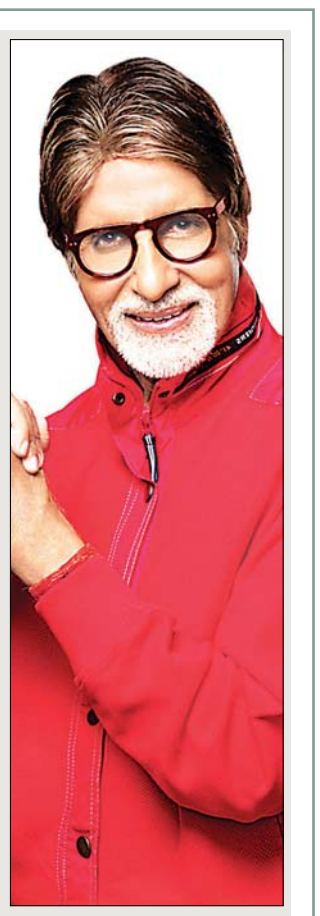

'भारतीयों को क्रिकेट के किसी भी रूप में ऑस्ट्रेलिया को हराना बहुत पसंद है'

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के करीब आने के साथ ही अनुभवी बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने इस तथ्य को स्वीकार किया है कि भारतीय टीम को क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया को हराने में बहुत खुशी मिलती है जबकि पिछले कुछ वर्षों में ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता और भी बढ़ गई है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया में 2018/19 और 2020/21 में हुई पिछली दो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में 2-1 से जीत हासिल की है। मेहमान टीम 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होने वाले पांच मैचों के टेस्ट दौरे में ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीत की हैट्रिक बनाने का लक्ष्य रखेगी, इसके बाद एडिलेड, ब्रिसबेन, मेलबर्न और सिडनी में खेल होंगे। ख्वाजा ने कहा, 'हम पिछले दो सालों से दुनिया की नंबर एक और नंबर दो टीमें हैं। हम पिछली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में एक साथ थे। प्रतिद्वंद्विता हमेशा से बहुत बड़ी रही है। मैं इसे सम्मान के संकेत के रूप में लेता हूं और मुझे पता है कि भारतीयों को क्रिकेट के किसी भी रूप में ऑस्ट्रेलिया को हराना बहुत पसंद है।'

उन्होंने कहा, 'और ऑस्ट्रेलिया की इतने सालों से विश्व क्रिकेट में हावी टीमों में से एक होने की परंपरा ने उस प्रतिष्ठा को दांव पर लगा दिया है। मुझे लगता है, हां, भारतीयों के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराना हमेशा से ही रहा है। और हाल ही में, आप जानते हैं, भारत और आईपीएल के उदय और बाकी सब कुछ जो हुआ, उसके बाद से ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच भी यही हुआ है। खासकर तब से जब से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया में हराया है, जब से वे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बाहर आए हैं। इसका मतलब बस थोड़ा और है।'

तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड जो 2014/15 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का हिस्सा थे, ने कहा कि वह ट्रॉफी को वापस पाने के लिए उत्सुक हैं। हेजलवुड ने कहा, 'हां, शायद यही सबसे कठिन प्रतिद्वंद्विता है। भारत के खिलाफ खेलना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है, और वे यहां की परिस्थितियों के इतने आदी हैं कि उन्हें यह पसंद है। आप जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में चुनौती बहुत बड़ी है। वे अपने शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी कर रहे हैं, चाहे कोई भी खेल रहा हो, उनके शीर्ष छह या सात अविश्वसनीय हैं। मैंने अपनी पहली सीरीज में उनके खिलाफ खेला, जाहिर है और हमने जीत हासिल की, शायद वह आखिरी बार था। बहुत से वही खिलाड़ी अभी भी खेल रहे हैं, मुझे लगता है कि मैंने विराट को उस गेम में हराया था।' उन्होंने कहा, 'तो हमारे बहुत से खिलाड़ी, मुझे लगता है, भारत को टेस्ट सीरीज में नहीं हरा पाए हैं। ट्रैविस हेड, कैमरन ग्रीन जैसे खिलाड़ी खेल रहे थे, ऐसे ही लोग। तो, हां हमारे लिए आने वाला समर बहुत बड़ा है और उम्मीद है कि हम ट्रॉफी वापस पा लेंगे।'

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज़ ऑलराउंडर मिशेल मार्श आगामी सीरीज को लंबे फॉर्मेट को आगे बढ़ाने के एक और मौके के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह सिर्फ क्रिकेट है जो दोनों टीमों के बीच खेला गया है। अगर आप इतिहास, हाल के इतिहास को देखें, तो हमने चीजें जीती हैं, उन्होंने चीजें जीती हैं। और मुझे लगता है कि जब यह इस तरह आगे-पीछे होता है, तो यह आपके भीतर प्रतिद्वंद्विता का निर्माण करता है। आप जानते हैं कि भारतीय टीम और हमारी टीम में बहुत अच्छी दोस्ती है, इसलिए कोई नफरत नहीं है। लेकिन यह मैदान पर एक शानदार प्रतिद्वंद्विता है, दोनों टीमें जीतना चाहती हैं। ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत, यह क्रिकेट के खेल को आगे बढ़ाने का एक और अवसर है। ऐसा नहीं है कि क्रिकेट को भारत में बढ़ने की जरूरत है, बल्कि दुनिया भर में। लोग इन बड़ी सीरीज़ को देखते हैं।'

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी : भारत ने जापान को दी करारी हार, लगातार दूसरा मैच जीता

हुलुनबुइर (चीन)(एजेंसी)। सुखजीत सिंह के दो गोल की मदद से गत चैंपियन भारत ने सोमवार को यहां पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के लीग मैच में जापान को 5-1 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

सुखजीत ने दूसरे और 60वें मिनट में गोल किए जबकि अभिषेक (तीसरे), संजय (17वें) और उत्तम सिंह (54वें) अन्य भारतीय गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। मात्सुमोतो काजुमासा ने 41वें मिनट में जापान के लिए एक गोल किया। रविवार को अपने शुरुआती राउंड-रॉबिन लीग मैच में चीन को 3-0 से हराने वाली चार बार की चैंपियन भारतीय टीम को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले जबकि जापान की टीम ने पांच पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए।

हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम बुधवार को पिछले चरण की उपविजेता टीम मलेशिया से भिड़ेगी। मंगलवार को आराम का दिन है। छह टीमों के बीच राउंड-रॉबिन लीग के बाद शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को खेले जाने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। फाइनल 17 सितंबर को होगा।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम घोषित , ऋषभ की वापसी

मुम्बई (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ इसी माह 19 सितंबर से होने वाली दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी गयी है।

इस सीरीज का पहला टेस्ट चेन्नई और दूसरा कानपुर में खेला जाएगा। टीम में आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी हुई है। ऋषभ 2022 में कार हादसे से उबरने के बाद पहली बार टेस्ट खेलते नजर आयेंगे। उन्हें दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस सीरीज के लिए जो टीम घोषित की है उसमें श्रेयस अय्यर शामिल नहीं हैं। अय्यर ने दिलीप ट्रॉफी में अच्छी बल्लेबाजी कर अपना दावा पेश किया था पर वह बोर्ड का भरोसा हासिल नहीं कर पाये। टीम में जिस फैसले से सभी हैरान है वह है यश दयाल को शामिल किया जाना। यश वहीं गेंदबाज हैं जिनपर पिछले आईपीएल में रिंकू सिंह ने लगातार पांच छक्के लगाये थे। वहीं युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को भी टीम में रखा गया है। बीसीसीआई ने कहा कि पुरुष चयन समिति ने बांग्लादेश के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के लिए भारत की 16 सदस्यीय टीम का चयन कर लिया है। इस टेस्ट सीरीज से साल 2024-25 के लिए भारत के अंतरराष्ट्रीय घरेलू सत्र की शुरुआत होगी। इस सीरीज के बाद बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैच भी खेले जाएंगे। जिसके लिए सीरीज का चयन अभी होना है।

टीम इस प्रकार है - रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मो. सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमरा, यश दयाल।

आप किसी टीम को कम नहीं आंक सकते, बांग्लादेश सीरीज से पहले बोले शुभमन गिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल का मानना है कि बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज दिलचस्प होने वाली है। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट 19 सितंबर को चेन्नई में खेला जाएगा, इसके बाद दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा। चेन्नई मैच के लिए गिल को भारतीय टीम में शामिल किया गया है जिसमें ऋषभ पंत, केएल राहुल और विराट कोहली की टेस्ट टीम में वापसी हुई है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल पहली बार टीम में दिखाई देंगे।

गिल ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आप किसी अंतरराष्ट्रीय टीम को कम आंक सकते हैं। पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश ने जिस तरह का क्रिकेट खेला है, खासकर पाकिस्तान में, वह प्रभावशाली रहा है। उनके तेज गेंदबाजों और जिस तरह से उनके मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने दबाव झेला है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए, मेरा मानना है कि यह एक दिलचस्प और रोमांचक मुकाबला होगा।'

अब तक 25 टेस्ट मैचों में गिल ने 35.52 की औसत से 1492 रन बनाए हैं, पिछले साल उन्होंने नंबर तीन बल्लेबाज के रूप में बल्लेबाजी की। टेस्ट में नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने में आने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर गिल ने कहा, 'अक्सर, जब आप किसी अलग स्थान पर खेलते हैं तो हर कोई आपकी क्षमता जानता है, लेकिन फिर भी आपको खुद को साबित करना होता है। शुरुआती मैचों में जब मैं नंबर तीन पर खेला, तो मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया - वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ। मैं अच्छी शुरुआत कर रहा था, 20 और 30 रन बना रहा था, लेकिन मैं उन्हें बड़ी पारी में नहीं बदल पा रहा था। जब मैं वापस लौटा, तो मुझे पता था कि मुझे इन प्रदर्शनों को बदलना होगा। आगे बढ़ते हुए मेरा लक्ष्य अपने अर्द्धशतकों को बड़े शतकों में बदलना है।'

नंबर तीन बल्लेबाज के रूप में गिल ने इस साल इंग्लैंड के खिलाफ 4-1 टेस्ट सीरीज के दौरान नौ पारियों में 452 रन बनाए, जबकि उनका औसत 56.50 रहा। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत बड़ा आत्मविश्वास बढ़ाने वाला था, खासकर पहला टेस्ट मैच हारने के बाद। काफी खिलाड़ी अनुपलब्ध थे, इसलिए हम पर सीरीज जीतने का दबाव था।' इंग्लैंड सीरीज जीत से मिली सीख के बारे में गिल ने कहा, 'मैंने पहले कभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेले थे, इसलिए यह एक अच्छा अनुभव था और उस तीव्रता को महसूस करना रोमांचक था। दो टेस्ट मैचों के बाद ब्रेक मिलने के बाद भी हमने कभी उस तीव्रता को नहीं छोड़ा।'

रोनाल्डो के रिकॉर्ड 132वें गोल से जीता पुर्तगाल

लंदन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फिर से साबित किया कि वह 39 वर्ष के होने के बावजूद पुर्तगाल के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं। इस स्टार स्ट्राइकर ने मध्यांतर के बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर कदम रखा और 88वें मिनट में निर्णायक गोल किया। इससे पुर्तगाल ने नेशन्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में स्कॉटलैंड को 2-1 से हराया। पांच बार वर्ष के विश्व में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रोनाल्डो का यह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 132वां गोल था जो विश्व रिकॉर्ड है। रोनाल्डो यूरोपीय चैंपियनशिप के पांच मैच में गोल नहीं कर पाए थे लेकिन पुर्तगाल के कोच रॉबर्ट मार्टिनेज ने इस दिग्गज खिलाड़ी पर भरोसा बनाए रखा और उनका यह फैसला सही साबित हो रहा है। गुरुवार को क्रोएशिया पर 2-1 की जीत में भी रोनाल्डो ने अहम भूमिका निभाई थी। इस मैच में उन्होंने क्लब और देश की तरफ से कुल मिलाकर अपने करियर का 900वां गोल किया था।

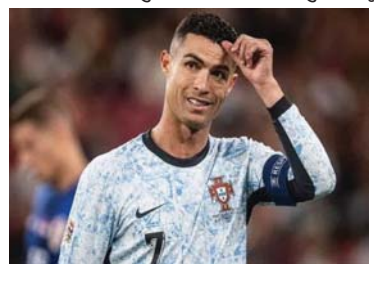

ऋषभ पंत टेस्ट में सर्वकालिक महान खिलाड़ी बनने की राह पर, छोटे प्रारूपों में सुधार की जरूरत : गांगुली

कोलकाता। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में सर्वकालिक महान खिलाड़ी बनने की राह पर हैं, लेकिन साथ ही उन्हें छोटे प्रारूपों में अपने प्रदर्शन में सुधार करने की जरूरत है। दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में चोटिल होने के बाद पंत को रविवार को पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है और पूरी उम्मीद है कि बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से चेन्नई में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा। पंत ने इस साल के शुरू में सीमित ओवरों के प्रारूप में वापसी की थी और इनमें अच्छा प्रदर्शन किया था। गांगुली ने यहां एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कहा, 'मैं ऋषभ पंत को भारत के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाजों में से एक मानता हूं। उनकी टेस्ट क्रिकेट में वापसी से मैं हैरान नहीं हूं। वह भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में खेलते रहेंगे।' उन्होंने कहा, 'अगर वह इसी तरह प्रदर्शन करता रहा तो टेस्ट क्रिकेट के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शामिल हो जाएगा। मेरा मानना है कि उसे छोटे प्रारूपों में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। वह प्रतिभाशाली है और मुझे यकीन है कि वह जल्द ही ऐसा करने में सफल रहेगा।' मोहम्मद शमी को टखने के ऑपरेशन के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया लेकिन गांगुली को विश्वास है कि यह तेज गेंदबाज इस साल के आखिर में होने वाले ऑस्ट्रेलियाई दौरे से पहले पूरी तरह फिट हो जाएगा। उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि मोहम्मद शमी चोटिल होने के कारण टीम में शामिल नहीं है लेकिन वह जल्द ही वापसी करेगा क्योंकि भारत को ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है। भारत का आक्रमण अभी बहुत अच्छा है।'

पेरिस पैरालिम्पिक्स से हम क्या सीख सकते हैं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पैरिस पैरालिम्पिक खेलों में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। 7 गोल्ड के साथ 29 पदकों के साथ भारतीय दल पदक तालिका में 18वें स्थान पर रहा। पैरालिम्पिक्स से हम यह बातें सीख सकते हैं।

खेलों को अपनाएं : पैरिस पैरालिम्पिक में 23 खेल विधाएं थीं, लेकिन भारत को अधिकांश सफलता एथलैटिक्स, तीरंदाजी, शूटिंग और बैडमिंटन में मिली। उदाहरण के लिए, तैराकी में 140 पदक दांव पर थे, लेकिन भारत ने सिर्फ एक प्रतिभागी को चुना। स्पष्ट रूप से, सुधार की बहुत गुंजाइश है। भारत को 2028 में लॉस एंजिल्स में कई और पदक जीतने के लिए अन्य खेलों को अपनाने की आवश्यकता है।

हर किसी की एक कहानी है : पैरालिम्पिक पदकों के बारे में कम और प्रतिभागियों के बारे में अधिक है। हर पदक या हर एथलीट के पीछे एक कहानी है। धर्मबीर नैन और प्रणय सूरमा ने पुरुषों की क्लब थ्रो स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत जीता। हालांकि, उनमें विकलांगता का अनुपात इतना अधिक है कि उनके प्रदर्शन की भविष्यवाणी करना असंभव है। ट्रैक और फील्ड दल के कोच सत्यनारायण शिमोगा ने कहा कि उनका अपने मल त्याग पर कोई नियंत्रण नहीं है। वे अक्सर प्रतिस्पर्धा करते समय पेशाब कर देते हैं। यदि वे सही स्थिति में नहीं बैठे हैं, तो वे प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं। जब तक आप उनकी कहानी नहीं जानते, उनकी सफलता की सराहना करना असंभव है। दल के चिकित्सा प्रमुख डॉ अमेय कागली ने कहा कि प्राची (यादव) ने गंभीर आंख के संक्रमण के बावजूद अपने स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। हमें हर छह घंटे में उसकी आंख की पट्टी बांधनी पड़ती थी।

समर्थन जरूरी है : पैरालिम्पिक के बारे में मीडिया ने विस्तार से रिपोर्ट दी है। सोशल मीडिया पर लाखों लोग ने इन एथलीटों का समर्थन किया है। लेकिन अब जरूरत है कि इनसे जुड़े रहने की। उम्मीद है कि मीडिया और प्रशंसक खेल खत्म होने के बाद भी इन एथलीटों से जुड़े रहेंगे। पैरा इवेंट्स पर नियमित रिपोर्टिंग से यह सुनिश्चित होगा कि उनकी प्रगति रिकॉर्ड की गई है और उसका दस्तावेजीकरण किया गया है। निरंतर रिपोर्टिंग से जागरूकता बढ़ेगी और संभवतः भविष्य में कॉर्पोरेट समर्थन में वृद्धि होगी।

तुलना न करें : ओलिम्पिक और पैरालिम्पिक की तुलना हो रही है। बताया जा रहा कि ओलिम्पिक पर 500 करोड़ खर्च कर सिर्फ 6 पदक मिले, जबकि पैरालिम्पिक पर 20 करोड़ रुपए से ही 29 पदक मिल गए। यह सही तुलना नहीं है। दोनों बहुत अलग टूर्नामेंट हैं और एक की सफलता का इस्तेमाल दूसरे की आलोचना करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। पैरालिम्पिक का अधिक समर्थन करें और पैरा खेलों में अधिक निवेश करें। लेकिन पैरालिम्पिक का उदाहरण देकर ओलिम्पियनों को गाली देना गलत है।

विजेताओं को याद रखें: पदक विजेताओं के साथ सबने जश्न मनाया। लेकिन यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि हम पूरे दल के साथ जश्न मनाएं। क्योंकि जो इस बार असफल रहे हैं वे कल के चैम्पियन हैं और उन्हें नहीं भूलना चाहिए। पुरुषों की ऊंची कूद में स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रवीण कुमार विश्व चैम्पियनशिप में पोडियम तक नहीं पहुंच पाए। अगर उन्हें बाहर कर दिया गया होता, तो छठा स्वर्ण नहीं होता। यहां समग्र समझ बेहद जरूरी है।

श्रेयस अय्यर की फिर हुई उपेक्षा

मुम्बई। मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। दिलीप ट्रॉफी में श्रेयस ने अर्धशतक लगाया था पर इसके बाद भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। इससे साफ है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का भरोसा वह हासिल नहीं कर पाये हैं। इससे पहले उन्हें श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की सिरीज में अवसर मिला था। उन्हें गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद एकदिवसीय में अवसर मिला पर वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये। गंभीर के टीम इंडिया के हेड कोच बनने से श्रेयस की उम्मीदें बढ़ गई थीं क्योंकि आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स के मेंटर रहे गंभीर के मार्गदर्शन में श्रेयस ने केकेआर की कप्तानी करते हुए खिताब जीता था। दलीप ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन को देखते हुए माना जा रहा था कि उनकी टेस्ट टीम में वापसी हो सकती है पर ऐसा नहीं हुआ। अय्यर ने दलीप ट्रॉफी के पहले मैच में पहली पारी में कप्तानी करते हुए केवल 9 रन बनाए थे पर दूसरी पारी में उन्होंने शानदार अर्धशतक लगाया। अय्यर ने पिछले सत्र में घरेलू क्रिकेट खेलने से इंकार कर दिया था जिसके बाद से ही वह बीसीसीआई के निशाने पर आ गये थे। अय्यर ने तब चोटिल होने की बात कही थी पर बोर्ड ने उसे नहीं माना और उन्हें सालाना अनुबंध से भी बाहर कर दिया। ऐसे में साफ है कि उन्हें वापसी के लिए अभी इंतजार करना होगा।

इस बार आईपीएल मेगा नीलामी में उतरेंगे स्मिथ

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अवसर मिलने की उम्मीद है। उनका मानना है कि मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में अपने अच्छे प्रदर्शन का लाभ उन्हें मिलेगा। इससे वह टी20 के भी अच्छे खिलाड़ी साबित हुए हैं। इसलिए उन्हें आईपीएल के अगले सत्र में अवसर मिल सकता है, इसलिए वह इस बार मेगा नीलामी में उतरेंगे। स्मिथ को टी20 विश्व कप के बाद स्कॉटलैंड एवं इंग्लैंड के आगामी दौरे के लिए शामिल नहीं किया गया था। एमएलसी में स्मिथ के शानदार प्रदर्शन से वाशिंगटन फ्रीडम को पहली बार लीग खिताब मिला। स्मिथ ने इस लीग में 49.00 की औसत और 154.74 के स्ट्राइक रेट से 294 रन बनाये। वह अपनी टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। स्मिथ ने फाइनल में भी सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न के खिलाफ 52 गेंदों में तेजी से 88 रन बनाये थे। सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न में पैट कमिंस और हारिस रउफ जैसे तेज गेंदबाज शामिल थे। स्मिथ ने कहा, 'मैं निश्चित रूप से आईपीएल में एक और अवसर चाहूंगा। मैं अपना नाम खिलाड़ियों की नीलामी में शामिल करूंगा। देखते है कि मुझे आगे बढ़ने का कितना अवसर मिलता है। उन्होंने कहा, 'मुझे हाल में टी20 क्रिकेट और फ्रेंचाइजी में जो भी अवसर मिले हैं, मैंने काफी अच्छा खेला है। ऐसे में मैं आईपीएल में अपना नाम शामिल कर इसका आनंद उठाना चाहूंगा। स्मिथ को पिछली दो नीलामी में किसी ने भी नहीं खरीदा था। ऐसे में वह 2021 से आईपीएल का मे नहीं खेल पाये हैं। इस बल्लेबाज का कहना है कि वह इससे निराश नहीं हुए और उनका ध्यान अपने खेल पर रहा है। टी20 टीम में जगह नहीं मिलने पर उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टी20 की बात करूं तो मुझे नहीं पता वहां चयनकर्ता के बीच क्या चल रहा है। उनके पास कुछ अच्छे विकल्प है और वे उसे आजमाना चाहते है। मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। स्मिथ ने कहा, 'मैं समझता हूं कि वे विश्व कप को ध्यान में रख कर ऐसे खिलाड़ियों को वरीयता ह दे रहे हैं जो सहजता से बड़े शॉट लगा सकें। इसलिए मैं इन बातों से परेशान नहीं हूं।

आकाश दीप को मिल सकता है बांग्लादेश के खिलाफ अवसर

मुम्बई। बांग्लादेश के खिलाफ इसी माह 19 सितंबर से शुरु हो रही टेस्ट सीरीज में इंडिया ए टीम के युवा गेंदबाज आकाशदीप को भारतीय टीम में अवसर मिल सकता है। आकाश दीप ने घरेलू टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी में शानदार गेंदबाजी करते हुए इंडिया बी के बल्लेबाजों को जमकर परेशान किया है। आकाशदीप ने पहली पारी में 4 विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में भी 5 विकेट लिए हैं। अवसर मिला जिसमें उन्होंने अच्छी गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए। उन्हें टीम में जगह मिलना इसलिए भी तय है क्योंकि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अभी तक चोट से नहीं उबरे हैं। इसी कारण शमी बांग्लादेश के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेलेंगे। इसके अलावा भारतीय टीम के जो खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी खेल रहे हैं। उनमें से कई खिलाड़ियों का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में इन खिलाड़ियों को बाहर बैठना पड़ सकता है। वहीं सिराज बिमार होने के कारण दलीप ट्रॉफी के शुरुआती दौर स बाहर हैं हालांकि उनके बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज तक ठीक होने की संभावना है। इस साल के बचे हुए महीनों में भारतीय टीम को 10 टेस्ट मैच खेलने हैं।

कप्तानों को जल्दबाजी में बर्खास्त न करें: गिलेस्पी, कर्स्टन ने पीसीबी से कहा

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के सीमित ओवरों और टेस्ट टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी ने देश के क्रिकेट बोर्ड को सभी प्रारूपों में हालिया खराब प्रदर्शन के बाद जल्दबाजी में कप्तान नहीं बदलने की सलाह दी है। भारत में 2023 में खेले गए एकदिवसीय विश्व कप के राउंड रॉबिन दौर से बाहर होने के बाद बाबर आजम को सीमित ओवरों की कप्तानी से बर्खास्त कर दिया गया था। उनकी जगह लेने वाले शाहीन शाह अफरीदी को एक खराब श्रृंखला के बाद हटा दिया गया था। इसी तरह टेस्ट में बाबर के इस्तीफा देने के बाद, शान मसूद को कप्तान बनाया गया था, लेकिन बांग्लादेश से टेस्ट श्रृंखला में 0-2 से हार के बाद उन्हें तुरंत बाहर करने की मांग उठ रही है।

पीसीबी के एक सूत्र ने हालांकि 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मसूद और बाबर की बर्खास्तगी के बारे में हालिया मीडिया अटकलें कयास से ज्यादा कुछ नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''कप्तानों को बदलने पर कोई चर्चा नहीं हुई है क्योंकि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने यह फैसला दोनों कोच और चयनकर्ताओं पर छोड़ दिया है।'' सूत्र ने कहा, ''कर्स्टन और गिलेस्पी बहुत स्पष्ट है कि शान और बाबर दोनों को उनकी नेतृत्व क्षमता का आकलन करने से पहले उचित समय दिए जाने की जरूरत है।''

उन्होंने कहा कि दोनों कोच कप्तानी में निरंतरता चाहते हैं और उन्होंने यह बात बोर्ड को साफ तौर पर बता दी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब बोर्ड इस महीने के अंत में लाहौर में 'क्रिकेट कनेक्शन' नामक एक दिन की कार्यशाला आयोजित करेगा तो कप्तानी या टीम चयन पर चर्चा नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, ''वह कार्यशाला सभी हितधारकों, मुख्य रूप से घरेलू टीम के सभी कोच, चयनकर्ताओं और अनुबंधित खिलाड़ियों के विचारों को सुनने के लिए आयोजित की जा रही है ताकि बोर्ड घरेलू क्रिकेट और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मानकों के बीच अंतर को पाटने पर काम कर सके।''

सूत्र ने यह भी बताया कि इस कार्यशाला में कर्स्टन भी मौजूद रहेंगे जबकि गिलेस्पी इसमें ऑनलाइन तरीके जुड़ेंगे। पीसीबी प्रमुख से कहा था कि सभी प्रारूपों में टीम से दीर्घकालिक परिणाम प्राप्त करने के लिए नीतियों में धैर्य और निरंतरता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''कार्यशाला मूल रूप से इसलिए आयोजित की जा रही है क्योंकि दोनों कोच चाहते हैं कि घरेलू टीम के कोच इस बात को अच्छी तरह से समझे कि राष्ट्रीय टीम के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए क्या जरूरी है।'' यह पूछे जाने पर कि इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में एकदिवसीय श्रृंखला और फिर देश में आयोजित होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के लिए किसे कप्तान नियुक्त किया जाएगा, सूत्र ने कहा कि सफेद गेंद के प्रारूप में निरंतरता को बनाये रखते हुए शायद बाबर को ही जिम्मेदारी दी जाये।

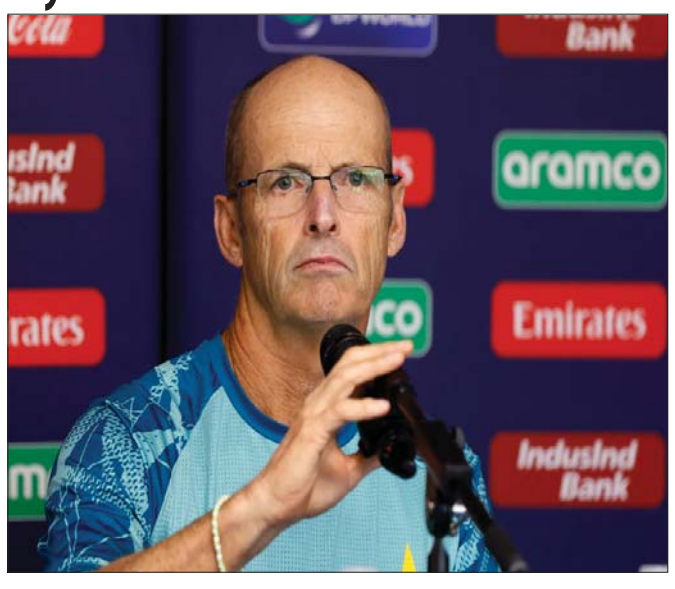

संक्षिप्त समाचार

अल्जीरिया में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान समाप्त, तेब्बौने के दौबारा सत्ता में आने की संभावना

अल्जीयर्स, एजेंसी। अल्जीरिया में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान समाप्त हो गया है, जिसमें देश की जनता यह फैसला करेगी कि सेना समर्थित राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने को एक और पांच साल का कार्यकाल दिया जाए या नहीं। अल्जीरिया ने इस साल की शुरुआत में चुनाव की तारीख की घोषणा की थी। अब्देलमदजीद तेब्बौने को परिणामों की अंतिम घोषणा के बाद विजेता करार दिए जाने की संभावना है। सेना समर्थित राष्ट्रपति तेब्बौने ने शनिवार को मतदान के बाद कहा कि वह आशा करते हैं, जो भी जीतेगा वह लोकतंत्र के निर्माण में उस बिंदु की ओर बढ़ता रहेगा जहां से वापसी संभव नहीं होगी। तेब्बौने के समर्थकों और चुनौती देने वालों ने मतदाताओं से मतदान करने के लिए आगे आने का आग्रह किया है क्योंकि पिछले चुनावों में बहिष्कार और बड़ी संख्या में लोगों के मतदान से दूर रहने के कारण सरकार को समर्थन जुटाने में परेशानी आयी थी। बहरहाल, इसके बावजूद अल्जीयर्स में कई मतदान केंद्र खाली रहे और वहां केवल पुलिस अधिकारी दिखें, जो मतदान केंद्रों की सुरक्षा में तैनात थे।

तूफान 'यागी बरपा रहा कहर, वियतनाम में 4 लोगों की मौत, 78 अन्य घायल

हनोई, एजेंसी। तूफान 'यागी शनिवार दोपहर को वियतनाम के उत्तरी हिस्से में टकराया, जिसके कारण कम से कम चार लोगों की मौत हो गई तथा 78 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वियतनामी मौसम विज्ञान अधिकारियों ने यागी को ''पिछले दशक में इस क्षेत्र में सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक बताया है। 'यागी दक्षिण चीन के द्वीपीय प्रांत हैनान तट से टकराने के बाद वियतनाम पहुंचा। 'यागी के चलते हैनान में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण तीन लोगों की मौत हो गई और लगभग 100 अन्य घायल हुए। वियतनाम की सरकारी मीडिया की खबर के मुताबिक, तूफान ने वियतनाम के तटीय प्रांतों क्वांग निन्ह और हैफोंग में 149 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दस्तक दी। इसके मुताबिक, तूफान के टकराने से पहले तेज हवाओं के कारण एक पेड़ गिर गया, जिससे राजधानी में एक महिला की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया की खबर के मुताबिक, तूफान के टकराने से पहले क्वांग निन्ह प्रांत में स्थित वैश्विक विरासत स्थल पर सैकड़ों क्रूज का संचालन रद्द कर दिया गया। तूफान के कारण क्वांग निन्ह और थाई बिन्ह प्रांतों के बड़े हिस्से में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है।

अजरबैजान ने रूस-यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने की इच्छा जताई

बाकू, एजेंसी। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को सुलझाने में हिस्सा लेने की इच्छा व्यक्त की है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय मीडिया एजेआरटीएसी के हवाले से बताया कि शुक्रवार को राष्ट्रपति ने एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि उनका देश दो देशों के बीच शांति बनाने में मदद करने के लिए तैयार है, क्योंकि अजरबैजान दोनों देशों के साथ ऐतिहासिक और कूटनीतिक संबंध रखता है। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के साथ अजरबैजान 70 वर्षों तक सोवियत संघ का हिस्सा था, जिसके परिणामस्वरूप लोगों के बीच और राजनीतिक स्तर पर गहरे संबंध स्थापित हुए हैं। उन्होंने कहा, हम रूस और यूक्रेन के साथ अपने संबंधों को बहुत अच्छा मानते हैं। हम यूक्रेन और सभी देशों की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का दृढ़ता से समर्थन करते हैं। हालांकि, उन्होंने रूस विरोधी प्रतिबंध अभियान में अपने देश की भागीदारी से इनकार किया तथा दोनों देशों के साथ अपने संबंधों के प्रति व्यावहारिक दृष्टिकोण बनाए रखा। अलीयेव ने कहा कि हालांकि अजरबैजान ने संघर्ष मध्यस्थता में अग्रणी भूमिका निभाने की कोशिश नहीं की है।

ऑस्ट्रेलिया : सिडनी के पास दर्ज किया गया 4.5 तीव्रता का भूकंप

सिडनी , एजेंसी। सिडनी के उत्तर-पश्चिम में शनिवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 4.5 दर्ज की गई, जिससे हजारों लोगों के घरों की बिजली गुल हो गई। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप विज्ञान अनुसंधान केंद्र ने सिडनी से लगभग 170 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में, न्यू साउथ वेल्स राज्य के अपर हंटर क्षेत्र में, मुसवेलब्रुक शहर के पास भूकंप दर्ज किया। स्थानीय समयानुसार यह भूकंप सुबह 5 :58 बजे आया। जियोसाइंस ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि भूकंप पांच किलोमीटर की गहराई पर आया था और लोगों ने सिडनी में इसे महसूस किया। नाइन एंटरटेनमेंट अखबार के अनुसार, भूकंप के बाद मुसवेलब्रुक और उसके आसपास के 2,748 घरों और अन्य स्थानों में लोगों को बिजली कटौती की समस्या से जूझना पड़ा। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने कहा कि उन्हें भूकंप प्रभावित क्षेत्र में किसी के घायल होने या बुनियादी ढांचे को नुकसान होने की जानकारी नहीं है।

फ्रांस के नए प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर का विरोध, लेफ्ट ने किया प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे लाखों लोग

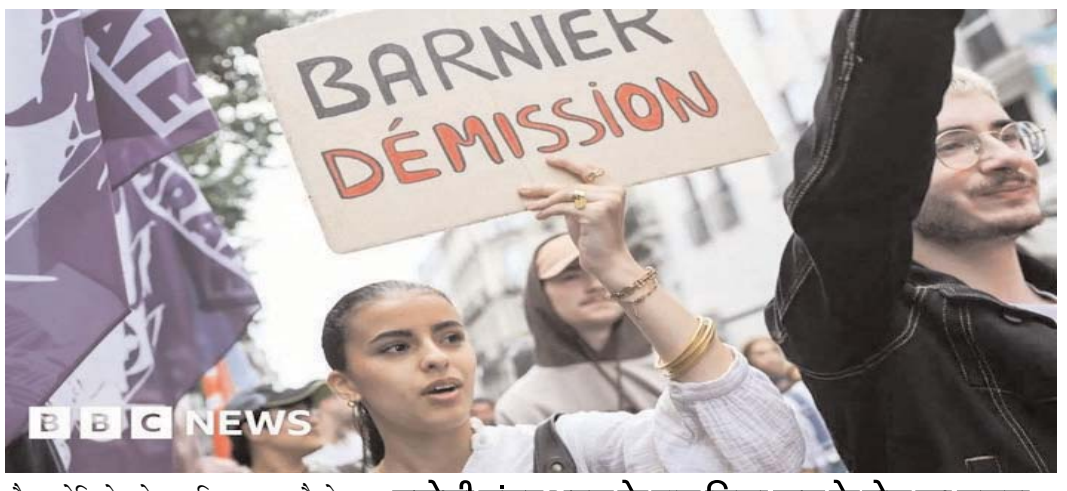

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के नए प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर की नियुक्ति का विरोध शुरू हो गया है। लेफ्ट के प्रदर्शनकारियों ने पेरिस समेत पूरे देश में रैली निकाली। इस दौरान प्रधानमंत्री बार्नियर का विरोध किया गया। साथ ही राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रो पर सत्ता हड़पने का आरोप लगाया। देश के पेरिस समेत नैनटेस, नीस, मार्सिले और स्ट्रासबर्ग में लोगों ने रैली निकाली।

फ्रांस के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि रैली में एक लाख लोग शामिल हुए। जबकि लेफ्ट नेता ने कहा कि पूरे फ्रांस में तीन लाख लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के ने बृहस्पतिवार को मिशेल बार्नियर को नया प्रधानमंत्री नामित किया था। बार्नियर यूरोपीय संघ के पूर्व ब्रेग्जिट वार्ताकार रहे हैं। यह नियुक्ति दो महीने पहले हुए चुनाव के बाद की गई। राष्ट्रपति मैक्रों ने जुलाई में पूर्व प्रधानमंत्री गेब्रिएल एटल और उनकी सरकार का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था, जब संसदीय चुनाव के दूसरे दौर में उनके गठबंधन को हार का सामना करना पड़ा।

लेफ्ट गठबंधन चाहता था कि 37 वर्षीय अर्थशास्त्री लूसी कास्टेट्स प्रधानमंत्री बनें, लेकिन राष्ट्रपति मैक्रो ने वह संसद में विश्वास मत हासिल नहीं कर पाएंगीं। इसे लेकर प्रदर्शनकारियों ने मैक्रो पर भी गुस्सा जाहिर किया और उनसे इस्तीफा देने की मांग की। प्रदर्शनकारी मैनन बोनिजोल ने कहा कि जब तक मैक्रो सत्ता में हैं, तब तक अपना मत देना बेकार है। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने मैक्रो पर मतदाताओं की इच्छा के विरुद्ध नियुक्ति करने का आरोप लगाया।

वहीं विरोध के बाद प्रधानमंत्री मिशेल बार्नियर ने कहा कि वह सभी राजनीतिक विचाराधारा के लोगों को साथ लेकर चलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मैं सभी फ्रांसीसी लोगों की निगरानी में हूं। बजट, सुरक्षा, आव्रजन, सुरक्षा और स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी बार्नियर ने कहा कि वह सबकी बात सुनेंगे। बार्नियर को अभी संसद में विश्वास मत हासिल करना है। इसके बाद उन्हें 2025 तक बजट भी पेश करना है।

यूक्रेनी संसद भवन के पास मिला रूस के ड्रोन का मलबा, 67 हमले; सबसे सुरक्षित क्षेत्र भी हाई अलर्ट पर

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन पर पिछले 24 घंटों में बड़े पैमाने पर हमले किए। इन हमलों में रात भर में कुल 67 लंबी दूरी के ड्रोन लॉन्च किए गए। इनमें से 58 को यूक्रेन की वायु सेना मार गिराने में सफल रही। यूक्रेनी वायु सेना ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर कहा कि राजधानी कीव में संसद भवन के ठीक बगल में भी ड्रोन का मलबा पाया गया। यूक्रेन के 11 क्षेत्रों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यूक्रेन ने कहा, किसी रूसी मिसाइल या ड्रोन का मध्य कीव में इतनी दूर तक आना बेहद दुर्लभ है। यह चिंता की बात है क्योंकि यह शहर सोवियत-युग और पश्चिमी-प्रदत्त वायु रक्षा प्रणालियों के नेटवर्क से संरक्षित है। शहर के केंद्र में पहाड़ी पर स्थित सरकारी क्वार्टर शायद यूक्रेन में सबसे अच्छी तरह से सुरक्षित जगह है, क्योंकि इसमें राष्ट्रपति, कैबिनेट और केंद्रीय बैंक के कार्यालय भी हैं। लेकिन इतने सुरक्षित क्षेत्र में संसद भवन के पास जमीन पर मलबे के कम से कम चार टुकड़े बिखरे हुए दिखाई दिए हैं। फरवरी 2022 में हमले की शुरुआत के बाद से, मॉस्को ने यूक्रेन में हजारों मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च किए हैं। ईरान द्वारा डिजाइन किए गए ड्रोन का इस्तेमाल सितंबर 2022 से मिसाइलों के सस्ते और अधिक खर्चीले विकल्प के रूप में किया जा रहा है। प्रोपेलर-संचालित शाहेद ड्रोन 200 किमी प्रति घंटे (125 मील प्रति घंटे) से कम की गति से उड़ान भरता है।

पुतिन के बाद पीएम जॉर्जिया मेलनी ने कहा- भारत सुलझा सकता है रूस-यूक्रेन विवाद

रोम, एजेंसी। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलनी ने शनिवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ उत्तरी इटली के सेर्नोबियो शहर में बैठक की। बातचीत के बाद मेलोनी ने कहा कि भारत और चीन रूस-यूक्रेन विवाद को सुलझा सकते हैं। इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी मौजूदा संकट को समाप्त करने में भारत के प्रयासों पर जोर दिया था।

इतालवी मीडिया के अनुसार, पीएम मेलनी ने कहा, रूस-यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने में चीन और भारत को भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि यूक्रेन को उसके भाग्य पर छोड़ कर संघर्ष का समाधान किया जा सकता है। मेलोनी ने यूक्रेन के लिए अपनी सरकार के पूर्ण समर्थन की पुष्टि करते हुए कहा, कीव को समर्थन देने का निर्णय इटली के राष्ट्रीय हित के अनुरूप है और यह कभी नहीं बदलेगा। इससे पहले व्लादिवोस्तोक में बृहस्पतिवार को 9वें ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इस मुद्दे को सुलझाने में मदद करने में भारत की भूमिका का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि मैं चीन, ब्राजील, भारत में अपने साझेदारों के संपर्क में हूं। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन देशों के नेताओं का एक दूसरे के साथ विश्वास का रिश्ता है, मुझे भरोसा है कि वे हमारी मदद करने में रुचि लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त को यूक्रेन का दौरा किया था, इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति जेलेंस्की को बताया था कि यूक्रेन और रूस दोनों को चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए समय बर्बाद किए बिना एक साथ बैठना चाहिए। भारत क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

18 साल के हुए प्रिंस हिसाहितो; शाही परिवार को 40 वर्षों के बाद मिला नौजवान वारिस

टोक्यो, एजेंसी। जापान में 40 साल बाद शाही परिवार का कोई सदस्य वयस्क हुआ है। 58 वर्षीय क्राउन प्रिंस फुमिहितो और 57 वर्षीय क्राउन प्रिंसेस किको के इकलौते बेटे प्रिंस हिसाहितो ने शुक्रवार को अपना 18वां जन्मदिन बनाया। लगभग एक हजार साल से जापान की सत्ता पर काबिज प्रिंस फुमिहितो 40 साल पहले वयस्क हुए थे। प्रिंस हिसाहितो सम्राट नारुहितो के भतीजे और जापान के क्रिसेंथेमम सिंहासन के दूसरी रेखा के उत्तराधिकारी हैं। यह परिवार लगभग एक हजार साल से जापान की सत्ता पर काबिज है। लेकिन काफी वक्त से परिवार में कोई जवान पुरुष नहीं था।

अनुभवों से और ज्यादा सीखेंगे क्योडो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अपने 18वें जन्मदिन के मौके पर प्रिंस ने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं अनुभवों से और ज्यादा सीखूंगा और तमाम पहलुओं को समझते हुए आगे बढ़ूंगा। उन्होंने अपने माता-पिता और बहनों का भी आभार व्यक्त किया। 6 सितंबर, 2006 को जन्मे प्रिंस हिसाहितो सुकुबा विश्वविद्यालय के ओत्सुका में सीनियर हाईस्कूल के तीसरे वर्ष के छात्र हैं। जापान में राजा बनने की दौड़ में अपने पिता क्राउन प्रिंस फुमिहितो के बाद उनका ही नाम आता है।

लेबनान हमले के जवाब में हिजबुल्ला की कायराना हरकत, उत्तरी इस्राइल के रिहायशी इलाके में दागे रॉकेट

बेरूत, एजेंसी। इस्राइल-हिजबुल्ला संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार तड़के हिजबुल्ला ने उत्तरी इस्राइल के एक शहर पर रॉकेट दागे। इससे पहले इस्राइल ने लेबनान के एक शहर पर हमला किया। इसमें तीन नागरिक सुरक्षा कर्मियों की मौत हो गई। हिजबुल्ला की ओर से कहा गया कि उसने दुश्मन के हमलों का जवाब देते हुए किरयात शमोना पर रॉकेट दागे। लेबनान के फ्रौन गांव में इस्राइली हमले में तीन लोगों की मौत के जवाब में यह कार्रवाई की गई। वहीं लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस्राइल ने लेबनान के नागरिक सुरक्षा दल को निशाना बनाया। सुरक्षा दल फ्रौन गांव में लगी आग को बुझा रहा था। इस हमले में तीन नागरिक सुरक्षा कर्मियों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य लोग घायल हुए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस्राइल के हमले की निंदा की। यह 12 घंटे से कम समय में आपातकालीन टीम पर दूसरा हमला है। लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने भी इस्राइल के हमले को अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानवीय मूल्यों का उल्लंघन बताया वहीं हिजबुल्ला के सहयोगी अमल मूवमेंट ने बयान जारी किया कि इस्राइल के हमले में उसके भी दो सदस्य मारे गए। हमास और इस्राइल बीते 10 महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस बीच, इस्राइल और लेबनान के हिजबुल्ला के बीच भी युद्ध छिड़ता दिख रहा है। इस्राइल-हिजबुल्ला के बीच बीते रविवार को संघर्ष हुआ था। जब इस्राइल ने हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमले किए। इसके जवाब में हिजबुल्ला ने भी इस्राइल पर कार्रवाई की। इस्राइल अधिकारियों के मुताबिक हिजुबल्ला ने अपने कमांडर फुआद शुक्र की हत्या का बदला लेने के लिए हजारों रॉकेटों से उसके प्रमुख खुफिया केंद्र पर हमला करने की योजना बनाई थी, लेकिन इस्राइली रक्षा बलों की सतर्कता से इस पर काबू पाया गया। इसके चलते ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। हालांकि एक इस्राइली सैनिक और लेबनान में तीन लोगों की मौत हो गई।

तुर्किये के राष्ट्रपति का बड़ा बयान- इस्लामी देशों के गठबंधन से ही रोका जा सकता है इस्राइली आतंकवाद

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्किये के राष्ट्रपति रैचप तैयप एर्दोगन ने शनिवार को अपने एक बयान में कहा कि इस्राइली आतंकवाद को रोकने के लिए इस्लामी देशों को एकजुट होना होगा। एर्दोगन ने कहा कि इस्राइल की विस्तारवादी नीति बढ़ती जा रही है। तुर्किये के राष्ट्रपति के इस बयान पर इस्राइली विदेश मंत्री ने कड़ी आपत्ति जताई है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में एक तुर्किये-अमेरिकी मूल की महिला की वेस्ट बैंक इलाके में कथित तौर पर इस्राइली सैनिकों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। महिला इस्राइल द्वारा वेस्ट बैंक में नई बस्ती बसाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल होने पहुंची थी।

पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते सुधारने में जुटा तुर्किये : इस्तांबुल में इस्लामिक स्कूल एसोसिएशन के एक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए एर्दोगन ने कहा कि इस्राइल के अहंकार और इस्राइली आतंकवाद को रोकने का एक ही तरीका है और वो है इस्लामी देशों का गठबंधन। तुर्किये के राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के समय में उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए हैं, जिससे मिस्त्र और सीरिया के साथ तुर्किये के संबंध बेहतर हो सकें। तुर्किये के राष्ट्रपति पड़ोसी देश सीरिया के साथ भी अपने रिश्तों को मजबूत करने में जुटे हैं। सीरिया में साल 2011 में गृह युद्ध छिड़ने के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में तनाव आ गया था।

अरब देशों के साथ भी रिश्ते बेहतर कर रहा तुर्किये : इसी हफ्ते मिस्त्र के राष्ट्रपति ने तुर्किये का दौरा किया था। इस दौरे पर दोनों देशों के नेताओं के बीच गाजा युद्ध को लेकर चर्चा हुई थी। यह मिस्त्र के किसी राष्ट्रपति का बीते 12 वर्षों में पहला तुर्किये दौरा है। तुर्किये संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ भी अपने रिश्तों को सामान्य करने की कोशिश कर रहा है। एर्दोगन के बयान पर इस्राइल के विदेश मंत्री इस्राइल काट्ज ने कहा कि एर्दोगन का बयान खतरनाक झूठ और भड़काऊ है। उन्होंने आरोप लगाया कि तुर्किये के राष्ट्रपति लंबे समय से ईरान के साथ मिलकर अरब देशों के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

यूरोप में यहूदियों को निशाना बनाने की साजिश का भंडाफोड़, ईरान के खुफिया एजेंट्स पेरिस में गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। पेरिस में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों की गिरफ्तारी से एक अंतरराष्ट्रीय साजिश का पर्दाफाश हुआ है। दरअसल ईरान की सीक्रेट सर्विस ने यूरोपीय देशों जैसे जर्मनी, फ्रांस आदि में यहूदी लोगों को निशाना बनाने की योजना बनाई है। ईरान की सीक्रेट सर्विस की योजना यूरोपीय देशों और वहां रह रहे यहूदी लोगों में दहशत फैलाना है।

मई में एक दंपति को पेरिस पुलिस ने गिरफ्तार किया : पेरिस पुलिस ने मई में अब्देलकरीम एस (34 वर्षीय) और सबरीना बी (33 वर्षीय) नामक एक दंपति को गिरफ्तार किया था। दोनों पर आतंकी संगठन के साथ मिलकर साजिश रचने और यूरोपीय देशों में यहूदी लोगों की हत्या की साजिश रचने का आरोप तय किया गया है। गुरुवार को इस मामले का खुलासा हुआ है, जब फ्रांस की एक न्यूज वेबसाइट ने इसे लेकर खबरें प्रकाशित की। रिपोर्ट्स के अनुसार, यूरोप में ईरान द्वारा राज्य द्वारा पोषित आतंकवाद को फिर से खड़ा करने की साजिश रची जा रही है।

यहूदी लोग थे आतंकियों के निशाने पर : फ्रांस की सिक्योरिटी एजेंसी का कहना है कि ईरान ने साल 2015 में सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स द्वारा टारगेट किलिंग की शुरुआत की थी, लेकिन अब इस्राइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद से इसमें तेजी आई है। ईरान पर आरोप है कि उसने अपनी इस साजिश के तहत अपराधियों की भर्ती की, जिनमें ड्रग तस्कर आदि शामिल हैं। फिलहाल गिरफ्तार अब्देलकरीम एस भी हत्या के मामले में 10 साल की सजा काट रहा था और बीते साल जुलाई में ही प्रोबेशन पर रिहा हुआ था। फ्रांस में ईरान से पोषित आतंकी सेल का संचालन करने का आरोप अब्देलकरीम पर ही है। जांच में पता चला है कि आतंकियों के निशाने पर पेरिस स्थित एक इस्राइली सिक्योरिटी कंपनी का पूर्व कर्मचारी था। साथ ही तीन इस्राइल-जर्मन नागरिक भी आतंकियों के निशाने पर थे।

उत्तर कोरिया ने फिर से शुरू किए गए अभियान में 190 वेस्ट मटेरियल वाले गुब्बारे उड़ाए

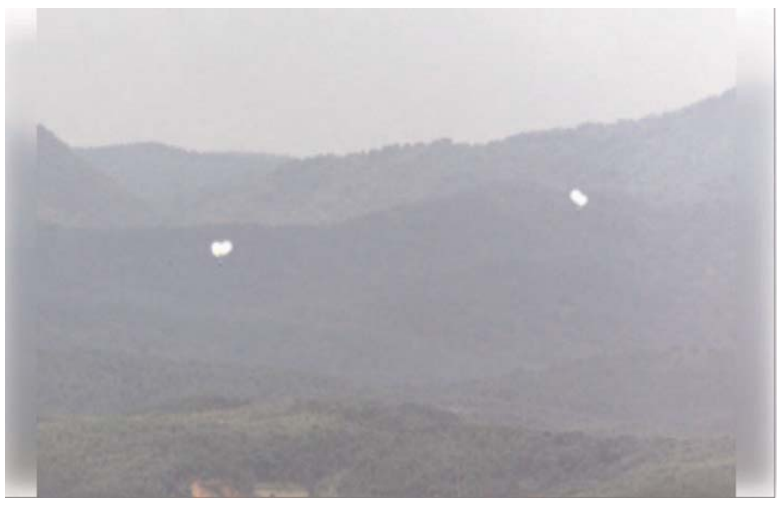

सियोल , एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अपना गुब्बारा अभियान फिर से शुरू किया है। सैन्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि स्क्रैप पेपर और वेस्ट मटेरियल से भरे लगभग 190 गुब्बारे दक्षिण की ओर उड़ाए गए। इनमें से कई सियोल और आसपास के इलाकों में पाए गए हैं। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उत्तर कोरिया ने शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक गुब्बारे उड़ाए और अब तक लगभग 100 गुब्बारे राजधानी और इसके आसपास के ग्योंगगी प्रांत में उतरे हैं। गुब्बारों में कोई खतरनाक सामग्री नहीं पाई गई, इसमें केवल स्क्रैप पेपर, प्लास्टिक के टुकड़े और बोतलें थी। उत्तर कोरिया ने अपना नवीनतम गुब्बारा अभियान बुधवार को फिर से शुरू किया, जो लगातार चौथे दिन शनिवार को भी जारी रहा। मई के अंत से, दक्षिण कोरिया के कार्यकर्ताओं द्वारा सीमा पार भेजे गए प्योंगयांग विरोधी पर्चों के प्रति जवाबी कार्रवाई में उत्तर कोरिया ने कचरा ले जाने वाले हजारों गुब्बारे छोड़े हैं। शुरुआत में इन गुब्बारों में खाद को दक्षिण की ओर भेजा जाता था। इसके बाद खाद की जगह स्क्रैप पेपर, प्लास्टिक और फिर प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग किया जाने लगा। नए अभियान के शुरू होने के बीच लगभग एक महीने का अंतराल था जो 10 अगस्त से शुरू हुआ था। ऐसे अभियानों के जवाब में, दक्षिण कोरिया की सेना 21 जुलाई से सीमा पर लाउडस्पीकरों के माध्यम से दैनिक उत्तर कोरिया विरोधी प्रचार प्रसार कर रही है। उत्तर कोरिया ने प्योंगयांग विरोधी पर्चे और लाउडस्पीकर अभियानों के खिलाफ इस डर से कड़ा रुख अपनाया है कि बाहरी सूचनाओं की आमद किम जोंग-उन शासन के लिए खतरा पैदा कर सकती है।

ब्रिटेन : प्रशासन के कब्जे से मुक्त हुआ द बॉडी शॉप

लंदन, एजेंसी। भारतीय मूल के कॉस्मेटिक्स दिग्गज माइक जटानिया ने ब्रिटेन के संकटग्रस्त सौंदर्य ब्रांड की शृंखला द बॉडी शॉप को प्रशासन के चंगुल से मुक्त करा लिया है। एक सौदे के तहत माइक जटानिया ब्रांड में अपना निवेश करेगा, जिससे ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और अमेरिका में स्थित इसके स्टोर की शृंखलाएं काम करती रहेंगी। द गार्जियन अखबार के अनुसार, जटानिया की ग्रोथ कैपिटल फर्म ऑरेलियस के नेतृत्व में एक बॉडी शॉप इंटरनेशनल की सभी संपत्तियां खरीद लीं। सौदे के तहत इसके ब्रिटेन के अलावा ऑस्ट्रेलिया और उत्तरी अमेरिका स्थित स्टोर का नियंत्रण हासिल कर लिया।

गणेश पंडाल पर पथराव की घटना के बाद बुलडोजर कार्यवाही, सैयदपुरा में अवैध निर्माणों का सफाया

सूरत । शहर के सैयदपुरा इलाके में कुछ विधर्मियों द्वारा बीती रविवार की रात गणेश पंडाल पर पथराव की घटना के बाद आज सूरत महानगर पालिका (एसएमसी) ने अवैध निर्माणों पर बुलडोजर कार्यवाही शुरू कर दी। एसएमसी प्रशासन ने भारी पुलिस सुरक्षा के साथ शहर के सैयदपुरा समेत आसपास बने अवैध निर्माणों का सफाया कर दिया। एसएमसी की कार्यवाही से अवैध निर्माणों करनेवालों में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक सूरत के सैयदपुरा इलाके में गणेश पंडाल पर हुए पथराव को लेकर आज गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने सूरत पुलिस कमिश्नर कार्यालय में शहर के मेयर, पुलिस कमिश्नर, निगम अधिकारियों समेत अन्य आला अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के बाद हर्ष सांघवी ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और पुलिस ने घर-घर जाकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए असामाजिक तत्वों को पकड़ा है। उन्होंने कहा कि अशांति फैलाने का प्रयास करनेवालों को बर्दाश्त नहीं किया सकता। हर्ष संघवी ने इस मौके पर सामाजिक संगठनों से अपील करते हुए कहा कि गुजरात को देश का सबसे बड़ा ग्रोथ इंजन बनाने के लिए दिन-रात काम करना है। मैं अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं से अपील करता हूं कि वे ऐसे युवाओं को सही रास्ता दिखाएं। उन्होंने कहा कि इस बात का भी ख्याल रखा गया है कि कोई निर्दोष व्यक्ति जेल न जाये। दूसरी ओर गृह मंत्री के आदेश के हरकत में आए एसएमसी प्रशासन ने सैयदपुरा समेत आसपास के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर कार्यवाही शुरू कर दी। सूरत मेयर के निर्देशानुसार स्थानीय क्षेत्र से अवैध निर्माणों का सफाया कर दिया गया है। सूरत के मेयर दक्षेश मवानी ने कहा कि बैठक में इन अवैध निर्माणों को लेकर भी चर्चा हुई और उन पर कार्यवाही करने का फैसला किया गया। गणेश पंडाल पर पथराव की घटना के अवैध निर्माण हटाओ अभियान युद्ध स्तर पर चलाया गया है। मेयर ने कहा कि पत्थर फेंकने वाला हर व्यक्ति समाज का अपराधी है। उन्होंने कहा कि बुलडोजर कार्रवाई अवैध निर्माणों पर की गई है और आने वाले दिनों में भी यह जारी रहेगी।

गुजरात के मोरबी से सीहोर के 7 आदिवासी बंधकों को रिहा कराया

भोपाल । सीहोर जिले के शाहगंज के गांव खटपुरा के सात आदिवासी बंधकों को गुजरात के मोरबी से छुड़ाया गया है। सोमवार की रात तक वह अपने घर वापस पहुंच जाएंगे। गुजरात गए इन सात आदिवासी मजदूरों को बंधक बनाकर रखा गया था। रामेश्वर नामक ठेकेदार इन मजदूरों को 17000 रुपए महीने की पगार पर गुजरात के मोरबी लेकर गया था। उसके बाद मोरबी में बंधक बनाकर इन लोगों से काम लिया जा रहा था। एक आदिवासी मजदूर ने वीडियो बनाकर गुपचुप तरीके से भेजा,जब यह मामला सामने आया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह का यह विधानसभा क्षेत्र है। सूचना मिलते ही कलेक्टर सीहोर द्वारा एसडीएम और तहसीलदार को बुधनी भेजा गया था। मजदूर परिवारों से मोबाइल नंबर पता करके जानकारी प्राप्त की। गुजरात के मोरबी प्रशासन को बंधक बनाने की सूचना दी गई। उसके बाद इन आदिवासी मजदूर को छुड़ाया गया। मोरबी जिला प्रशासन ने उन्हें रिहा कराकर वापस भेजा है।

इंफाल में पुलिस के खिलाफ सड़कों पर लोग

इंफाल । मणिपुर में हाल में हुए ड्रोन हमलों की निंदा कर रैली निकालने के बाद, इंफाल में राजभवन और मुख्यमंत्री के बंगले के निकट पहुंचे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के कई गोले दागे। हजारों लोगों ने टिडिम रोड पर तीन किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार्च किया और जब पुलिस ने उन्हें रोका, तब वे कड़ी सुरक्षा वाले क्षेत्र की ओर बढ़ गए। राज्य और केंद्रीय बलों की एक टुकड़ी ने सड़क पर अवरोधक लगा दिए। घटनास्थल पुलिस मुख्यालय, राज्य सचिवालय और भाजपा कार्यालय के निकट है। प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठ गए और संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा हाल में किए गए ड्रोन हमलों की निंदा करते हुए नारे लगाए और घटना में शामिल लोगों को गिरफ्तार करने में अधिकारियों की ''अक्षमता'' की निंदा की। उन्होंने ड्रोन हमलों को रोकने में कथित रूप से विफल रहने के लिए राज्य के पुलिस महानिदेशक को पद से हटाने की मांग करते हुए नारे लगाए।

नशे की हालात में एयरपोर्ट पर हंगामा..... मलयालम अभिनेता गिरफ्तार

कून्नूर । मलयालम अभिनेता विनायकन को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया। अभिनेता पर आरोप है कि वहां कथित तौर पर नशे की हालत में एयरपोर्ट स्टाफ से बदतमीजी कर रहे थे। सीआईएसएफ इंस्पेक्टर ने बताया कि विनायकन कोच्चि से इंडिगो की फ्लाइट से हैदराबाद आए थे और यहां से गोवा जाने वाले थे। तभी एयरपोर्ट के गेट पर वे स्टाफ के साथ बदतमीजी करने लगे और वे पूरी तरह से नशे की हालत में थे। सीआईएसएफ इंस्पेक्टर ने कहा, अभिनेता शराब के नशे में थे और उन्होंने उस हालत में काफी हंगामा किया। जिसके बाद फौरन मामला दर्ज किया गया। विनायक को आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस को सौंप दिया गया और उनके खिलाफ सिटी पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज हुआ। बता दें कि पिछले साल भी, मलयालम अभिनेता को एक पुलिस अधिकारी की ड्यूटी में बाधा डालने और नशे की हालत में धमकी देने और दुर्व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अभिनेता ने कथित तौर पर एर्नाकुलम टाउन नॉर्थ पुलिस स्टेशन में हंगामा किया था, जहां पुलिस ने उन्हें उनके अपार्टमेंट में उनकी पत्नी के साथ विवाद के सिलसिले में बुलाया था। विनायकन कई मलयालम फिल्मों के अलावा कई तमिल फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। साल 2023 में आई सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर में उन्होंने विलेन का रोल निभाया था जिसके बाद उनके काफी ज्यादा तारीफ मिली थी।

निलंबित आईपीएस अधिकारी दास पर महिला ने लगाया यौन शोषण का आरोप

मलप्पुरम। निलंबित आईपीएस अधिकारी सुजीत दास के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। पोन्नानी की रहने वाली एक महिला ने उन पर और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। दास के अलावा, पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में पूर्व पोन्नानी सीआई विनोद वलियाट्टूर का नाम भी शामिल है, जो अब कोट्टक्कल सीआई के पद पर कार्यरत हैं। महिला ने आरोप लगाया है कि पूर्व तिरूर डीएसपी वी वी बेनी, जो अब तनूर डीएसपी हैं, ने उसके साथ छेड़छाड़ का प्रयास किया, लेकिन मैंने उसका विरोध किया। पोन्नानी पुलिस ने कहा कि वे प्रारंभिक जांच के बाद ही शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज करुंगा। इस बीच, बेनी ने महिला के आरोपों को प्रसारित करने वाले न्यूज चैनल के खिलाफ मलप्पुरम पुलिस प्रमुख एस शशिधरन के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। मैं पुलिस प्रमुख से चैनल के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह करता हूं। विनोद और दास ने भी आरोपों को निराधार और उन्हें बदनाम करने की कोशिश करार दिया।

पटना में बेखौफ बदमाश... भाजपा नेता की गोली मार कर हत्या

पटना। पटना के चौक थाना इलाके में सोमवार सुबह बदमाशों ने बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष मुन्ना शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी। उन्होंने सोने की चेन छीनने का विरोध किया था, इसपर अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। घटना के बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति है। पटना में सोमवार सुबह एक दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां बेखौफ अपराधियों ने बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष की गोली मारकर हत्या कर दी है। बताया जा रहा है कि आरोपी पूर्व मंडल अध्यक्ष के साथ लूटपाट करना चाहते थे, लेकिन विरोध करने पर आरोपियों ने उन्हें गोली मार दी। बताया जा रहा है कि हमलावर बीजेपी के पूर्व मंडल अध्यक्ष शर्मा के गले से सोने की चेन छीनना चाह रहे थे, लेकिन मुन्ना शर्मा ने उनका विरोध किया। इसपर आरोपियों ने उन्हें गोली मार दी। गोली लगने के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमाटम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। लोगों के मुताबिक एक दिन पहले ही रविवार को उनके बेटा का छेका (सगाई) हुआ था। सोमवार सुबह वे परिवार वालों को टेम्पो में बैठाने के लिए रोड पर आए थे। उनके गले में सोने की चेन थी। अपराधी घात लगाए हुए थे और उन्हें शिकार के लिए बुजर्ग मुन्ना शर्मा नजर आ गए। मौका पाकर आरोपियों ने उनके गले से सोने की चेन छीनने की कोशिश की।

राहुल गांधी के बयान पर गिरिराज सिंह... एक गद्दार संघ को नहीं समझ सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया है। दरअसल सोमवार को अमेरिका के टेक्सास में कार्यक्रम के दौरान राहुल ने बीजेपी और आरएसएस पर तंज करते बयान दिया था। इसके जवाब में गिरिराज सिंह ने कहा, एक गद्दार आरएसएस को नहीं समझ सकता है। राहुल गांधी ने कहा कि संघ मानता है कि भारत एक विचार है, जबकि हमारा मानना है कि भारत विचारों की बहुलता है।

राहुल गांधी की आलोचना का जवाब देकर केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि अगर उनकी दादी से आरएसएस की भूमिका के बारे में पूछने की कोई तकनीक है, तब उन्हें ऐसा करना चाहिए या इतिहास के पन्नों में झांकना चाहिए। संघ को सही मायने में समझने के लिए राहुल गांधी को कई जन्मों की जरूरत होगी। एक देशद्रोही आरएसएस को नहीं समझ सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ऐसा लगता है कि राहुल गांधी केवल भारत को बदनाम करने के लिए विदेश यात्रा करते हैं। वे इस जिंदगी में कभी भी संघ को समझ नहीं पाएंगे, क्योंकि यह भारत के मूल्यों और संस्कृति में निहित है।

कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा द्वारा राहुल गांधी की तारीफ करने के बाद बीजेपी नेता अमित मालवीय ने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनकी उच्च शिक्षा, व्यापक अध्ययन और रणनीतिक सोच की वजह से उन्हें समझना आसान नहीं है। पित्रोदा का बयान तब आया, जब वे टेक्सास में भारतीय प्रवासियों को संबोधित कर रहे थे, जहां राहुल गांधी दौरे पर हैं। मालवीय ने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा, कभी-कभी राहुल गांधी को समझना आसान नहीं होता है, उनके गुरु पित्रोदा कहते हैं। उनकी गलतियां ऐसी होती हैं, जिससे ब्लूपर्स बनते हैं। पित्रोदा ने कहा है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी का नजरिया बीजेपी के नजरिए के विपरीत है और वह पप्पू नहीं हैं।

बड़ी साजिश- रेलवे ट्रैक पर रखा गैस सिलेंडर और पेट्रोल से भरी बोतल, बड़ा हादसा टला

कानपुर। रेलवे ट्रैक पर मिली रही संदिग्ध वस्तुओं को देखकर ऐसा लगा रहा है कि देश में कोई बड़ी साजिश रची जा रही है। क्योंकि रेलवे ट्रैक के साथ बार-बार छेड़छाड़ की घटना सामने आ रही है। ताजा मामला कानपुर से है, जहां रेलवे ट्रैक पर सिलेंडर मिला। हालांकि ड्राइवर की सूझबूझ से बड़ा हादसा होने से टल गया। अनवरगंज-कासगंज के बीच भिवानी जा रही कालिंदी एक्सप्रेस के ट्रैक पर सिलेंडर रखा हुआ मिला। बाकी बरामद सामान में कांच की पेट्रोल से भारी बोतले भी मिली हैं, जिसमें बत्ती भी लगी हुई थी (पेट्रोल बम की तरह), एक सफेद रंग का बैग भी मिला है। शक जताया जा रहा है कोई बड़ी साजिश रची गई थी। लेकिन सवाल ये अब भी है कि इस तरह की हरकत कौन कर रहा है?

ट्रेन की स्पीड ज्यादा थी, जिसकी वजह से ट्रेन को रोकते-रोकते ट्रेन सिलेंडर से जा टकराई। इसके चलते बहुत जोर सी आवाज आई। लेकिन गनीमत रही की किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। इसके बाद ड्राइवर ने आरपीएफ को सूचना दी। मामले की जानकारी मिलते ही आनन-फानन में अधिकारी मौके पर पहुंचे। टीम ने जांच के बाद करीब 200 मीटर दूर सिलेंडर बरामद किया। सिलेंडर भरा हुआ मिला। जांच में अन्य संदिग्ध वस्तुएं भी बरामद हुई हैं। आरपीएफ ने कहा कि साजिश की घटना से इनकार नहीं जा सकता है। फिलहाल आरपीएफ ने एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

इस सर्वे के बाद हरकत में आई भाजपा, अमित शाह ने महायुति के नेताओं संग की बैठक

पटना (एजेंसी)। महाराष्ट्र के दो दिवसीय दौरे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 9 सितंबर को महाराष्ट्र गठबंधन सरकार के घटक दलों के शीर्ष नेतृत्व के साथ सीट-बंटवारे समझौते पर विचार-विमर्श किया। बैठक, कथित तौर पर 45 मिनट तक चली। महायुति सरकार के शीर्ष नेतृत्व ने राज्य में होने वाले अत्यधिक विवादास्पद विधानसभा चुनावों से पहले सीट-बंटवारे समझौते पर विचारों का आदान-प्रदान किया। गौरतलब है कि बैठक के दौरान, जिसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे, राकांपा नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, साथ ही एक अन्य उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले शामिल थे।

शाह ने इस बात पर जोर दिया गठबंधन सरकार के नेताओं से कहा कि सीट-बंटवारे की व्यवस्था में सभी का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने आग्रह किया कि इसकी समीक्षा के लिए तत्काल एक संयुक्त बैठक बुलाई जाए। इसके अलावा बैठक के दौरान इस बात पर भी सहमति बनी कि महायुति नेताओं की अगली बैठक दिल्ली में होगी, जहां सीट आवंटन को लेकर अंतिम चर्चा होगी। इस बीच, यह ध्यान रखना उचित है कि शाह की महायुति नेताओं के साथ बैठक तब हुई है जब उन्होंने महाराष्ट्र की अपनी दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन पिछली रात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेतृत्व की बैठक की अध्यक्षता की थी। सूत्रों के मुताबिक, उस बैठक में उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी की तैयारियों की समीक्षा की और बीजेपी नेताओं को लोकसभा चुनाव की गलतियों को सुधारने और आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

अगस्त महीने में हुए एग्जिट पोल और मास सर्वे के अनुसार, इस बार महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति को 123 सीटें और महाविकास आघाडी को 152 सीटें मिल सकती हैं। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर में हो सकते हैं। इस बैठक में सीएम शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से हाल ही में दिए गए विवादास्पद बयानों पर भी बात की गई।

16 माह बाद भी खड़ा हुआ ये यक्ष प्रश्न... क्यों नहीं रुक रही मणिपुर में हिंसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है। पूर्वोत्तर के इस राज्य में लूट, हत्याओं और अशांति की खबरें आम हैं। मणिपुर में 3 मई 2023 से हिंसा का दौर शुरू हुआ था। लेकिन 16 महीने बाद भी राज्य में शांति बहाल नहीं हुई। मणिपुर में हालात की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लग सकता हैं कि वहां हिंसा में शामिल दोनों समुदायों के पास वे हथियार हैं जिनका इस्तेमाल आमतौर पर युद्ध में होता है। सेना इस कदर मजबूर है कि उन्हें एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात करने पड़े हैं। पहाड़ों और घाटियों में लोगों ने बंकर बना रखे हैं। अब सवाल ये उठता है कि 16 महीने बाद भी हिंसा क्यों नहीं थम रही?

इसके कई कारण हैं। आसान भाषा में पूरी लड़ाई दो जातीय समूह कुकी और मैतई के बीच है। ज्यादातर मैतई समुदाय के लोग घाटी में रहते हैं और वहीं कुकी समुदाय के लोग पहाड़ों पर रहते हैं। हिंसा के बाद इन दोनों समुदायों का एक-दूसरे के स्थानों पर जाना बंद सा है। यही अलगाव हिंसा न थमने का एक बड़ा कारण भी है।

दोनों की अलग-अलग लोकेशन होने के चलते पूरा इलाका एक सरहद में बदल चुका है। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ने अपने लिए सेफ बंकर बना लिए हैं। भारी मात्रा में हथियार दोनों के पास ही मौजूद हैं। जिससे जब मौका मिलता है तब वे एक-दूसरे पर हमला करते हैं और फिर बंकर में छिप जाते हैं। घाटी और पहाड़ी होने के चलते उन्हें रोक पाना भी मुश्किल हैं।

असम जैसे हालात गोवा में भी, राज्यपाल बोले- ईसाई घटे हैं और मुस्लम लगातार बढ़ रहे

कोच्चि(ईएमएस)। असम जैसे हालात गोवा में भी बनने लगे हैं। यहां के राज्यपाल एस. श्रीधरन पिल्लाई ने रविवार को दावा किया कि राज्य में ईसाई आबादी में तेजी से कमी आई है। वहीं मुस्लिमों की संख्या पहले के मुकाबले बढ़ गई है। उन्होंने केरल की एक चर्च में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि गोवा में ईसाई आबादी पहले के 36 प्रतिशत से घटकर 25 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने कहा, 'मैंने एक वरिष्ठ पादरी से बात की। मैंने उन्हें बताया कि कैथोलिक समुदाय के सदस्यों का प्रतिशत घटकर 25 प्रतिशत हो गया है, जबकि इस्लामी समुदाय के सदस्यों का प्रतिशत पहले के तीन प्रतिशत से बढ़कर 12 प्रतिशत हो गया है बता दें कि जनसंख्या के असंतुलन की बात असम, उत्तराखंड जैसे कई राज्यों में भी कही जाती रही है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा तो लगातार यह कहते रहे हैं कि राज्य में मुस्लिमों की आबादी में तेजी से इजाफा हो रहा है और इसकी वजह बांग्लादेश से होनी वाली घुसपैठ है।

विदेश से आए शख्स में मिले मंकीपॉक्स के लक्षण, अस्पताल में किया आइसोलेट

-स्वास्थ्य मंत्रालय पता लगा रहा किन-किन व्यक्ति के संपर्क में रहा मरीज

नई दिल्ली(एजेंसी)। मंकी पॉक्स जो दुनिया के कई देशों में फैल चुका है जिसे लेकर डब्ल्यूएचओ भी चेतावनी जारी कर चुका है। अब भारत में भी इसकी एंट्री हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक हाल ही में एक मरीज विदेश से भारत आया है, जो ऐसी कंट्री में था जहां पर मंकी पॉक्स की बीमारी फैली है। मंकी पॉक्स जैसे लक्षण होने के कारण मरीज को आइसोलेट कर दिया गया है। उसके सभी टेस्ट किए जा रहे हैं। मरीज को डेसिग्नटेड अस्पताल में आइसोलेट किया गया है और वर्तमान में उसकी हालत स्थिर है।स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप मामले को देखा जा रहा है। यह पता लगाने के कोशिश की जा रही है कि कौन-कौन उस व्यक्ति के संपर्क में आया है। मंत्रालय ने कहा ऐसे मामलों से निपटने के लिए पूरी तैयार कर रखी है और किसी भी संभावित जोखिम से निपटने के लिए मजबूत उपाय किए गए हैं। केंद्र सरकार ने सभी राज?यों को जरूरी गाइडलाइंस जारी की हैं। साथ ही राज?यों को कोरोना वायरस की चुनौती के बीच अलर्ट रहने के लिए कहा गया है। पिछले दिनों हुई स्वास्थ्य मंत्रालय की बैठक में यह बात सामने आई थी कि मंकीपॉक्स का दो से चार सप्ताह का संक्रमण होता है और रोगी आमतौर पर सहायता संबंधी प्रबंधन से ठीक हो जाते हैं। संक्रमित व्यक्ति के साथ लंबे समय तक साथ रहने और आमतौर पर यौन संबंध, शरीर, घाव के तरल पदार्थ के साथ सीधे संपर्क या संक्रमित व्यक्ति के दूषित कपड़े, चादर का इस्तेमाल करने से होता है। बता दें डब्ल्यूएचओ ने इससे पहले जुलाई 2022 में मंकीपॉक्स को पीएचईआईसी घोषित किया था जिसके बाद मई 2023 में इसे रद्द कर दिया था। 2022 से वैश्विक स्तर पर डब्ल्यूएचओ ने 116 देशों से मंकीपॉक्स के कारण 99,176 मामले और 208 मौतें होने की बात कही थी।

नीतिश क्यों मारते हैं बार-बार पलटी... उपेंद्र कुशवाहा ने किया खुलासा

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फिर महागठबंधन में शामिल होने की अटकलों ने जोर पकड़ा है। दरअसल ये अटकलें तब शुरू हुईं जब नीतीश कुमार और लालू-तेजस्वी का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वहीं सीएम नीतीश कुमार ने यह कह सभी अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश की कि वह अब इधर-उधर नहीं जाएंगे। बिहार सीएम के बयान पर उपेंद्र कुशवाहा ने सवाल उठाकर कहा है कि जब वे एनडीए में हैं ही, तब यह कहने की क्या जरूरत है?

दरअसल, पूरा मामला तब शुरू हुआ जब बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने 3 सितंबर को मुख्यमंत्री कुमार से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद से ही राजनीतिक गलियारों में नीतीश के फिर से महागठबंधन में जाने की अटकलें तेज हो गईं। इसी बीच नीतीश कुमार और लालू-तेजस्वी का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे इन अटकलों को और हवा मिली। नीतीश के इस बयान पर भी बयानबाजी तेज हो गई है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि

नीतीश जो कहते हैं, वे बिल्कुल नहीं करते हैं। महागठबंधन में थे, तब भी इसी तरह का बयान देते थे। और एनडीए में हैं तब भी वहीं बयान दे रहे हैं।

नीतीश को बोलने की जरूरत क्या है...

इधर, नीतीश के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कुशवाहा ने कहा कि नीतीश एनडीए में हैं, यह बात बिल्कुल ठीक है। राजद के साथ जाकर उन्होंने जो महसूस किया, अब दोबारा-तिबारा सवाल ही पैदा नहीं होता कि उधर जाने की बात नीतीश कुमार करें। यह बात बिल्कुल सच है, लेकिन उनसे व्यक्तिगत मेरा आग्रह है कि इस बोलने की क्या जरूरत है?

बारिश ने बदला नक्शा, अब यूपी, बिहार ही नहीं कई राज्यों को किया जलमग्न

- 2036 तक ऐसी आपदाओं से देश के 147 करोड़ से ज्यादा लोग होंगे प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बारिश के कहर से साफ तौर पर नजर आ रहा है कि भारत में बाढ़ का नक्शा बदल रहा है। क्योंकि पहले नक्शे में सिर्फ यूपी, बिहार, उत्तर पूर्वी राज्यों में बाढ़ का खतरा रहता था। अब शहरी जलप्रलय की सीमाएं बढ़ रही हैं। सरकार को नया नक्शा बनाने की जरूरत है।

पूरे देश में बारिश का मौसम बदल चुका है। ऐसा माना जा रहा है कि इस बार मानसून भी देरी से ही विदा होगा। वजह है बंगाल की खाड़ी और अरब सागर के ऊपर बनने वाले चक्रवात, डिप्रेशन और लो प्रेशर एरिया। अब नया पैटर्न आ गया है तूफान का। वह बनता जमीन पर लेकिन खिसक कर समंदर में चला जाता है उसके बाद उसकी ताकत और भी बढ़ जाती है। देश में जो इलाके पहले सूखे जाने जाते थे, अब वहां तेज बारिश हो रही है। भयानक बाढ़ आ रही है या फिर दोनों ही स्थितियां हैं।

अगर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अथॉरिटी की माने तो सबसे ज्यादा बाढ़ वाले इलाके गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन में हैं। उत्तर में हिमाचल से लेकर पंजाब, बिहार, यूपी असम और अरुणाचल प्रदेश हैं लेकिन अब तो तटीय राज्यों ओडिशा, गुजरात, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में भी बाढ़ आ रही है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात के 80 फीसदी जिलों में पिछले दो दशकों में बारिश की मात्रा और तीव्रता दोनों ही बढ़े हैं। इस साल सौराष्ट्र में आई बाढ़ ने यह बता दिया है। देश में पहले 110 जिले थे, जो सूखे से बाढ़ की तरफ गए थे लेकिन अब सूखे से ज्यादा बाढ़ झेलने वाले 149 जिले हैं। बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, यूपी और असम के 60 फीसदी जिले साल में एक बार जरूर चरम मौसमी आपदा का सामना करते हैं। 2036 तक ऐसी आपदाओं से देश के 147 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित होंगे।

1973 से 2023 तक होने वाली सभी चरम आपदाओं की स्टडी रिपोर्ट में की गई है। हैरानी करने वाली बात यह है कि दिल्ली, गुजरात, तेलंगाना, राजस्थान की बाढ़ ग्रस्त हो गए हैं। वायनाड में भूस्खलन हो या फिर चमड़ी गलाने वाली गर्मी हो। वैज्ञानिक और एक्सपर्ट इनके होने का अंदाजा नहीं लगा सकते। क्योंकि इनकी तीव्रता, मात्रा अचानक बढ़ जाती है। असम के 90 फीसदी, बिहार 87 फीसदी, ओडिशा के 75 फीसदी और आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के 93 फीसदी जिले भारी बाढ़ की स्थिति से कभी भी परेशान हो सकते हैं।

ये स्टडी करने वाले प्रमुख वैज्ञानिक अबिनाश मोहंती ने बताया कि अब गर्मी जमीन से बहकर समंदर की ओर जा रही है। जैसा अभी गुजरात, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में हुआ। इससे समंदर की गर्मी और बढ़ रही है। इसका असर मौसम पर पड़ता

है। जैसे दक्षिण भारत में श्रीकाकुलम, कटक, गुंटूर और बिहार का पश्चिम चंपारण जो पहले बाढ़ के लिए जाना जाता था, अब वहां सूखा पड़ रहा है। ये खासतौर से मैदानी इलाकों में ज्यादा हो रहा है।